

我希望带着对死亡的视角去生活。

目录

前言

让我们确立一种关于死亡的视角

圣徒之死

“活人必将这事放在心上”

众人的结局都是一样

死亡并非终结

在我离世之前.....

“留遗命，安排家事”

曾惧怕被杀的以撒

直面死亡的决心

当下的苦难与未来的荣耀

“我愿替你死”

如何为人生画上圆满的句号？

离世前要做的事

该如何准备与挚爱的家人告别？

让我们及早认真筹备葬礼

“把我的眼泪装在你的皮袋里”

身患绝症与病愈之时

当离世时刻临近时

在生死关头仍要感谢神的三个理由？

止息劳苦，得享安息

愿我能安然闭目离世

不再有死亡

若死人不再复活，会怎样？

“也必使你们必死的身体又活过来”

复活的盼望

关于那些安睡的人

我的死亡是.....

我曾深思过自己的死亡

我们必须思考自己的死亡

从元旦那天起.....

人生的终局？

若陷入只能依靠呼吸机维持生命的情况.....

我当成为那一粒麦子.....

即使通过死亡.....

死亡

“默想死亡”

有必要认真面对死亡吗？

“若能重获新生，你会如何生活？”

让我们带着死亡的视角生活

我们必须确立死亡的视角

我们应当带着这种视角生活.....耶稣基督在十字架上的死.....

挚爱之人的离世.....

通过挚爱之人的离世.....

一位殉道者妻子的日记

爱不应胜过死亡吗？.....

癌症患者的心境？

“爱如死之坚强”

离世前要宽恕

离世前必须与人和好如果不这样做，你会后悔一辈子。

死亡并非终结。

死亡，亦是美丽的。

我们真正拥有的，唯有去爱的时间。

一位幸存的“泰坦尼克号”船员讲述沉船背后的感人故事

一位蒙古族姐妹的遗嘱

死亡

与孩子们的对话

长子的离世

爸爸领悟到了什么？

别担心，妈妈！

“我要火化爸爸”

张奶奶的吻

我想分担这份痛苦，与大家一同落泪。

任奉熙（Im Bong-hee）奶奶

指甲刀

探访养老院

悼念已故的李振九（Lee Jin-gu）先生

大姨夫

切莫错失给予的时刻.....

我会想念他的。

崔粉南 (Choi Bun-nam) 奶奶

怀念已故的崔粉南奶奶

结语

前言

主正在教导我关于死亡的视角。

当我短暂回国，在瑞贤教会 (Seohyun Church) 担任负责教育事工的牧师时，主赐予了我关怀年轻人的心志与热情。然而，借着《马太福音》16 章 18 节的应许——“我要把我的教会建造在这磐石上”——祂引领我回到胜利长老会 (Seungri Presbyterian Church)，去服侍教会中的长者。我曾为此挣扎并切切祷告，寻求明白主的心意。在这个过程中，祂引导我主持这些长者的葬礼，同时也促使我反思自己的死亡。借着祂关于死亡的教导，祂将这一视角深深植入我的心中。我逐渐领悟到，这至少在某种程度上是主的心意：祂将我带回胜利长老会服侍长者，正是为了教导我如何看待死亡。从那时起，我开始鼓励自己及教会会众，要带着这种关于死亡的视角生活。此外，我也开始通过 Naver 博客、Facebook 和 KakaoStory 等网络平台分享这些教导，强调我们都需要带着这种死亡观来生活。

就在昨天的清晨祷告会上，我在讲道分享了《以赛亚书》40 章 1 节——“你们的神说：‘你们要安慰，安慰我的百姓！’——

之后，独自祷告时，一个念头突然闪过：若能将我在

Naver

博客上撰写的关于主所教导的死亡视角的文章汇集成册，分享给会众，那该多好啊。我不仅希望能安慰那些因失去挚爱亲人、朋友或主内肢体而悲伤的上帝子民，更希望能提供一点微薄的帮助，让他们也能领受主开始教导我的那种死亡视角。

为此，我花时间整理了博客中所有有助于培养这种死亡视角的文章，并以《我想带着死亡的视角生活》为题汇编成册。这些文字主要包含对经文的反思、简短的灵修感悟，以及我在家庭生活和教会事工中的亲身经历与见证。我祈愿主能成全我心中的渴望——即怀着这种关于死亡的视角，按祂的旨意生活，并最终迎来美好的结局；同时也祈愿祂能借着这份手稿，安慰祂的子民，并将同样的视角植入他们心中。

仰望那位为我这般罪人死在十字架上的耶稣基督，

詹姆斯·金（James Kim）牧师寄语

（2018年8月1日；深切怀念那些已安息在主怀中的亲爱弟兄姊妹）

让我们采取面对死亡的视角。

“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去，因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上”（传道书 7:2）。

自 2008 年初以来，我已参加了两场葬礼——而且是在短短一周内。参加这些葬礼促使我再次默想《传道书》7:2 的经文。当我反思死亡是每个人最终的归宿，并以生者的身份将这一事实铭记于心时，我不禁再次自问：“那么，我该如何生活呢？”特别是今天，当我得知我敬爱的三叔——金昌赫（Kim Chang-hyuk）牧师——

据医生诊断仅剩两三周生命的消息后，我深受触动，再次对这节经文进行了深刻的反思。在这些思绪中，我感到一种挑战：要带着面对死亡的视角去生活。

我们为什么要带着面对死亡的视角生活呢？因为这样做对我们有益。这种益处是什么呢？益处虽多，我想分享其中三个具体的方面。

首先，当我们带着面对死亡的视角生活时，我们会承认人的无能与软弱，从而全心全意地依靠神。

参加那两场葬礼再次提醒我，人终究是要归回尘土的生命。这让我想到圣经所言：我们就像一阵雾气，出现片刻便消散了（雅各书

4:14）。面对死亡，人不禁会感到自身的彻底无能与软弱。无论一个人多么强大、有名或富有，在死亡面前，每个人都不可避免地会感到无力和无助。尤其是像我这样的年轻人，更应该参加葬礼。这样做能让我们充分领悟人类的脆弱与无能。为什么要费心去做这件事呢？我这样做是为了放下对自身力量的倚仗。换言之，我参加葬礼，是为了放弃对自我的依赖，转而依靠神的大能与力量。我们需要谦卑自己——

不仅是在他人面前，更要在神面前彻底谦卑。在神面前思想死亡的临近时，我们必须放下自己的力量，俯伏在祂面前，并倚靠祂的大能。通过葬礼，我们应当明白，掌管生死祸福的乃是神。我们必须学会承认神的主权，并接受这样一个事实：我们的生命完全仰赖于主。为此，我们必须透过死亡的视角来审视自己。

就我个人而言，我常喜欢唱第 342 首赞美诗《当试炼临到时》（或译《当我面对困难时》）

。其第一节和副歌的歌词大意如下：（第一节）“当我面对困难、信心软弱之时，我愈发倚靠我所信靠的主”；（副歌）“岁月流转，祂是我唯一的避难所；无论遭遇何事，我都信靠耶稣。”借着亲人当前所经历的艰难困苦，神让我意识到自己的信心是何等脆弱。因此

，主正引导我更加完全地单单倚靠祂。随着时光流逝，在面对人终将衰老与患病这一现实的过程中，我逐渐领悟了人的软弱与神的大能。正因如此，我愈发渴望能透过死亡的视角来回望自己的人生。

其次，当我们怀着死亡的视角生活时，我们便会转而追求永恒的事物，而非那些转瞬即逝之物。

我们常说，人赤身而来，也必赤身而去。然而，尽管深知这一事实，我们却依然终日奔波忙碌，竭力想要把手中填满各种事物。每当参加亲人的葬礼，我们总会再次受到触动，哪怕只是片刻，也会反思自己究竟为何而活、又该如何生活。然而，我们很快便会将葬礼上的决心抛诸脑后，重回那躁动忙碌的生活，再次试图用各种财物填满双手。若终其一生辛劳奔波却从未获得真正的安息，结果又当如何呢？毕竟，我们终究还是要赤身归入坟墓的。如果我们耶稣的真信徒，就应当把葬礼视为一个契机，从死亡的角度反思人生，并思考在神赐予我们在世的余日里，我们该如何生活、为何而活。如此一来，我们的心思意念便会专注于天上的事，而非地上的事；我们会立志追求永恒，而非暂时的虚浮。我们会意识到这个世界并非我们的家乡，并像《希伯来书》第 11 章中的信心伟人那样，渴慕更美的家乡，向着天国进发。为何如此？因为当我们透过死亡的视角审视这个世界时，便不得不认同传道者所罗门的感叹：我们所追求的世俗之事，尽都虚空（《传道书》1:2；12:8）。

我们终将明白，当这个世界消逝后，唯有永恒的事物能长存。我们学会放下那些曾经在世

上渴慕与追求的短暂之物，不再视其为重。于是，我们再次立志珍视那真正永恒的事物，并为此而活。为了那位永恒的主，我们重申自己的委身：在永恒之爱的驱动下，在永恒之道的指引下，向着拥有永恒灵魂的人们传扬福音。

每当我注视着亲人的遗体——他们本出于尘土，终将归于尘土——

或是看着盛载他们的棺木时，我常会反思自己的死亡与葬礼。我不禁深思《传道书》7 章 1 节的含义，经文指出“死的日子胜过生的日子”。传道者所罗门王曾言：“美名胜过美好的膏油”（第 1 节）；我不禁自问，当我离世之时，那些神安置在我生命中的人，是否会怀念“金智元”（Kim Ji-won）或“詹姆斯·金”（James Kim）这个名字，并视之为美好的名声？我憧憬着会有多少人想起我的名字时说：“金智元（詹姆斯·金）一生追求永恒之事，如今已归入了他所深切渴慕的永恒家乡。”朋友们，若要作为“来世之国”的子民活在这个世界上，我们就必须怀着接纳死亡的角度生活。我们必须在寄居世间的同时追求永恒之事，始终保持永恒的眼光。最后是第三点：怀着对死亡的认知来生活，能让我们善用光阴。

怀着对死亡的认知生活的人是有智慧的，而智者追求的是永恒的事物。因此，智者会谨慎行事，活出真正的智慧（《以弗所书》5:15）。例如，智者不会追求醉酒放荡的生活（第 18 节），因为他们深知这种生活方式是愚昧的（第 17 节）。他们深知时局邪恶，因而善用光阴（第 16 节）。此外，他们寻求明白主的旨意，并努力遵行（第 17 节）。结果，

他们过着被圣灵充满的生活，发自内心地向神献上赞美与敬拜（第 19 节）。他们也时刻奉我们主耶稣基督的名，为一切事向父神献上感谢（第 20 节）。

随着年龄增长，我们往往会切身感受到时光飞逝——

尽管也有许多人无视这一现实，虚度光阴。那么，我们该如何善用这转瞬即逝的时光呢？

参加葬礼并反思自身的终局，便是途径之一。我们常忙碌度日，仿佛生命永无止境；然而，当参加亲人的葬礼时，我们至少应当停下脚步，回首自己的人生，并思考生命的终局。

我们必须思考该如何生活，以及应当如何为自己的人生画上句号。因为我们自己的葬礼也终将来临；人与人之间的差异仅仅是程度上的不同——就像比较橡果的高度一样。

我已经四十岁了。若以七八十岁为平均寿命计算，我已走过了一半的人生旅程——

当然，唯有神知道祂何时会召我归回天家。近来，我常反思每一天的重要性，因为无人知晓明天会发生什么。既然神赐予了我这一天，我便竭力为祂的荣耀而活；至于明天，若蒙主许可，我相信自己依然能怀着同样的心态生活。我既无意沉湎于过去，也不觉得有必要打着“为未来做准备”的旗号去为将来忧虑。我只愿珍惜那与主日日同行的生活——

充满喜乐、欢欣与感恩。我相信，若能如此生活，即便今晚离世，我也能怀着感恩之心站立在主面前。毕竟，对于已经逝去的岁月，又能做些什么呢？我不知道神在世上还留给我多少时日——也无需知晓——

我只愿每日仰赖主，追求永恒之事。我渴望为主的荣耀而活，与祂同行，并忠实地履行祂所托付给我的使命。

深受爱戴的金昌赫 (Kim Chang-hyuk) 牧师如今身体极度虚弱。我记得曾见他连独自在沙发上起身都十分吃力。然而，即便在那种状况下，他仍全心仰赖神，有力地高唱《赞美诗》第 40 首的副歌——“我的灵魂颂赞主的伟大与威严”。尽管肉体软弱不堪，他的灵魂却如鹰展翅，向着天国翱翔。他的灵魂颂赞着神的伟大与威严，全然安息在那位永恒的神怀中。我愿怀着那份“唯愿神的荣耀彰显”的恳切祈祷——尽管我的回应或许微不足道——在神与诸位面前立下这样的心志：“我愿过一种‘向死而生’的生活。”我渴望时刻铭记死亡，以此视角度过余生。为此，我愿听从所罗门王（即“传道者”）的教导，去参加葬礼。我愿出席葬礼，以生者的身份去深思死亡——那尘世生命的终局。我愿深刻体悟这一点，并将其铭刻在心版之上。带着这种关于死亡的视角，我愿度过余下的岁月——更加全然地仰赖主，并追求那永恒之事。我相信，唯有如此，即便在肉身死亡之后，我仍能得享永生。阿们。

एक संत की मृत्यु

"प्रभु अपने संतों की मृत्यु को अनमोल मानते हैं" (भजन संहिता 116:15, *समकालीन कोरियाई संस्करण*)।

दिवंगत प्रचारक आन देओक-इल का पिछले शनिवार (19 नवंबर, 2016) को दोपहर में अपने परिवार के बीच शांतिपूर्वक निधन हो गया। उनकी बेटी, सिस्टर जिन-क्युंग ने मुझे दोपहर 3:14 बजे काकाओटॉक (KakaoTalk) पर एक संदेश भेजा: "उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली... वे शांति से ईश्वर के पास चले गए हैं... धन्यवाद।" मैंने उन्हें जवाब दिया, "आइए हम धन्यवाद दें, क्योंकि अब वे ईश्वर की गोद में शांति से विश्राम कर रहे हैं।" यह खबर सुनकर, मैंने इसे हमारे चर्च के काकाओटॉक ग्रुप में साझा किया। लगभग दस मिनट बाद, हमारे पादरी एमेरिटस—जो अभी मिशन क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं—ने ग्रुप में दिवंगत प्रचारक आन के बारे में एक संदेश पोस्ट किया: "अंतिम संस्कार का भजन 480; धर्मग्रंथ: भजन संहिता 116:15; गहरी सांत्वना के लिए प्रार्थना (1 थिस्सलुनीकियों 4:13–18)।" नतीजतन, मैंने आज की ताबूत बंद करने की सेवा के उपदेश के लिए भजन संहिता 116:15 को चुना—जो पादरी एमेरिटस द्वारा सुझाया गया पद था। मैंने समापन भजन के रूप में भजन 480 ("हम स्वर्ग में मिलेंगे") को भी चुना, जैसा कि उन्होंने सुझाव दिया था, और दफन सेवा के लिए धर्मग्रंथ पाठ के रूप में 1 थिस्सलुनीकियों 4:13–18 को निर्धारित किया। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि पादरी एमेरिटस प्रचारक आन से बहुत प्यार करते थे

और दूर से ही उनके लिए पूरी लगन से प्रार्थना कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही, डीकनेस आन और सिस्टर जिन-क्यूंग अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने के लिए एक कोरियाई फ्यूनरल होम (अंतिम संस्कार गृह) जाने के बाद थोड़ी देर के लिए चर्च आई थीं। श्रीमती आन (कान-सा) के माध्यम से ही मुझे वे खास बातें पता चलीं कि प्रचारक आन और वे कब और कैसे हमारे चर्च में आना शुरू हुए थे। उस समय, हमारे चर्च के पादरी एमेरिटस अपनी पादरी की सेवा के साथ-साथ एक सेमिनरी भी चला रहे थे, और प्रचारक आन और श्रीमती आन दोनों ही वहाँ छात्र थे। उस जुड़ाव के कारण उन्होंने हमारे चर्च में आना शुरू किया—एक ऐसा सफर जो बाईस साल पहले शुरू हुआ था। इसीलिए हमारी मंडली स्वर्गीय इवेंजलिस्ट आन को बस "इवेंजलिस्ट आन" कहकर बुलाती थी। मैं बहुत प्रभावित हुआ जब श्रीमती आन ने उन शब्दों को साझा किया जो स्वर्गीय इवेंजलिस्ट आन ने अपनी मृत्यु से पहले, होश में रहते हुए कहे थे—ऐसे शब्द जिनसे हमारे स्युंगरी प्रेस्बिटेरियन चर्च के प्रति उनके गहरे प्रेम का पता चलता है।

आज, जब हम स्वर्गीय इवेंजलिस्ट आन डियोक-इल के लिए ताबूत बंद करने की प्रार्थना सभा कर रहे हैं, तो मैं तीन ऐसी सच्चाइयों पर विचार करना चाहता हूँ जिन्हें हमें याद रखना चाहिए—ये भजन संहिता 116:15 और "एक संत की मृत्यु" विषय पर आधारित हैं—और उन सीखों को अपनाना चाहता हूँ जो परमेश्वर हमें देते हैं। मैं इन बातों को उनके उस परिवार के साथ साझा कर रहा हूँ जिसे वे बहुत प्यार करते थे, हमारे स्युंगरी चर्च परिवार के साथ, और यहाँ मौजूद सभी शोक मनाने वालों के साथ।

पहली बात, हमें यह याद रखना चाहिए कि एक दिन हमें भी मृत्यु का सामना करना होगा।

उपदेशक 7:2 पर विचार करें: "दावत वाले घर में जाने के बजाय शोक वाले घर में जाना बेहतर है। चूँकि हर किसी को मरना ही है, इसलिए जीवित रहते हुए इस बात को ध्यान में रखना बुद्धिमानी है।" यह एक

ऐसी सच्चाई है जिसे हम सभी पहले से जानते हैं; हम जानते हैं कि इस धरती पर हर किसी का अंत मृत्यु ही है। फिर भी, ऐसा लगता है कि हम अक्सर अपनी नश्वरता (मौत की सच्चाई) को गंभीरता से नहीं लेते। शायद हम जीवन की भागदौड़ में बहुत व्यस्त रहते हैं... मुझे तो यह भी चिंता होती है कि हम मृत्यु की सच्चाई को बहुत हल्के में लेते हैं। दोस्तों, हमें ऐसे नज़रिए के साथ जीना चाहिए जो मृत्यु को स्वीकार करता हो। ऐसा करने के लिए, शायद हमें इस धरती पर रहते हुए "मृत्यु के खतरे" और "कब्र के डर" का अनुभव करने की ज़रूरत है, ठीक वैसे ही जैसे भजनकार ने किया था (भजन संहिता 116:3)। इसे हासिल करने का एक अच्छा तरीका वही है जो उपदेशक की किताब के लेखक ने सुझाया था—दावत वाले घर के बजाय शोक वाले घर जाना—यानी शादी के बजाय अंतिम संस्कार में शामिल होना। व्यक्तिगत रूप से, जब मैं किसी अंतिम संस्कार में जाता हूँ, तो मैं अपनी खुद की मृत्यु के बारे में सोचने की कोशिश करता हूँ: ताबूत देखने की रस्म के दौरान, मैं कल्पना करता हूँ कि मैं खुद ताबूत के अंदर लेटा हुआ हूँ, और दफ़नाने की रस्म के दौरान, मैं खुद को कब्र में लेटा हुआ देखता हूँ। मैं आपको भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। ऐसा करते समय, हमें परमेश्वर के सामने इस बात पर विचार करना चाहिए कि मृत्यु की सच्चाई को ध्यान में रखते हुए हमें धरती पर अपना बचा हुआ जीवन कैसे जीना चाहिए। जब हम ऐसा करते हैं, तो हमें भजनकार की तरह यह संकल्प और स्वीकारोक्ति करनी चाहिए: "मैं जीवितों के देश में प्रभु के सामने चलाँगा" (पद 9)।

दूसरी बात, हमें यह याद रखना चाहिए कि परमेश्वर अपने संतों की मृत्यु को अनमोल मानते हैं।

भजन संहिता 116:15 को देखें: "प्रभु की दृष्टि में उनके संतों की मृत्यु अनमोल है।" परमेश्वर अपने संतों की मृत्यु को अनमोल क्यों मानते हैं? इसलिए, क्योंकि परमेश्वर की नज़र में संत अनमोल और सम्मानित हैं (यशायाह 43:4)। संत के रूप में, हम परमेश्वर की दृष्टि में अनमोल और सम्मानित कैसे बने? इसलिए,

क्योंकि परमेश्वर ने हमसे इतना प्रेम किया कि उन्होंने क्रूस पर अनमोल यीशु का बलिदान दिया; उन्होंने हमारे सभी पापों को क्षमा किया, हमें धर्मी घोषित किया और हमें बचाया। इसलिए, परमेश्वर की दृष्टि में अनमोल और सम्मानित होने के नाते, हमें उस बचाने वाली कृपा की महानता को समझना चाहिए जो परमेश्वर ने मसीह में हमें दी है। ऐसा करते हुए, भजनकार की तरह, हमें प्रभु के सेवकों के रूप में निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करनी चाहिए (पद 16), और इस सवाल पर विचार करना चाहिए: "प्रभु ने मुझ पर जो उपकार किए हैं, उनके बदले मैं उन्हें क्या दे सकता हूँ?" (पद 12)। इसके अलावा, जब हम परमेश्वर की आराधना और धन्यवाद करते हैं, तो हमें खुद को प्रभु को समर्पित करना चाहिए (पद 17) और उनकी इच्छा के अनुसार जीना चाहिए (पद 9)।

तीसरी और आखिरी बात, हमें इस तथ्य को याद रखना चाहिए कि अब और मृत्यु नहीं होगी।

प्रकाशितवाक्य 21:4 को देखें: "वह उनकी आँखों से हर आँसू पोंछ देगा; न तो अब मृत्यु होगी, न शोक, न रोना-धोना, और न ही दर्द।" "...क्योंकि पुरानी बातें बीत चुकी हैं" (समकालीन कोरियाई बाइबिल)। स्वर्गीय प्रचारक आन 1994 से—लगभग 22 साल पहले से—बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने उस समय डायलिसिस शुरू किया था और लगभग 11 साल पहले किडनी ट्रांसप्लांट भी करवाया था, फिर भी उन्होंने बीमारी और दर्द का लंबा दौर सहा। इसलिए, पिछले शुक्रवार को दोपहर के भोजन के समय, जब वे होश में थे, मैंने प्रकाशितवाक्य 21:4 के आधार पर उनके साथ आशा का संदेश साझा किया। मैंने उनसे कहा कि जब प्रभु उन्हें अपनी बाहों में लेंगे, तो उन्हें कोई दर्द महसूस नहीं होगा और वे हर तरह के दुख से मुक्त हो जाएँगे। उनके गुजरने के बाद, उनकी बेटी, सिस्टर जिन-क्युंग ने मुझे काकाओटॉक (KakaoTalk) पर एक मैसेज भेजा: "पापा अपने आखिरी पलों में बहुत शांत लग रहे थे।" मैं इसके लिए बहुत आभारी हूँ। मिस्र में मिशनरी के तौर पर सेवा कर रहे डीकन किम चांग-मिन ने चर्च के काकाओटॉक

ग्रुप में यह पोस्ट किया: "हालांकि मैं विक्ट्री प्रेस्बिटेरियन चर्च के सभी लोगों का सम्मान करता हूँ, लेकिन इवेंजलिस्ट आन—जो अपनी बीमारी या मौत से नहीं डरे—ने अपनी बातों और कामों से स्वर्ग की उम्मीद को दिखाया।" स्वर्गीय इवेंजलिस्ट आन डियोक-इल अब वे शब्द सुन रहे हैं जो भजनकार ने खुद से कहे थे: "हे मेरे मन, अब तू विश्राम कर।" जैसा कि कहा गया है, "प्रभु ने तुझ पर कृपा की है" (पद 7), वे अब प्रभु की गोद में अनंत विश्राम का आनंद ले रहे हैं।

हम जो यीशु में विश्वास करते हैं, वे संत हैं। परमेश्वर की नज़र में, एक संत की मृत्यु अनमोल होती है। ऐसी अनमोल मृत्यु का अनुभव करने के लिए, हमें यीशु के ज़रिए हम पर की गई परमेश्वर की सारी कृपा को याद करते हुए कृतज्ञता के साथ उनकी आराधना करनी चाहिए। इसके अलावा, हमें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीना चाहिए और एक सुंदर अंत पाना चाहिए। मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम सब स्वर्ग में फिर से मिलें।

(पद 1) आओ हम स्वर्ग में मिलें, उस सुबह वहाँ;

हे यात्री, तैयार हो जाओ, कहीं देर न हो जाए।

(पद 2) क्या तुम्हारा दीया तेज़ी से जल रहा है? दूल्हा इंतज़ार कर रहा है;

जब तुम स्वर्ग के दरवाज़े पर पहुँचोगे, तो वह तुम्हारा स्वागत करेगा।

(पद 3) जब हम उस दरवाज़े पर उन संतों से मिलेंगे जिनकी हमें चाहत थी,

कितना आनंदमय मिलन होगा—ओह, कितनी खुशी होगी!

(कोरस) आओ मिलें, आओ मिलें स्वर्ग के उस दरवाज़े पर;

आओ मिलें, आओ मिलें; आओ उस सुबह उस दरवाज़े पर मिलें।

(नया भजन संग्रह नंबर 480, "आओ हम स्वर्ग में मिलें")

圣徒之死

“耶和华看重祂圣徒的死”（《诗篇》116:15，《当代韩语译本》）。

已故的安德一（Ahn Deok-il）传道人于上周六（2016 年 11 月 19 日）中午安详离世，家人们陪伴在他身旁，并为他举行了临终仪式。他的女儿真京（Jin-kyung）姐妹在下午 3 点 14 分给我发了一条 KakaoTalk 信息：“他已咽下最后一口气.....安详地归入主怀了.....谢谢。”我回复道：“让我们献上感恩，因为他如今正安息在神的怀抱中。”得知消息后，我在教会的 KakaoTalk 群组里分享了这一消息。大约十分钟后，我们那位正在宣教工场服事的荣誉牧师在群里发了一条信息，以此缅怀安传道：“葬礼诗歌 480 首；经文：《诗篇》116:15；祈求极大的安慰（《帖撒罗尼迦前书》4:13-18）。”因此，我选定荣誉牧师建议的《诗篇》116:15 作为今天封棺仪式讲道的经文；同时也按照他的推荐，选定 480 首诗歌（《我们将在天堂相遇》）作为结束诗歌，并将《帖撒罗尼迦前书》4:13-18 定为安葬仪式的读经经文。我这样做，是因为荣誉牧师深爱安传道，并一直从远方为他切切祷告。就在前几天，安师母（权事）和真京姐妹在去一家韩国殡仪馆商讨葬礼事宜

后，顺道来了一趟教会。正是通过安师母，我才了解到安传道夫妇开始来我们教会的具体经过。当时，我们教会的荣誉牧师在牧会之余还开办了一所神学院，安传道和安师母都是那里的学生。这份渊源促使他们开始参加我们教会的聚会——

这段旅程始于二十二年前。正因如此，我们的会众都尊称这位逝者为“安传道”。当安师母分享安传道生前在神志清醒时所说的话语——那些流露出他对我们胜利长老会（Seungri Presbyterian Church）深厚爱意的话语——我深受感动。

今天，在为已故的安德一（Ahn Deok-il）传道举行封棺礼拜之际，我愿根据《诗篇》116 篇 15 节及“圣徒之死”这一主题，与大家分享三个必须铭记的真理，并领受神赐予我们的教导。我将这些话语分享给安传道深爱的家人、我们胜利教会的大家庭，以及在场所有的吊唁者。

首先，我们必须铭记一个事实：终有一天，我们自己也将面对死亡。

请思想《传道书》7 章 2 节：“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去；因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上。”这是一个我们早已知晓的真理；我们深知，死亡是世上每个人最终的归宿。然而，我们似乎往往未能将自己终将一死的事实真正放在心上。也许我们太专注于忙碌的生活……我甚至担心，我们往往对死亡这一现实看得过于轻忽。朋友们，我们必须怀着正视死亡的眼光来生活。为此，或许我们需要像《诗篇》作者那样（《诗篇》1

16 篇 3 节)，在世寄居期间亲身体会“死亡的危难”与“阴间的惊恐”。正如《传道书》中的“传道者”所建议的，一个很好的方法就是去遭丧之家，而不是去宴乐之家——

也就是说，去参加葬礼，而不是婚礼。就我个人而言，每当参加葬礼，我都会试着反思自己的死亡：在瞻仰遗容时，我想象自己躺在棺木之中；在安葬仪式上，我设想自己被安放入坟墓的情景。我也鼓励大家尝试这样做。在这一过程中，我们要带着对死亡的认知，在神面前深思自己应当如何度过在世余下的光阴。当我们这样做时，我们得出的结论应当像诗篇作者那样，既是立志也是告白：“我要在活人之地行在耶和华面前”（第 9 节）。

其次，我们必须铭记，神看重祂圣徒的死。

请看《诗篇》116 篇 15 节：“在耶和华眼中，看圣民之死极为宝贵。”神为何视圣徒之死为宝贵呢？这是因为在神眼中，圣徒是宝贵且尊贵的（《以赛亚书》43 章 4 节）。作为圣徒，我们何以在神眼中变得宝贵尊贵呢？这是因为神爱我们，甚至牺牲了宝贵的耶稣在十字架上；祂赦免了我们所有的罪，称我们为义，并拯救了我们。因此，作为在神眼中宝贵尊贵的人，我们必须认识到神在基督里赐予我们的救恩是何等浩大。为此，我们要像诗篇作者那样，作为主的仆人忠心事奉祂（第 16 节），并深思这个问题：“我拿什么报答耶和华向我所赐的一切厚恩呢？”（第 12 节）。此外，在向神献上敬拜与感恩的同时，我们必须将自己奉献给主（第 17 节），并按祂的旨意生活（第 9 节）。

第三，也是最后一点，我们必须铭记将来不再有死亡这一事实。

请看《启示录》21 章 4 节：“神要擦去他们一切的眼泪；不再有死亡，也不再有悲哀、哭号、疼痛。”“.....因为以前的事都过去了”（《现代韩语圣经》）。已故的安（Ahn）传道人自 1994 年起——也就是大约 22 年前——便饱受病痛折磨。他当时就开始接受透析治疗，甚至在大约 11 年前接受了肾脏移植手术，但他仍长期忍受着疾病与痛苦的煎熬。因此，在上周五午餐时分，趁着他神志尚清醒，我根据《启示录》21 章 4 节的话语，向他传达了充满盼望的信息。我告诉他，当他投入主的怀抱时，便不再有痛苦，也不再受苦难的折磨。他离世后，他的女儿金京（Jin-kyung）姐妹通过 KakaoTalk 给我发来信息说：“爸爸临终时的神情十分安详。”对此我深感欣慰。正在埃及担任宣教士的金昌民（Kim Chang-min）执事在教会的 KakaoTalk 群组中写道：“虽然我尊敬胜利长老会（Victory Presbyterian Church）的每一位同工，但安德一（Ahn Deok-il）传道人——他不惧怕疾病与死亡——用言语和行动向我们彰显了天国的盼望。”已故的安德一传道人如今正聆听着诗人对自己所说的话：“我的心哪，如今安息吧。”正如经文所言“主已向你施恩”（第 7 节），他此刻正享受着主怀中的永恒安息。

我们这些信靠耶稣的人都是圣徒。在神眼中，圣徒的死是宝贵的。若要经历这样宝贵的离世，我们必须怀着感恩的心敬拜神，铭记祂借着耶稣赐予我们的一切恩典。此外，我们更要遵行神的旨意而活，并迎来美好的结局。我祈愿我们将来都能在天国重逢。

（第一节） 让我们在天国相会，在那清晨时刻；

天路客啊，当预备好，切莫迟延误时。

（第二节） 你的灯火是否明亮？新郎正在等候；

当你抵达天国之门，祂必迎你入内。

（第三节） 在那天门前，与渴慕已久的圣徒重逢，

那是何等喜乐的团聚——何等幸福的时刻！

（副歌） 相会吧，相会吧，在那遥远的天国门前；

相会吧，相会吧；在那清晨，在那天门前相会。

（新赞美诗第 480 首，《让我们在天国相会》）

“活人必将这事放在心上。”

“名誉强如美好的膏油；人死的日子胜过人生的日子。往遭丧的家去，强如往宴乐的家去；因为死是众人的结局，活人必将这事放在心上。忧愁强如喜笑；因为面带愁容，终必使心喜乐。智慧人的心在遭丧之家；愚昧人的心在快乐之家”（《传道书》7:1-4）。

我记得曾在韩国新闻频道

YTN

的晚间

11

点档节目中看到过一则报道。内容是关于韩国京畿道的一家“死亡体验中心”，人们可以在那里模拟体验自己离世的过程。参与者会拍摄遗像、撰写并朗读遗嘱，甚至抱着遗像走进模拟的灵堂大声宣读遗嘱。我看到许多参与者——尤其是那些朗读遗嘱的人——流下了眼泪。除了朗读遗嘱，参与者还会真正躺进棺材里。随后，另一个人会慢慢地将泥土铲到棺盖上。看着泥土从高处倾倒而发出回响，我意识到，当人躺在棺材里听到那种声音时，死亡的体验会变得无比真实。体验过的人大多表达了“我想活得更久”这样的心声。他们还提到，在整个过程中，脑海里浮现最多的就是家人的身影。在接受采访时，该中心

负责人解释说，在这个极度关注“安康生活”（well-being）的时代，他推出这个项目是为了帮助人们为“安详离世”（well-dying）做好准备。看到这则新闻，你可能会想：“如今真是无奇不有啊”，但我个人的想法却是：“这真是一个好主意。”我相信，如果此类体验能帮助人们真正领悟死亡的现实并为此做好准备，那便是一件好事。

在今天的经文——《传道书》7 章 2 节——

中，身为本书作者的所罗门王（即“传道者”）说道：“活人必将这事放在心上。”那么，“这事”究竟是指什么呢？

“众人的结局”就是死亡，这是一个不争的事实。请看《传道书》7 章 2 节：“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去，因为死是众人的结局……”我们需要深刻反思自己的死亡。我们必须认真思考这样一个事实：总有一天，我们也会走下这趟列车，抵达最终的归宿。因此，我们必须切切实实地思考，在这一现实之下，该如何度过余生。我们该怎么做呢？所罗门王在《传道书》7 章 2 节中为我们提供了一个切实可行的方法：去遭丧的家（第 2 节）。换言之，参加葬礼是反思死亡的绝佳途径。或许，没有什么比参加葬礼更能让我们深刻思考自己终将面对的死亡了。在哀悼逝者的同时，我们也应反思等待着我们的将是怎样的死亡。就我个人而言，每当我参加葬礼、更真切地感受到死亡的现实时，脑海中总会浮现出一个念头：若要善终，必先善生。归根结底，葬礼提供了一个宝贵的机会，让我们思考如何有意义地度过余生。

我们要善终，就必须善生。那么，怎样才算过上了美好的生活？我们如何判断自己是否活得美好呢？似乎一个人是否过得美好，只有在死后才能真正盖棺定论。那么，我们该如何知晓呢？我们可以通过思考自己的“名声”来找到答案。换言之，我们可以通过观察人们在葬礼上如何评价我们——即他们是否称赞我们的名声——

来衡量我们生前是如何度日的。有句古老的谚语说，每个人都有三个名字：（1）父母所起的名字，（2）别人称呼我们的名字，以及（3）我们为自己赢得的名声。我们正在赢得什么样的名声呢？作为耶稣的信徒，我们必须反思：我们的名声是否因我们过着公义的生活，而不仅得到神的称赞，也赢得世人的好评？《箴言》10章7节说：“义人的纪念被称赞；恶人的名字必朽烂。”这是什么意思呢？这意味着，当义人身后被追念时，人们会称颂他们。他们的名是蒙福的；那是一个“美名”（7:1）。这美名比上好的膏油或世俗的财富更为宝贵。

然而，问题何在呢？人的本性往往倾向于去宴乐之家，而不愿去丧葬之家。结合我们今天的经文——《传道书》7章3节——

这表明我们更喜欢欢笑，而非忧愁。换言之，正如朴允善（Park Yun-sun）博士所解读的，人们更愿意沉溺于肉体的享乐，而不愿去探访逝者的家属。然而，正如身为“传道者”的所罗门王在《传道书》2章11节中所言，这种肉体享乐终究是虚空的。也就是说，在宴席上沉溺于世俗享乐，在神眼中并无真正的益处。这位传道者所罗门王指出，在神看来真正有益的事，是去丧葬之家并经历忧愁。他为何说忧愁胜过欢笑呢？因为愁容能使心变得更好（第3节）。这意味什么呢？这意味着对死亡的省察能使我们的

心变得柔软（朴允善语）。当我们的的心变得柔软时，我们便不会虚度光阴去追求那些虚浮的世俗享乐；相反，我们会怀着柔软的心，谦卑地顺服神的话语，过一种蒙神喜悦的生活。正因如此，所罗门王在《传道书》7 章 4 节中告诉我们：“智慧人的心在遭丧之家；愚昧人的心在快乐之家。”

我们的心不应停留在快乐之家。我们的心不应专注于那些享受肉体欢愉的宴席，而应置身于丧葬之家。我们应当乐于参加葬礼。在葬礼上，当我们伫立于逝者面前时，应当反思自己终将一死的命运。因为当主呼召我们时，我们也必须离世。这是因为死亡是所有人的最终归宿（第 2 节）。因此，在省察自身死亡的同时，我们必须思考如何度过当下的每一天，活出在神眼中美好的生命。我们应当在这个世界上留下一份美好的遗产——一个美好的名声。我们应当将这美好的名声留在儿女与后代的记忆中。什么是最美好的名声呢？那就是“耶稣”之名。作为耶稣的信徒，我们必须努力效法祂。我们要活出耶稣的样式，从而为后代以及将来参加我们葬礼的邻舍留下关于祂的记忆。因此，我祈愿当我们的儿女、后代甚至邻舍想起我们的名字时，会发出真诚的赞美；更祈愿在人们哀悼我们离世之际，充满向神献上的感恩与赞美之声。

每个人的最终结局都是一样的。

[传道书 9:2-6]

你听说过“保罗综合症”吗？这个词指的是南非世界杯期间，由“预言章鱼”保罗引发的一种现象。保罗生活在德国奥伯豪森（Oberhausen）的一家水族馆里，据称它在预测世界杯比赛结果时保持了 100% 的准确率。它极其精准地预测了八场比赛的结果——其中包括决赛以及七场涉及德国队的比赛。我在电视和网络上看到了关于这只章鱼的新闻报道，觉得整件事相当荒谬。之所以觉得荒谬，是因为在它之后，各种各样的“预言动物”——比如能预言的鳄鱼——也纷纷涌现。博彩公司很可能因为章鱼保罗而发了大财。我甚至看到在决赛中攻入制胜球的西班牙球员在电视上高喊“保罗万岁”，当时我简直目瞪口呆。

你认为人们为什么要去找算命先生算命呢？不就是因为想知道未来吗？然而，圣经对此有明确的说法。在《传道书》7 章 14 节和 8 章 7 节中，所罗门王指出，我们无法测透或预知未来。只有那位掌管过去、现在和未来的全知上帝，才知晓我们前方的际遇。不过，关于

未来，有一件事是你我都能绝对确定的：那就是每个人的最终结局都是死亡。没有人不知道这个事实，也没有人会否认死亡是每个人的最终归宿。然而，我们往往忽略的是，面对这个大家都承认的、必然会发生的未来，人们的反应却各不相同。那么，面对那终将临到的死亡，你又是如何度过自己的人生的呢？

在今天《传道书》9 章 2 至 3 节的经文中，身为“传道者”的所罗门王四次使用了“同样的遭遇”（或“一样的”）这一说法。他反复提到的这种“同样的遭遇”究竟是什么呢？那就是死亡——

我们所有人的最终结局。换言之，所罗门指出，尽管我们都有共同的最终归宿，但那归宿便是死亡。请看《传道书》9 章 2 节：“凡事临到众人：义人和恶人，好人、洁净的人和不洁净的人，献祭的和不献祭的，遭遇都一样。好人如何，罪人也如何；起誓的如何，怕起誓的也如何。”所罗门王宣告说，无论人是义是恶、是善是罪、是洁净还是不洁净、是敬拜者还是非敬拜者，最终都要面对死亡。世上没有人会否认这一真理。人人都知道，死亡是今生不可避免的结局。无论是信耶稣的基督徒，还是不信的人，在这一点上都有共识：死亡是人类最终的归宿。然而，基督徒与非基督徒之间存在分歧之处在于：死后会发生什么。换言之，虽然双方都认同“今世”生命的终局是死亡，但对于死后“来世”的实况，他们却无法达成共识——

事实上也无法达成共识。我们基督徒相信来世，相信永生。无论是天堂里的永生，还是地狱里的永恒存在，我们相信生命会延续到这个世界之外。然而，非基督徒并不相信圣经中所描述的永恒天堂与地狱。这正是基督徒与非基督徒之间的根本区别。

那么，我们该当如何？作为相信来世的人，我们该如何度过此生，这与非基督徒又有何不同？我们必须谨记《传道书》7 章 2 节的教导：“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去，因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上。”作为今日仍有气息的活人，我们必须铭记：死亡是世上每个人的最终归宿。鉴于此，我们应当怀着正视死亡的心态，度过在世余下的时光。那么，怀着这样的视角，我们应当如何在这个世界上生活呢？我想结合今天《传道书》9 章 2 至 6 节的经文，从两方面来探讨这个问题。

首先，我们必须怀着正视死亡的视角生活，并为充满内心的罪悔改。

请看今天经文中的《传道书》9 章 3 节：“在日光之下所行的一切事上，有一件祸患，就是众人所遭遇的都是一样；并且世人的心充满了恶，活着的时候心里狂妄，后来就归到死人那里去了。”所罗门王观察到，既然义人和恶人在世上的遭遇最终并无太大区别，那些属乎世界的人便以此为借口，将自己的一生变成了犯罪的机会（朴允善）。例如，当恶人看到敬虔信徒的遭遇与自己无异时，便断定信耶稣与不信耶稣并无实质区别，结果变本加厉地犯罪。此外，他们之所以敢于肆无忌惮地犯罪，是因为神对他们恶行的审判并未立即执行（8:11）。因此，面对死亡时，恶人不仅没有悔改，反而根本无法悔改；相反，即便在死亡面前，他们仍胆大妄为地继续犯罪。

如果得知自己即将离世，你会作何反应？比如，如果医生告诉你：“你的生命只剩下六个月——或者最多一年——

的时间了”，你会如何应对？我想，人们通常会有两种可能的反应。这两种反应是：（1）既然时日无多，便尽情去做自己想做的一切；或者（2）在死亡面前反思自己的人生，并为得罪神之处悔改。在我看来，第一种反应可能比第二种更为普遍。这是因为，那些不信耶稣的人在面对死亡时，无法真正反省自己的人生，也无法向神献上真诚的悔改。因此，若我们将非信徒与那些——像非信徒一样——

在临终时不愿悔改、反而选择放纵私欲的信徒一并考量，那么第一种反应（即不悔改）似乎确实更为常见。我们可以从以色列人出埃及的经历中找到圣经依据：即便身处神的震怒与管教之下，他们仍表现出极度的顽固与刚愎自用，拒绝悔改。我相信我们也不例外。我们往往迟迟不愿认罪悔改，即便面对死亡亦是如此。结果，我推测有更多的人选择随心所欲地度过余生，而不是反省人生并为得罪神的罪悔改。如果我们直到临终前仍一味随心所欲地生活，那无异于在心中怀揣着“狂妄”走向死亡——

正如传道者所罗门王在今日经文第 3 节中所描述的那样。我们绝不可如此终结一生；相反，在面对死亡之前，我们必须就心中充斥的罪向神悔改。

在思考死亡时，我发现沃伦·维尔斯比（Warren

Wiersbe）牧师的话语极具启发性。他指出，死亡拥有一种类似“X 光”的力量。这是什么意思呢？这意味着，正如我们在体检时接受 X 光检查一样，死亡也像 X 光一样，能显明我们内心的光景。因此，正如 X 光能透视我们的内在状态，死亡也能揭示我们内心深处

潜藏的罪，从而给予我们在神面前悔改的机会。这表明，神利用死亡这一工具来显明我们内心的罪，并引领我们悔改，进而将我们塑造为祂的圣洁子民。因此，身处世间，我们必须透过死亡的视角来审视生命，为心中充斥的罪悔改。我们要将自己的死亡与耶稣在十字架上的死联系起来，度过余生，并不断地将内心怀藏的罪卸在十字架脚前。我们必须殷勤地将自己的罪带到十字架前。我们要倚靠耶稣在那里所流宝血的大能，不断地将自己的罪交托给祂。即便面临死刑的判决，我们也当在悔改内心罪恶的同时，度过在世的余生；唯有如此，我们才能作为祂的圣民，以蒙神喜悦的方式面对死亡。

其次，也是最后一点，我们必须怀揣希望生活，同时铭记死亡这一事实。

请看今天的经文——

《传道书》9 章 4 节：“与一切活人相连的，那人还有指望，因为活着的狗比死了的狮子更强！”“活着的狗比死了的狮子更强”这句话给你什么感觉？对犹太人而言，狗是最受鄙视的动物（Walvoord）；而狮子，众所周知，是百兽之王。然而，所罗门王却宣称，活着的狗胜过死了的狮子。这是什么意思呢？意思是活着总比死了好。为什么活着比死了好呢？因为人一旦死了，就没有机会按正道生活了；但在活着的时候，人还有悔改的机会，也有拨乱反正的希望（Park Yun-sun）。因此，活着的狗确实胜过死了的狮子。所以，你我——这些尚有气息的活人——境况都胜过那些已经去世的人，无论那些逝者生前曾多么有名、富有或有权势。

那么，我们这些尚有气息的活人应当如何生活呢？我们必须带着“终将一死”的意识去生活。请看《传道书》9 章 5 节：“活着的人知道必死，死了的人毫无所知，也不再得赏赐，他们的名无人记念。”正如所罗门王在此所述，死人毫无所知。对于死人来说，没有爱，没有恨，也没有嫉妒（第 6 节）。既已死去，他们便永远不再与日光之下所发生的事有任何份了（第 6 节）。简而言之，死人已无指望。死人不再有任何意识去促使他们为了获得赏赐而采取行动（Park Yun-sun）。死人没有指望，他们的名字也已被遗忘。然而，活人却有指望。这是一种什么样的指望呢？正因为活人知道自己必死，他们才拥有那种能让自己保持警醒并以崭新的决心去生活的指望（Park Yun-sun）。你我是否真的拥有这份盼望？我们是否真正意识到自己终将一死？既知必死，我们是否真的在生活中保持警醒并怀着更新的决心？我们必须趁还有机会时悔改；悔改的机会并非永远都有。既知终有一死，我们就必须趁活着的时候离弃罪恶。我们必须行在正道上，与神保持合宜的关系。切不可错失神所赐的悔改机会，以致悔之晚矣。莫等到悔恨已无济于事时才试图悔改。一旦离世，人便既无法悔改，也无法感到懊悔了。悔改的时候就是现在。

所有人的最终结局都是一样的。无论义人还是恶人，众人的最终归宿都是死亡。既知如此，你我又该如何度过在世的有限光阴呢？我们必须带着对死亡的意识生活，为心中充满的罪恶悔改。我们要深刻省察死亡——它犹如 X 光，能显明我们内心的光景——

并透过死亡的视角审视生命；我们要依靠耶稣十字架宝血的大能，在圣洁的神面前每日悔改。此外，即便正视死亡的现实，我们心中仍须怀抱盼望。作为活人，我们拥有这份盼望，使我们能保持警醒并怀着更新的决心生活。在这盼望之中，我们——作为活人——必须悔改，并怀着更新的决心行在主所喜悦的正道上。当我们行在主的道路上时，便拥有了对未来的盼望。让我们谨记这句话：“活着的狗比死了的狮子更强。”

死亡并非终结。

“所以你们应当警醒，记念我三年之久，昼夜不住地流泪劝戒你们各人……我凡事给你们作榜样，叫你们知道应当这样劳苦，扶助软弱的人，又当记念主耶稣的话，说：‘施比受更为有福’”（使徒行传 20:31, 35）。

当我默想神的话语时，圣灵在我的心中植入了一种人生观。这种观点包含一个层面的认知：人出于尘土，终必归回尘土。换言之，圣灵借着神的话语，让我建立起一种能够坦然面对死亡现实的视角。正如《传道书》7 章 2 节所言：“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去，因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上。”尽管我如今活着，却也深思那终将临到的死亡；我祷告、沉思并努力在世上过讨神喜悦的生活，同时时刻铭记这一关于死亡的视角。在这一过程中——

特别是在一次清晨祷告会讲论《使徒行传》20 章 17 至 38 节的经文之后——一个念头不断浮现在我脑海中：“死亡并非终结。”诚然，因着相信来世，我深知死亡并非生命的终点。然而，“死亡并非终结”这一念头，并不仅仅源于对来世的观念；它更源于一种深刻的体悟：即便我们离世，仍会在挚爱的家人与信徒同伴心中留下记忆——

那些恒久留存记忆。换言之，正因为我们在世上与主所安排相遇的人——

包括家人、亲属、教会同工、朋友及邻舍——

之间留下了共同的记忆，死亡便不再是终结。虽然我们离世归天，但我们的挚爱亲朋仍留在这世上，带着关于我们的记忆继续生活；因此，我们的离去并非最终的落幕。接纳“死亡并非终结”这一视角，促使我跪在主面前，深思该如何度过在世的余生。

神借着祂的话语在我生命中塑造的另一种世界观，是“生命在于创造回忆”这一理念。我们在世上的时光，是一连串相遇与离别的循环。在这些相遇与离别之间，我们利用彼此共度的时光，在人际关系中建立回忆。我们既会创造珍贵美好的回忆，有时也会留下不愿见到的负面回忆。因此，我们必须思考：借着神主权所赐予的人际关系，我们在他人心中播下了什么样的回忆？这一点至关重要，因为我们播下的回忆，即便在我们离世后，仍会继续影响那些人。以家庭为例：我们有能力在家人心中播下美好的回忆，也可能播下糟糕的回忆。如果我们离开这个世界时，留下的是扎根于主的美好回忆——

而非那些不愿见到的负面回忆——

那么这些回忆将在我们离世后，继续对家人的生命产生有益的影响。反之，如果我们离开时在亲人心中留下了痛苦的回忆，那么即便我们不在了，这种负面影响仍会持续存在。正因如此，在这个清晨的静谧时刻，一个念头击中了我：“死亡并非终结。”

在今早的祷告会上，我宣讲了《使徒行传》20 章 17 至 38 节的经文并以此祷告；此刻，我再次回味这段经文。我特别想关注第 31 节和第 35 节，因为这两节经文都包含了“当纪念”

(第 31 节) 或“应当记念”(第 35 节) 这样的教导。我想反思使徒保罗在以弗所停留的三年间(第 18 节) 如何行事为人——以及他在信徒心中播下了什么样的回忆——以至于他在临别赠言中, 敦促以弗所的长老们要“记念”这些事。

首先, 使徒保罗将神的话语播种在以弗所教会信徒的心中。请看今天的经文——

《使徒行传》20 章 31 节: “所以你们应当警醒! 记念我三年之久, 昼夜不住地流泪劝戒你们各人。”保罗在米利都召集了以弗所教会的长老们(第 17 节), 并在临别赠言中嘱咐他们, 要记念他过去三年里是如何昼夜不住、流着泪劝戒每一个人的(第 31 节)。使徒保罗为何要敦促以弗所的长老们“记念他的劝戒”呢? 原因在于保罗深知, 在他离开以弗所之后, 必有“凶暴的豺狼”进入他们中间(第 29 节)——这些人会引诱门徒跟随自己, 并说出歪曲真理的话(第 30 节), 最终企图欺骗以弗所教会的“群羊”(第 29 节), 诱使他们离弃信仰。换言之, 保罗预见到会有异端分子潜入并欺骗圣徒——导致一些人屈服于异端、口出谬言并背离信仰——

因此, 他恳切地劝勉长老们(即以弗所教会的监督, 第 28 节), 要记念他三年之久昼夜流泪劝戒众人的情景。你我是否真正体会到了保罗的这番心意呢?

我试着将保罗当时的处境代入自己的家庭, 以此来体察他的心境。我设想自己是一家之主, 正面临生死的关头; 若我不得不离开这个世界, 撇下挚爱的妻子和三个孩子, 我会对他们说些什么呢? 我问自己: 当把三个孩子托付给妻子照料时, 我能否像保罗劝勉以弗所教

会长老那样，给予她同样的嘱托？我想，我大概会这样对挚爱的妻子说：“亲爱的妻子，请记住。请记住我在与你和孩子们共度的时光里，竭力想要在你们心中播下的种子。我曾努力将‘爱耶稣’这一诫命铭刻在你们和三个孩子的心里。我希望你能记住这一点。即便我离世之后，也愿你加倍地爱耶稣。”

“我希望你爱耶稣的那份心，也能在我们要三个孩子的心里扎根。”之所以能在面对死亡时对爱妻说出这番话，是因为早在婚前——甚至在遇见她之前——

我就曾为主最终要建立的这个家庭祷告。我当时特别祈求的两件事之一，就是：“求主让我能以神的爱去爱我的配偶，也让我的配偶能以神的爱来爱我。”那么，以神的爱去爱妻子和三个孩子，究竟意味着什么呢？这意味着要遵守神的诫命（约翰福音

14:21）。而要遵守神的诫命，我就必须勤勉地将神的话语栽种在自己心里。我肩负着这样的责任：首先自己要立志遵行神的话语，进而引导妻子和孩子热爱圣经——

去阅读、聆听、学习并顺服其中记载的神的话语。若从永恒的视角来看，对于我挚爱的家人以及我的属灵大家庭——胜利长老会（Victory

Presbyterian

Church）的会众，我是否忠心地履行了这一责任呢？今天清晨，我再次深感这一使命的重大。我不禁自问：当我离世之后，我是否能像使徒保罗那样，恳切地劝勉家人和教会会众，让他们认清异端（即撒旦的诱惑）的渗透与欺骗，并铭记我曾勤勉教导他们的神的话语？我们应当成为一个坚立在神话语之上的家庭与教会——

在信仰之路上持守忠心，直到见主面的那一日；无论撒旦施展何种诡计，我们都绝不背离耶稣。我问自己：我是否像保罗那样，昼夜不住地流泪劝诫，用神的话语教导他们，好让

他们真正成为这样的人？若在我离世之后，我的孩子和教会大家庭仍能铭记我所教导的神的话语，并凭着这些话语在属灵争战中得胜，忠心地活出信仰的生命，那将是何等巨大的祝福啊！我深思：如果人们——哪怕是那个被称为“詹姆斯”的人被遗忘了——却能记住神借我之口所说的话语，并持守信仰、顺服那话语，且怀着必胜的确信投入属灵争战，那么作为丈夫、父亲和牧师，我会是多么幸福啊！我该如何经历这样的福分与喜乐呢？正如保罗在以弗所的三年间，无论是在公众场合还是挨家挨户（第 20 节），都毫不犹豫地教导信徒一切有益的事；我亦深感自己必须在与家人及教会大家庭共度的时光里，勤勉忠心地向他们传授神那有益的话语。又正如保罗将以弗所的长老们交托给主和祂恩惠的道——信靠那位能建立他们，并使他们在所有成圣的人中得着基业的主（第 32 节）——我也将我挚爱的家人以及作为基督身体的“胜利长老会”（Victory Presbyterian Church）的会众，交托给主和祂恩惠的道。我相信主必借着祂的话语，坚固神儿女的生命。因此，在这个清晨，我再次将自己奉献给主。我立志勤勉地将神的话语播种在肉身家人以及属灵家人（即教会会众）的心田里，因为他们都热爱这宝贵的话语。

其次，也是最后一点，使徒保罗在以弗所教会的信徒心中树立了耶稣的形象。

请看今天的经文——

《使徒行传》20 章 35 节：“我凡事给你们作榜样，叫你们知道应当这样劳苦，扶助软弱的人，又当記念主耶稣的话，说：‘施比受更为有福。’”这段经文出自保罗向以弗所教会长老

所作的临别赠言；他在回顾自己与当地信徒共处三年期间如何事事树立榜样时，劝勉长老们要谨记耶稣的话。耶稣的话是什么呢？那就是“施比受更为有福”。保罗在劝勉他们铭记这一教导后，告诉长老们，他自己正是通过遵行耶稣的这句话，在各方面为所有以弗所信徒树立了榜样。举例来说，保罗不贪图任何人的金银或衣物（33 节）。简而言之，他毫无贪心。原因在于，贪婪的人无法遵行耶稣关于“施比受更为有福”的教导；相反，贪婪之人的信念与行为恰恰与耶稣的话背道而驰——

他们认为“受比施更为有福”。保罗不仅没有贪心，反而亲手劳作，以供给自己和同伴的需要（34 节）。保罗没有向以弗所信徒索取什么，反倒是给予了他们。他给予了什么呢？他毫无保留地向以弗所教会的信徒传讲了神的全备旨意（27 节）。无论是公开场合还是挨家挨户，凡是对信徒有益的事，他都教导并传讲，绝不隐瞒（20 节）。在以弗所，他向犹太人和希腊人见证了当向神悔改并信靠我们的主耶稣基督（21 节）。保罗不仅仅是用口传道，更是用生命见证了对耶稣基督的信心。他通过自己的生活方式彰显了神的旨意——

而神的旨意就是要事奉主。正因如此，他告诉以弗所教会的长老们，自己是如何凡事谦卑、流着泪服事主，并忍受种种试炼的（第 19 节）。此外，尽管他受圣灵催促前往耶路撒冷（第 22 节）——且深知圣灵在各城向他见证，等待他的是捆绑与患难（第 23 节）——他仍向长老们表明了自己为见证神恩典福音这一使命而立定的心志：“我却不以性命为念，也不看为宝贵，只要行完我的路程，成就我从主耶稣所领受的职事——就是见证神恩典福音的职事”（第 24 节）。保罗看重神旨意的成全（即见证福音）胜过自

己的性命。换言之，他甘愿为成就神的旨意而舍弃生命。保罗正是希望以弗所教会的长老们能铭记他这充满榜样意义的一生。

每当回想保罗留下的这一榜样，我便不禁想起我的父亲。我也想起了已故的亨利·卢云（Henri Nouwen）所著之书——《一个让人想起耶稣的人》（*A Person Who Reminds Us of Jesus*）。同时，我也想起了我们在今天早晨的祷告会中唱过两次的第 507 首赞美诗——《效法主心肠的人》。于是我向神祷告说：“主啊，我渴望效法耶稣的心肠。我愿变得像耶稣一样。求祢使我成为一个能让人想起耶稣的人。”就个人而言，关于我的家庭，我有两个自婚前便一直持守的祷告事项，其中之一便是：“愿我的妻子能在我身上看见耶稣的形象，也愿我能同样在她身上看见耶稣的形象。”从我开始祷告的那一刻起，直到主接我回天家的日子，我一生追求的目标始终是活出耶稣的形象。因此，我相信，若我在离世之前，能让爱妻和三个孩子哪怕只瞥见一点点耶稣的样式，那便是我能给予他们最珍贵的礼物。正因如此，在今天早晨的祷告会上，我唱了第 518 首赞美诗——特别是第四节：“我要像耶稣；真心实意，我要像耶稣；真心实意，我要像耶稣；真心实意。”这是我恳切的祷告。我之所以如此热切地祷告，是因为我相信，一个效法耶稣之人的事工，即便在离世之后仍会延续。我相信，对于那些努力效法耶稣的人来说，因活出耶稣的榜样而在亲爱的弟兄姊妹心中播下的美好回忆，即便在当事人离世后，仍会在他们心中继续发挥作用。我们应当珍视那些让我们想起耶稣（那位死后依然活着的主）的人，以

及因着在主里的相遇与团契而在我们心中留下的美好回忆。心中珍藏着许多此类美好回忆的人，是真正蒙福且真正富足的。

时候终将到来。我们必将迎来离开这个世界、归与主同在的那一天。怀着这种关于死亡的视角，我们必须珍视神按其主权赐予我们在世时的各种关系与相遇。此外，我们更要致力于通过这些相遇，在主里创造美好的回忆。尽管我们的罪性可能导致我们给彼此留下不快的回忆，但我们应当努力过一种致力于在主里创造丰盛美好回忆的生活——

让这些美好的回忆最终盖过那些不快的回忆。当终将到来的离别时刻临近时，我们要基于主所赐的美好回忆，对彼此产生积极的影响。在这一过程中，我们要见证主的旨意行在地上，如同行在天上。换言之，我们要以谦卑、泪水和忍耐侍奉主，并献上我们的生命去传扬祂的福音。怀着这种坚定的使命感，我们要为与亲人离别的时刻做好准备——

为这在上短暂分离做好准备。我恳切祈求，愿我们能怀着关于死亡的永恒视角，在主所赐予的人际关系中，创造出许多散发着耶稣馨香的美好回忆，从而使我们在离世之后，仍能继续对所爱之人产生积极的影响。

在我离世之前.....

“愿耶和華——万人的灵之神——

立一个人治理会众，可以在他们面前出入，也可以引导他们出入，免得耶和華的会众如同没有牧人的羊群一般.....你要在米甸人身上为以色列人报仇。

随后你必归到你列祖那里”（民数记 27:16-17；31:2）。

在我离世之前，我切切向主祈求的是什么？在我生命终结之际，主会吩咐我承担的最后使命又是什么？

今天这段出自《民数记》27 章 16 至 17 节的经文，展现了摩西向神祈求心愿的情景——当时他已深知自己注定要像哥哥亚伦一样离世（第 13 节）。他向神所求的，并非延长自己的生命（参：列王纪下

20:6）。摩西甚至没有恳求神让他进入那片他曾魂牵梦绕的迦南地（参：申命记

34 章）。事实上，正如神所言，摩西登上了亚巴琳山，眺望了神赐给以色列人的迦南地

，随后便离世了，终究未能踏入那片土地（民数记

27:12-

13)。那么，摩西在离世前究竟渴望什么呢？他渴望为以色列会众设立一位领袖，以确
保神的子民不至于像没有牧人的羊群那样（第 16-
17 节）。换言之，摩西在离世前恳求神立一位领袖来接替自己，带领以色列人进入迦南
地。这段经文显明，摩西关怀以色列百姓胜过关怀自己；也就是说，他首要的挂念与思虑
都倾注在神的子民身上，而非自身的利益。

默想这段经文时，我不禁想起了那些为了会众的益处而选择提前退休的牧者。我想到那些
在建立并服事教会二十、三十甚至四十多年后，决定提前退任——

将教会大家庭和群羊的利益置于自身之上——

的牧者，我不禁思索他们内心深处怀着怎样的心志。这绝非易事；一旦退休，他们便不再
站在讲台上讲道，而是坐在会众席间聆听另一位牧师的讲道。然而，每当我想到那些出于
对会众的关怀而决意提前退休的牧者时，便深信这真正彰显了领袖的胸怀。摩西的心系以
色列民——即神的会众——

而非自己即将临到的大限。他不愿看到百姓落得像没有牧人的羊群那般境地（第 17 节）
。因此，他在离世前恳切祈求神设立一位新领袖来带领以色列民。神垂听了这祈求，并设
立嫩的儿子约书亚为他们的领袖（第 18-

23 节）。回想摩西临终前向神献上的祷告，我不由得想起耶稣的话语：“耶稣出来，见有
许多的人，就怜悯他们，因为他们如同羊没有牧人一般，于是开口教训他们许多道理”（
马可福音

6:34)，以及“他看见许多的人，就怜悯他们，因为他们困苦流离，如同羊没有牧人一般”

（马太福音 9:36）。耶稣看见那庞大的人群——

那些甚至跟随祂来到偏远之地的众多百姓（马可福音 6:32）——

便对他们心生怜悯，因为他们如同羊没有牧人一般（马可福音

6:34）。同样，当祂走遍各城各乡，在会堂里传讲天国的福音，医治各样的病症时（马太

福音 9:35），祂也以怜悯之心注视着众人（马太福音

9:36）。原因在于他们困苦流离，如同羊没有牧人一般（马太福音

9:36）。效法耶稣的这颗心，我相信在离世之前，我也必会恳切地向神祷告，既为“胜利

长老会”（Victory Presbyterian Church）的会众——即主托付我服侍终身的属灵大家庭——

祷告，也为我的肉身家人（妻子和三个孩子）祷告。特别是在为“胜利”群体（基督的身体

）祷告时，我会祈求神兴起一位像约书亚那样、拥有以主为中心的新时代异象的领袖，带

领“胜利长老会”继续前行。我之所以这样祷告，是因为我不愿看到教会的会众变得像没有

牧人的羊群。我相信神必会垂听这不配的仆人的祷告。

在今天的经文《民数记》31 章 2 节中，我们看到神在摩西离世前给了他一项最后的使命。

这项最后的使命就是命令他“为以色列人向米甸人报仇”（第 2 节）。神为何将这项使命托

付给摩西呢？这是因为米甸人听从了巴兰的计谋，在“毗珥事件”中诱使以色列人得罪耶和

华，从而导致耶和华的会众中发生了瘟疫（第 16 节）。所谓“毗珥事件”，是指以色列人

在什亭安营时，开始与摩押女子行淫；他们接受了这些女子的邀请，向她们的神叩拜，并参与了对“毗珥的巴力”（摩押人的巴力神）的崇拜（25:1–

3）。因着这一事件，神的烈怒向以色列人发作（第 3 节）；会众中爆发了瘟疫（31:16），夺去了两万四千人的性命（25:9）。因此，神命令摩西将米甸人视为敌人并击杀他们（第 17 节，《当代韩语译本》）。其原因是，他们在毗珥诡诈地诱骗以色列人敬拜巴力并引诱他们犯罪——

这一行径的典型例子便是米甸首领之女哥斯比所引发的事件，她在瘟疫蔓延时被杀（第 18 节，《当代韩语译本》）。因此，为了执行神的报应，摩西遵照神的话语，从每个支派中各挑选了一千人——总共一万两千人——武装他们，并派他们去攻打米甸（31:3–

6）。在他们奔赴战场之际，摩西安排祭司以利亚撒之子非尼哈随行，携带圣所的器皿和号角（第 6 节）。这表明摩西和以色列百姓信靠神（朴允善）。最终，正如神吩咐摩西的那样，他们攻打了米甸，杀尽了所有男性，包括米甸的五王和比珥之子巴兰，将他们尽行杀戮（第 7–

8 节）。然而问题在于，尽管以色列军队攻打了米甸并杀尽了所有男性（第 7 节），却留下了所有的米甸妇女——

正是这些妇女，“听从了巴兰的计谋，在毗珥之事上引诱以色列人得罪耶和华，并导致瘟疫在他们中间蔓延”（第 16 节）。因此，摩西对那些从战场归来的军队指挥官——即千夫长和百夫长——发怒了（第 14 节）。

当我反思神在摩西离世前交给他的最后一项使命时，我不禁联想到《出埃及记》第 3 章和第 4 章的记载。那些经文描述了神呼召摩西的情景。神呼召摩西的目的是差遣他去见埃及王法老，带领神的子民——以色列人——离开埃及（《出埃及记》3:10）。这是神托付给摩西的最初使命。此外，神原意是要摩西带领以色列百姓进入应许之地迦南（第 17 节）。按理说，这本应是摩西的最后一项使命。然而，由于摩西未能信靠神，也未能在米利巴与他争闹的以色列百姓面前维护神的圣洁，他被禁止带领百姓进入神赐给他们的迦南地（《民数记》20:12）。因此，摩西临终前的最后一项使命，就是遵照神的命令向以色列人的敌人——米甸人——施行报应；具体而言，就是要击杀并彻底毁灭米甸（民数记 31:2-3）。令人有些深思的是，击杀并毁灭米甸以替以色列人复仇——从而向神的敌人施行报应——竟是神托付给摩西的最后一项使命。如果说摩西的首要使命是带领以色列人出埃及，那么他的最后一项使命便是替他们施行报应。

反思摩西的这一最终使命，我不禁思考：神可能会在我临终前托付给我什么样的使命？我脑海中浮现出的经文是《罗马书》5 章 10 节：“因为我们作仇敌的时候，且借着神儿子的死，得与神和好；既已和好，就更要因他的生得救了！”这段经文讲述了神的独生子耶稣基督如何为了那些曾经是神的敌人、本该遭受毁灭的人，在十字架上承受了神愤怒的全部重压——经历了被父神离弃、死亡以及复活；借此，我得以罪得赦免、被称义，并成为神的儿女。

当我领悟了这奇妙的救恩——即一个曾经与神为敌的人竟能成为神的儿女——

我便渴望为耶稣和福音活到生命的最后一刻（马可福音

10:29）。我相信，这就是神赋予我的使命。因此，我切切祈祷，愿那些与神为敌的人能

听闻耶稣基督的福音，并接受耶稣为救主，从而不再处于神的愤怒之下，而是活在祂的救恩与慈爱之中。

大约十五年前，我回到胜利长老会（Victory Presbyterian

Church）担任主任牧师，并持守《马太福音》16章18节中的应许——

即主必亲自建立祂的教会。在事奉过程中，特别是通过关怀会众中的长者，主不断教导我

如何看待死亡。目睹这些圣徒在世的最后时刻并主持他们的葬礼，促使我深刻反思自己终

将面对的死亡。我逐渐意识到，无论是个人的信仰历程，还是家庭与教会的事工，我都必

须怀着这种对死亡的认知去面对。在此背景下，我研读了《民数记》27章16-

17节及31章2节的经文，默想摩西在离世前向神所祈求的心愿，以及神托付给他的最

后使命。这引发了我的自省：“在我离世之前，我切切向主祈求的是什么？”以及“在我归

天之前，主会吩咐我完成什么最后的使命？”我祈求主赐予我一个能在祂面前呈上的、恳

切的临终祈愿，并赐我恩典与力量，去完成祂为我预备的终极使命。

“整理好你的家”

“那时，希西家病得要死。亚摩斯的儿子先知以赛亚去见他，对他说：‘耶和华如此说：你当整理好你的家，因为你必死，不能活了’” (列王纪下 20:1)。

你的家有秩序吗？你的家庭目前是否遵循圣经中的家庭伦理？丈夫是否爱妻子（以弗所书 5:25-30），妻子是否怀着敬意顺服丈夫（22-24、33 节）？儿女是否在主里听从父母（6:1），父母在养育儿女时是否不惹他们发怒，而是照着主的教训和警戒养育他们（4 节）？似乎出于某种原因，我们的家庭正日益陷入混乱。家庭的纽带、和谐与秩序正在消失；成员们各行其是，未能维护家庭的合一，冲突与分裂却在加深。我们该怎么办？

在今天的经文——

《列王纪下》20 章 1 节中，神借着先知以赛亚对希西家王说：“你当整理好你的家，因为你必死，不能活了。”这是多么令人战兢的神的话语啊！神是在告诉希西家：“你必死，不能活了，所以你必须整理好你的家！”当然，这里的“家”指的是犹大国。整理好家务的命令

，意味着要履行君王职责，交接国事（朴允善）。然而，我想将这节经文应用到我们个人的家庭——即我们实际的家——

之上。换言之，我相信神希望我们整理好自己的家。当然，与希西家不同，我们未必面临迫在眉睫的死亡。不过，我认为我们应当怀着对自身必死性的认识来治理家庭。正如希西家王在临终前必须安排国事交接一样，我们也必须在离世之前，将信仰传承给我们的儿女——

以及后代。面对这一重大的责任，我深感若我们未能妥善治理好自己的家，就如同上帝向我们发出同样的警告：“你必死，不能活了。”由此可见，治理好家庭的责任是何等重大。我们绝不可对此掉以轻心。那么，我们该怎么做呢？在离世之前，我们如何将信仰传承给子女？我想从《列王纪下》20 章 2 至 3 节中汲取两点教训：

第一，我们必须向神祷告。

请看《列王纪下》20 章 2 节：“希西家就转脸朝墙，祷告耶和华。”在领受了先知以赛亚传达的信息——“你当留遗命与你的家，因为你必死，不能活了”——

之后，希西家王转脸朝墙，向神祷告。他在祷告中痛哭，向神恳切祈求（第 3 节）。难道我们不也应当痛哭吗？当我们想到子女的信仰时，难道不应痛哭并向神恳切祷告吗？特别是想到那些尚未信主的子女时，我们更必须痛哭，恳求神拯救他们的灵魂。因为当我们肉身将要离世时，我们不得不深思子女灵魂的永恒归宿。如果身为信徒的父母在世时，子

女尚未信靠耶稣，那么我们离世后，他们的救恩又将如何呢？这是一件极其重大的事——一个需要我们痛哭并向神恳切祈求的祷告事项。

第二，也是最后一点，我们必须在主面前以诚实和全心全意的奉献过公义的生活。

请看《列王纪下》20 章 3 节：“耶和华啊，求你记念我在你面前怎样存完全的心，按诚实行事，又做你眼中看为善的事。”希西家就痛哭起来。当希西家王痛哭向神恳求时，他祈求神记念他如何在神面前存诚实和全心全意的心行事，以及如何行了神眼中看为善的事。默想这段祷告，不禁让人想起《列王纪下》18 章 3 节的话——希西家王行了耶和华眼中看为正的事。作为一位在耶和华面前生活正直的君王，当面对自己即将离世的神圣宣告时，他恳求神记念他那真诚、全心全意且公义的行径。令人惊叹的是，在听到神说“你必死，不能活了”之后，希西家竟能确信并宣告自己一生都在耶和华面前过着正直、真诚且全心全意的生活。试想一下：当你我面临死亡时，能否像希西家王那样对子女乃至后代说出同样的话呢？当我们反思《以赛亚书》38 章 1 节中“当留遗命与你的家”这句话时，必须自问：在临终前向子女后代交代遗言时，我们能否真正地说出“我一生都在耶和华面前行善，且存着真诚与全心全意的心”，并以此勉励他们也“在耶和华面前行善，存真诚与全心全意的心”呢？若要留下这样的传承，我们必须从现在起就过正直的生活，在耶和华面前行事真诚且全心全意。

当希西家王痛哭并向神恳求时，主听了他的祷告，看见了他的眼泪，并迅速作出了回应（第 4 节；第 5-6 节）。神对这祷告的回应可归纳为三点。首先，神宣告祂将医治希西家的疾病（第 5 节）。神指出，希西家将在三天内完全康复，并且——在做其他任何事之前——他将上耶和华的殿去献上感恩（朴允善）。其次，神应许延长希西家的寿命十五年（第 6 节）。赐予这延寿的祝福，其目的是让他能继续在耶和华面前行善，并保持真诚与全心全意的态度（朴允善）。最后，神向希西家保证，祂必将大卫城从亚述王手中救出来，并保护这座城（第 6 节）。因着神的话语是美好的（第 19 节），希西家王借着这次蒙应允的祷告，亲身经历了神的良善。和平与诚实伴随着他一生的岁月（第 19 节）。

我祝愿和平与诚实常驻你们的家中；也祝愿神垂听我们两家人的祷告。我特别切切盼望，在我们离世之前，我们的教会大家庭能经历那美好的祝福：看到我们的儿女回转归向主，全家人一同来到神的圣所，怀着感恩之心敬拜神。在那一日到来之前——也直到主接我们回天家之时——愿我们在主面前全心全意、诚挚地行善，为我们的儿女与后代树立美好的榜样。

以撒因惧怕被杀而撒谎

“以撒就住在基拉耳。那地方的人问到他的妻子，他便说：‘那是我的妹子。’原来他怕说‘是我的妻子’，怕那地方的人为利百加的缘故杀他，因为利百加容貌俊美”（创世记 26:6-7）。

昨天，我得知一位朋友的儿子——那是我初到美国时结识的第一位朋友——正在与癌症抗争。这个消息让我深感震惊。听说他那想必还很年轻的儿子正在接受化疗，我不禁回想起自己长子曾在重症监护室接受治疗的往事；我告诉朋友，我会为他们一家祷告。在这一切之中，我感恩地看到，这位朋友因亲历了神奇妙的恩典，而发出了深刻的信仰告白。这怎么可能呢？

今天清晨的祷告会结束后，我在独自为朋友的儿子祷告时，思索着朋友夫妇的心境。这让我联想到我们区会一位主任牧师的父亲——我上周刚探望过他——他也正与癌症搏斗。在医院探访时，我看到那位父亲温柔地抚摸着身为牧师的儿子的头，轻触他疼痛的部位；我不禁揣摩这位父亲当时内心的感受。我记得他说过，尽管现代医学

已突飞猛进，但人类似乎仍无法战胜癌症。我的思绪也转向了另一位正在从癌症手术及后续治疗中康复的牧师师母；想到她那曾为宣教士的父母已不在人世，我不由得想象她内心承受着何等巨大的艰难。还有一位姊妹出现了癌症症状——尽管尚需接受确诊检查——想到她与父母长期疏远且已无亲人在世，我深感必须为她祷告。这让我想起上周一位深受爱戴的资深牧师通过

KakaoTalk

与我分享的话，他曾因癌症面临死亡的威胁：“站在死亡的边缘，我意识到荣誉、高位、金钱以及那些惊人的事工数据……其实都无关紧要。诸如‘超大型事工’、‘伟大的牧师’或‘事工成功’之类的说法，似乎从根本上就是错误的。通过这场癌症，我获得了一份宝贵的领悟：有意义、有深度且快乐地生活与工作，才是最重要的。”

试想一下，如果我们被诊断出患有癌症并面临死亡的威胁，会有什么反应？难道不会感到恐惧吗？或者，即便身处那种境地，我们是否也能像我的朋友那样，见证并宣告神那奇妙的恩典呢？

在今天的经文（创世记 26:6-7）中，我们看到了以撒——一个因害怕丧命而充满恐惧的人。他恐惧的原因在于妻子利百加的美貌（第 7 节）。起初，我们或许很难理解，为何丈夫会仅仅因为妻子貌美而担心自己的性命；然而，若我们站在以撒的角度去审视当时的情境，便能理解他的恐惧了。当时，以撒和利百加住在基拉耳，这是一座位于迦南地南部边界西南方的城市（第 6 节），由非利士王亚比米勒统治（第 8

节)。以撒之所以带着利百加迁居基拉耳，正是因为遭遇了饥荒(第 1 节)。有趣的是，以撒的父亲亚伯拉罕在世时曾遭遇饥荒，而以撒自己也遇到了饥荒，并因此迁往基拉耳(第 1、6 节)。不过，饥荒刚发生时，以撒似乎并未打算迁往基拉耳。我们可以从神对他说的话中推断出这一点：“耶和华向以撒显现，说：‘不要下埃及去，要住在我所指示你的地’”(第 2 节)。这表明，当饥荒来袭时，以撒很可能曾考虑过前往埃及。然而，神吩咐他不要去埃及，而是要“住在我所指示你的地方”(第 2 节)，并给了他一个应许：“你寄居在这地，我必与你同在，赐福给你，因为我要将这些地都赐给你和你的后裔，我必坚定我向你父亲亚伯拉罕所起的誓。我要使你的后裔增多，像天上的星那样多，又要将这些地都赐给你的后裔，并且地上万国必因你的后裔得福”(第 3-4 节)。于是，既已领受了神赐福的应许，以撒便没有去埃及，而是在基拉耳定居下来。然而，由于妻子利百加容貌美丽，他担心当地人会因贪图她的美色而杀害自己，因此不敢承认她是自己的妻子(第 7 节)。结果，当当地人问起她时，他无法启齿说她是自己的妻子，反而谎称她是自己的妹妹(第 7 节)。以撒明明知道利百加是自己的妻子，怎么能撒谎称她为妹妹呢？鉴于他在基拉耳居住了很长时间(第 8 节)，看来以撒不仅谎称妻子利百加为妹妹以欺骗当地的非利士人，而且在他们注视时也确实把她当作妹妹对待。我们可以从第 8 节推断出这一点，经文记载：“以撒在那里住了许久。有一天，非利士人的王亚比米勒从窗户往外看，见以撒和他的妻子利百加亲热。”这段经文暗示，在基拉耳

长期的居住期间——直到被亚比米勒王发现之前——

以撒只有在认为无人注视时，才会把利百加当作妻子对待（例如与她亲热），而在公开场合则把她当作妹妹对待。审视这种行为，令人印象深刻的是：他担心的并非美丽的妻子会被贪图她美色的非利士人掳走、性侵甚至杀害，而是担心自己会因她而被这些人杀害。以撒似乎是一个极度自私的人。他并没有像爱自己那样去爱利百加——

尽管他们已是“一体”。因此，他长期过着虚假的生活，谎称妻子是自己的妹妹，以此欺骗基拉耳的非利士人。后来有一天，他在与利百加亲昵时被亚比米勒王撞见（第 8 节）。

亚比米勒王召来以撒，问道：“她分明是你的妻子，你为何说她是你的妹妹呢？”（第 9 节）以撒回答说：“我以为我会因她而丧命”（第 9 节）。

这正是以撒当时的心态。尽管神已明确向以撒应许（第 3-4 节），以撒却无法信靠那应许的话语，也无法信靠那位赐下应许的立约之神。为了保全性命、免于一死，他竟靠自己的算计，谎称妻子是自己的妹妹，直到被基拉耳王亚比米勒识破（第 8 节）。要知道，神曾应许以撒：“我要使你的后裔像天上的星那样多，又要将这全地赐给你的后裔”（第 4 节）。难道神会任由以撒因着美丽的妻子利百加，而被住在基拉耳的非利士人杀害吗？神绝不会允许这种事发生；即便非利士人真如以撒所料，因贪图利百加的美色而企图杀他夺妻，神也绝不会袖手旁观，而必会搭救他。那么，以撒为何要为尚未发生的事忧心忡忡、惧怕死亡，甚至在基拉耳长久寄居期间，靠着撒但（那“谎言之父”）所喜爱的谎言来欺骗当地百姓呢？要知道，他可是“信心之父”亚伯拉罕的儿子

啊！然而，他的父亲亚伯拉罕对此也无话可说，因为他也曾基拉耳谎称撒拉是自己的妹妹（第 2 节），只因惧怕当地那些不敬畏神的人会为了他的妻子撒拉而杀害他（20:11）。看来，“有其父必有其子”这话确实不假。然而，神那奇妙而信实的恩典在于：当以撒在那片土地上耕种时，神赐福给他，使他在那一年就获得了百倍的收成，家道兴旺，最终成为极其富有的人（第 12-13 节，Modern English Version）。他拥有成群的牛羊，仆人也极多（第 14 节），以至于当地的非利士人都对以撒心生嫉妒（第 14 节）。这究竟是怎样的一种神之恩典呢？神曾向以撒——那个长期以来依靠自己的心思、行事诡诈欺骗他人、未能完全信靠神应许的人——赐下了如此惊人的祝福；神始终信实，即便面对不信且不忠实的以撒，仍旧成就了祂所应许的话语。这是因为，纵使我们不忠实，主却永远信实，祂不能背乎自己（提摩太后书 2:13）。

我们也可能像以撒那样，因惧怕丧命而撒谎欺骗他人。这种行为可能不只是一两天，而是持续了很长时间。最终，我们往往不是完全信靠神，而是依靠自己的聪明，试图用人为的手段来保护自己、保全性命。然而，我们必须铭记：那位掌管生死祸福的神，才是真正保护并看顾我们生命的主宰。此外，我们必须坚信这一真理：那位信守盟约的神，必会按着祂自己的时间和方式，成就祂向我们所应许的一切。因此，我们不可依靠自己的聪明，而要全心信靠神（箴言 3:5）；并且要凭信心行事，不凭眼见（哥林多后书 5:7）。若单凭自己的聪明，我们可能会因担心自己或亲人死于癌症而恐惧；但若信靠神

并凭信心生活，我们就能像我那位儿子患癌的朋友一样，经历神那奇妙的恩典，并向周围的人见证这恩典。即便身处饥荒或令人恐惧的境地，愿你我都定睛仰望耶稣——那位信心的创始成终者（希伯来书 12:2），紧紧持守主赐予的应许，并凭信心言行。

准备好为主舍命

“保罗说：‘你们为什么这样痛哭，使我心碎呢？我为主耶稣的名，不但被人捆绑，就是死在耶路撒冷，也是愿意的’”（使徒行传 21:13）。

在战斗中，一个抱着必死决心冲锋陷阵的人是极其可怕的，因为他们是在拿自己的性命去拼搏。如果这样的人带着一种视死如归的决绝气势冲向我们，又有谁能阻挡得了呢？

在今天的经文——

《使徒行传》21 章 13 节中，我们看到使徒保罗下定决心前往耶路撒冷，并且做好了为主舍命的准备。尽管圣灵已经见证他在各城将面临捆锁与患难（20:23），保罗前往耶路撒冷的决心却从未动摇。在这些城市中，经文特别提到了他抵达凯撒利亚的情形。在那里，一位名叫亚迦布的先知从犹太下来，拿过保罗的腰带，捆上自己的手脚，预言说圣灵指示，耶路撒冷的犹太人将照样捆绑这腰带的主人——保罗——

并把他交给罗马人（11 节）。听到这番话后，保罗的同伴和当地信徒都劝阻他不要去耶路撒冷（12 节）。保罗回答道：“你们为什么这样痛哭，使我心碎呢？”（13 节），并宣告说，为了主耶稣的名，他不仅准备好被捆绑，甚至准备好死在耶路撒冷（13 节）。

保罗是一个准备好为耶稣基督舍命的人。他将自己的生命完全押注在耶稣基督的福音之上

。他是一个准备好为了教会——即基督的身体——

以及神的国度而舍命的人。请思想《使徒行传》20 章 24 节的话语：“我却不以性命为念，

也不看为宝贵，只要行完我的路程，成就我从主耶稣所领受的职事——

就是见证神恩惠福音的职事。”保罗看重从主耶稣领受的使命，胜过看重自己的生命。他

视完成见证神恩典福音的使命，比自己的生命更为宝贵。这是何等非凡的价值观！保罗何

以能将从主领受的使命——即传扬福音的重任——

看得比自己的性命更重？我认为，答案就在《诗篇》63 篇 3 节：“因你的慈爱比生命更好，

我的嘴唇要颂赞你。”保罗之所以能将主所托付的使命置于生命之上，正是因为神那永恒

的爱。因着领悟、感受并亲历了那份永恒的爱，保罗心中充满了感恩与敬畏；为了完成主

所托付的传福音使命，他视自己的性命为无足轻重。保罗对主耶稣所托付的使命怀有火热的

激情；当众人见他已做好准备，甚至不惜在耶路撒冷被捆绑乃至殉道，因而劝阻他不要

前往时，最终也只能作罢，说道：“愿主的旨意成就”（21:14）。随后，过了几天，保罗

和同伴们收拾行装，启程前往耶路撒冷（第 15 节）。

望着保罗前往耶路撒冷的身影，我不禁联想到耶稣——

正如那被牵去宰杀的羊羔（《以赛亚书》53:7）。耶稣的一生，是从伯利恒的马槽走向各

各他的十字架；作为生命的本体，祂甘愿为我们的救赎与永生在十字架上舍命，顺服父神

以至于死（《腓立比书》2:8）。使徒保罗也像耶稣一样，义无反顾地走向死亡。反思他如

何轻看今世的生命，我再次深受触动，深刻体会到主所托付使命的重要性及其必须完成的紧迫性。我渴望在余生中，成为一名满怀使命感的福音使者——
下定决心，即便要付出生命的代价，也要完成主所托付的使命。

今世的苦难与将来的荣耀

既然我们是神的儿女——也就是承受产业的人（罗马书 8:17）——

我们就难免要面对“现在的苦难”（第 18 节）。然而，在忍受这些苦难的同时，我们必须怀着坚定的忍耐持守信仰，并以确切无疑的盼望作为生命的锚。这盼望就是将来要显明给我们的荣耀（第 18 节）。

那将要显明的荣耀，与我们现在的苦难根本无法相比（第 18 节）。那超越一切、永恒的荣耀，远非我们目前所面临的短暂而轻微的苦楚可比（哥林多后书 4:17；罗马书 8:18）。究竟什么是这无法与今世苦难相提并论的将来荣耀呢？那就是我们身体的得赎（第 23 节）。当耶稣重返大地之日——即末次号角吹响之时（哥林多前书 15:52）——我们必朽坏的身体将要复活，并改变成为不朽坏的（第 52 节）。我们的身体将改变形状，与祂那荣耀的身体相似（腓立比书 3:21）。此外，来世的荣耀还包括在天堂享受永生、与主面对面相见（哥林多前书 13:12；启示录 22:4），以及与基督一同作王（启示录 22:5）。我们将过上永远闪耀光辉的生活（第 5 节）。

因此，既然确信那等待着我们的荣耀，我们就必须忠实地履行所托付的使命，即便身处今世的苦难之中，也要忍耐并坚持到底。

“我若能替你死该多好”

“王就心里伤恸，上城门楼去哀哭，一面走一面说：‘我儿押沙龙啊！我儿，我儿押沙龙啊！我恨不得替你死，押沙龙啊，我儿，我儿！’”（撒母耳记下 18:33）

父亲对孩子的心，是一颗充满爱的心；面对受苦的孩子，父亲的心更是充满了怜悯。看着那受苦的孩子，他感到怜惜与悲伤，心如刀割，不禁在内心深处痛哭流涕。他多么希望自己能替心爱的孩子承受痛苦，替他们承担伤害与磨难，甚至宁愿自己替他们去死。

在今天的经文——撒母耳记下

18:33

中，我们看到大卫王陷入了极度的悲痛之中。他的心之所以如此剧痛，是因为他得知了儿子押沙龙的死讯（28、31-

32 节）。大卫被撕心裂肺的悲伤淹没，他登上城门楼，呼喊道：“押沙龙啊，我儿，我儿押沙龙——

我若能替你死该多好！噢，押沙龙，我儿，我儿！”（33 节，《当代韩语译本》）。那些痛

失爱子的父母，想必都曾经历过这种撕心裂肺的悲痛。我曾抱着我的长子查里斯（Charis，希腊语意为“恩典”）——那是在重症监护室里第一次，也是最后一次抱他——之后，我痛哭失声。我哭得那样剧烈，仿佛连呼吸都要停止了；那份痛苦与心碎令人难以承受。我的悲伤如此深重，以至于我一次又一次地放声痛哭。一种巨大的内疚感更是将我击垮，因为我认定是由于我自己的罪，导致孩子替我死了（12:14，18）——尽管真正该死的是我这个罪人，而不是孩子。大卫作为父亲，也曾发出过同样的痛彻心扉的呼喊：“我儿押沙龙啊！我儿，我儿押沙龙啊！我恨不得替你死！押沙龙啊，我儿，我儿！”（18:33，《当代韩语译本》）。大卫呼喊，希望能替儿子押沙龙去死。我相信，这反映了一位父母最真实的心声。当心爱的孩子先于我们离开人世，我们会终生将他们铭记在心；每当我们在神面前流泪，因着孩子那历历在目的回忆而感伤时，脑海中往往会浮现出这样的念头：“若能替他死该多好。”在默想大卫那悲痛欲绝的呼喊时，我心中突然产生了一个疑问：“在大卫与儿子押沙龙的关系中，如果他能采取不同的做法，是否就能避免这场悲剧性的死亡？”那一周，我反复思索了我们在晨祷会上研读过的关于大卫和押沙龙的经文。我得出的结论是：如果大卫作为父亲能妥善处理三件具体的事，他的儿子押沙龙或许就不会落得如此悲惨的结局。

首先，如果大卫在那个关键时刻能秉公行事，结果会怎样呢？

当儿子暗嫩强暴了同父异母的妹妹他玛（《撒母耳记下》13:14）时，大卫虽然怒不可遏（21 节），却未采取任何行动。尽管暗嫩对她玛犯下了愚蠢且可耻的罪行（12 节），身为父亲的大卫甚至没有给予一句充满爱意的责备。面对犯下如此重罪的儿子，大卫怎能不加以训诫呢？如果他真心爱自己的孩子，难道不该管教他吗？这难道不是一家之主应尽的责任吗？再从受害者他玛的角度来看，她会如何看待父亲大卫呢？还有押沙龙——

他深爱着妹妹，甚至给自己的女儿也取名为他玛（14:27）——

当他目睹妹妹在被同父异母的哥哥暗嫩强暴后，凄惨地生活在自己家中（13:20）时，他又会如何看待父亲大卫呢？他或许会纳闷：“在我的姐妹遭受了如此令人震惊的创伤之后，身为父亲，怎能仅仅勃然大怒，却完全不惩戒暗嫩呢？”毕竟，一家之主难道不应主持公道，以维护家庭内部的秩序与安宁吗？大卫为何只是发怒，却未对暗嫩采取任何行动？这是否因为他深受自己过去罪行的困扰——

即曾与乌利亚之妻拔示巴同寝（11:4）？尽管儿子暗嫩动用暴力制服并强暴了押沙龙美丽的姐妹他玛（13:1,

14），大卫却保持沉默、未加斥责；这是否因为他自己也曾看见拔示巴沐浴，并因其绝世容颜（第 2 节）而与她同寝（第 4 节），尽管明知她已是有夫之妇（第 3 节）？如果真是这样，那只是大卫的视角；但作为受害者的他玛，或是她的兄弟押沙龙，又是作何感想呢？当他玛在兄弟家中度过那段凄惨的日子时，内心究竟承受着怎样的煎熬？至少我们知道，他玛的兄弟押沙龙痛恨暗嫩。暗嫩不仅犯下了强暴姐妹的恶行，更在事后将她赶走，犯下了更大的罪恶（第 16 节）；因此，押沙龙拒绝与他说一句话（第 22 节）。在满

腔仇恨之中，押沙龙在想些什么？他在谋划复仇。整整两年，押沙龙怀着复仇的念头，伺机杀掉暗嫩（第 23 节）。这究竟是谁的过错？我认为责任在于他们的父亲大卫。如果大卫能秉公处理——而不是在得知儿子暗嫩对他玛所做之事后仅仅勃然大怒（第 21 节）——

押沙龙就不会耗费两年时间，怀揣着杀掉暗嫩的复仇之心。试想押沙龙的感受：父亲未对暗嫩采取任何行动，甚至连一句斥责的话都没有；而他却眼睁睁看着暗嫩在王宫中安然度日，仿佛什么事都没发生过一样。在抚养上帝赐予我的这三个恩典之礼时，孩子们年幼时我常听到的一句话就是：“这不公平。”虽然我不记得具体细节，但我猜想这话多半出自我的小女儿之口，因为她总是直言不讳地向我表达想法。比如就在最近，她拿自己的处境与姐姐做比较，暗示自己也应享有同样的待遇；她的核心诉求就是希望我能公平对待她和姐姐。于是，我给了她和姐姐同样的许可。作为父亲，我努力平等地爱这三个孩子，却常觉力有未逮。我特别遗憾的是，小女儿年幼时我曾给她读过图画版圣经，却未曾为大女儿做过同样的事。不过，我很感恩最近与大女儿的关系拉近了许多；看来上帝正引领我以平衡的方式爱护这两个女儿。我也常与住在大学宿舍的大儿子交谈，尤其是在周五送他回校、周日接他回家的路上。有时，我甚至会在周六下午和他的朋友们一起打篮球。尽管我力求平等地爱这三个孩子，但他们各自对我的心意与付出的感受或许各不相同。我至今记得，当他们还在上小学时，我曾有一次同时管教了这三个孩子。当时我这么做，是因为觉得管教一个孩子却放过另一个是不对的，但如今我意识到，孩子们当时的看法可能完全不同。回想大卫与押沙龙的关系，我不禁思索：如果大卫当初能出于爱心及时管教暗嫩，也许押

沙龙就不会对暗嫩怀恨长达两年，更不会策划复仇并意图将其杀害。我相信，大卫本应秉持公义行事，从而阻止押沙龙心中对暗嫩的仇恨种子生根发芽。

其次，不妨设想一下：“如果他的父亲大卫早一点去寻找他，情况会怎样？”

大卫的儿子押沙龙痛恨暗嫩——因为暗嫩强暴并随后抛弃了他的妹妹他玛——

并决意要杀掉他（《撒母耳记下》13:32）。他怀着这种复仇的念头长达两年（13:23），最终杀死了暗嫩（13:23–

29）。事后，押沙龙逃亡（13:34）至基述王达买（亚米忽之子）那里，并在那里居住（13:37）。在他流亡三年后（13:38），元帅约押察觉到主君大卫王正思念着押沙龙（13:39；14:1），于是指教一位聪明的妇人该如何向王进言（14:2）。他派这名妇人去见大卫（14:4–

20），最终，王准许约押将押沙龙带回来（14:21）。然而，这一点有些令人费解。圣经明确记载，大卫王的心切切思念着儿子押沙龙（13:39；14:1）。但令人困惑的是，尽管押沙龙逃亡至基述并居住了三年，大卫却并未主动去寻找他，而仅仅是在心里思念。如果他真的挂念那个流亡在外的儿子，作为父亲，难道不该更早采取行动去寻找他吗？身为一国之君，他完全有能力调动各种资源、权力和人力去寻回出走的儿子，可为什么大卫什么也没做？为什么他只是在心里思念着流亡的儿子？毕竟，是在三年之后，元帅约押在获得大卫许可后，才主动前往基述寻找押沙龙的，而不是大卫本人采取了行动。什么样的父亲

会仅仅思念离家的孩子，却不真正尝试去寻找他呢？难道这位父亲在内心深处并没有真正宽恕这个孩子吗？也许大卫没有去寻找押沙龙，是因为他无法从心底宽恕那个杀害了暗嫩的儿子。大卫曾因窥见拔示巴沐浴时的美貌而动心，甚至特意派人去打听这位已婚女子的底细；然而，当儿子押沙龙因杀害了强暴自己妹妹的暗嫩而逃往基述后，大卫竟整整三年未曾派人去探望或将其接回——

这实在令人费解。一个内心深处渴望孩子却又不肯真正宽恕他的父亲，很容易给孩子留下深深的创伤、苦毒与痛苦。

蒙神恩典，我心爱的长子已步入大学，开启了校园生活。由于学校离家仅需约四十五分钟车程，我每周五接他回家，周日傍晚再送他回宿舍。如今一切已步入正轨，但起初他搬去宿舍时，每当我看到他那空荡荡的房间，心中总会涌起一阵空虚感。我们朝夕相处了十八年，想到儿子终于离家独立生活，我不禁常会回忆起过往的点点滴滴。自从儿子搬进大学宿舍，家里只剩下妻子和两个女儿，作为父亲，我有时会感到想念他（我甚至当着妻子的面跟小女儿说过这话，当时坐在客厅的大女儿也听到了）。我曾设想过，如果儿子离家不是为了上大学，而是因为杀害了姐妹中的一人后潜逃，作为父亲的我该如何自处？我之所以构想这种情境，是为了体察大卫的心境。正如大卫思念那个杀害同父异母兄弟暗嫩并逃往基述的押沙龙一样，我相信，若我的儿子离家出走，我也定会对他深切思念。然而，我自问：我会像大卫那样仅仅停留在思念中而不采取行动去寻找，还是会亲自出门寻回他呢？每当反思《路加福音》第 15 章中关于“迷羊”或“失钱”的比喻时，我深信自己定会竭力寻

找那个离家出走的儿子。然而，当我思考“浪子回头”的比喻时，我不禁在想：也许我应该等待他自己回家。当然，即便这种等待，也隐含着父亲在最终选择等待之前，其实已经反复寻找过那个迷失的孩子。归根结底，我相信父亲的心总是会去寻找自己的孩子，哪怕孩子犯了错并离家出走。如果孩子意识到父亲正怀着这样的心意寻找自己，他们会有什么感受？反之，如果孩子发现父亲根本没有寻找自己，又会有什么感受？这种认知无疑会在孩子心中留下深深的创伤、苦毒与痛楚。最后，第三点涉及一个假设：如果当年的父亲大卫选择宽恕他，情况又会如何呢？

押沙龙怀着复仇之心，在隐忍两年后杀死了暗嫩并逃往基述；三年后，他回到了耶路撒冷（14:23）。然而，当儿子归来时，大卫却下令押沙龙直接回自己的住处，并禁止他来见自己（24节）。简而言之，大卫根本不想见押沙龙（24节，《当代韩语圣经》）。他这种不愿相见的态度如此强烈，以至于整整两年时间里，他都没有见儿子一面（28节）。毕竟，即便父母有时不愿意见孩子，但对于一个思念了三年、终于获准回家的儿子，做父亲的难道不该立刻见他一面吗？他心中的排斥感该有多强烈，才会让押沙龙明明就在耶路撒冷，却整整两年都见不到父亲的面？算起来，这总共是五年了，不是吗？押沙龙在基述流亡的三年里，大卫没有见过他（或者说“选择不见”更为准确）；如今儿子回到了耶路撒冷，又是什么样的父亲会拒绝让儿子见自己，一拖又是两年？他为何如此不愿看自己的孩子一眼？五年，对于见不到自己的孩子而言，实在是一段漫长的时光；事实上，若非约押体察大卫王的心意并获准将押沙龙带回耶路撒冷，大卫恐怕会更长时间见不到他。此外，如

果押沙龙没有放火烧约押的田地以迫使对方会面（第 30 节），即便过了两年，他也绝无可能见到父亲大卫的面。正因如此，押沙龙才对约押说：“我倒不如留在那儿[基述]”（第 32 节）。在押沙龙看来，这是一种何等残酷的对待：他从基述回到耶路撒冷，本以为能团聚，结果却因大卫不愿相见，被拒之门外长达两年。毕竟，如果大卫不想见儿子的面，当初何必把押沙龙从基述接回耶路撒冷呢？他完全可以让押沙龙继续留在基述生活。大卫内心对押沙龙的思念如此强烈，实在令人费解。既然连他的臣仆约押都能看出这份思念，可见其渴望之深；然而，我们该如何理解这样一位父亲：他既不主动寻找儿子，即便有过此念头，也未采取任何实际行动？如果他在押沙龙身处耶路撒冷的那两年里并无意相见，当初为何又准许约押将其带回？只要他拒绝这一请求，押沙龙便会留在基述，从而避免了这种身在耶路撒冷两年却无法见到父亲面容的荒谬处境。尤金·毕德生（Eugene Peterson）在其著作《大卫：扎根于现实的灵性》（*David: A Spirituality Rooted in Reality*）中指出，大卫付出代价最大的罪，在于他未能真正宽恕儿子押沙龙。尽管父子二人同住在耶路撒冷的王宫内，大卫却让押沙龙在长达约两年的时间里备受冷落，始终未给予真正的宽恕。如果大卫能像上帝宽恕他犯下通奸（与拔示巴）及谋杀（其夫乌利亚）之罪那样（12:13），立即宽恕杀害了暗嫩的押沙龙，那么押沙龙很可能就不会走上企图弑父的极端道路（16:11）。正因为大卫没有给予宽恕，押沙龙在返回耶路撒冷并见到父亲之后，便花了四年时间（15:7）去笼络以色列人的心（第 6 节），将他们的忠诚转向自己（第 13 节），最终发动政变企图杀害父亲。归根结底，父亲未能宽恕儿子，其后果竟是导致了儿子的丧生。

当父母看到自己心爱的孩子受苦时，心中会涌起深深的怜悯；孩子那副模样既令人同情，又让人心如刀割。因此，父母往往宁愿自己替孩子承受苦难，只因不忍心看着孩子继续受罪。况且，为人父母者实在无法忍受目睹爱子受苦乃至离世。那种因内疚而生的煎熬——尤其是认定孩子的死是源于自己过犯的那种感觉——

对每一位经历过的父母而言，感受各不相同；那是一份外人无法完全体会的父母心肠。大卫王当时正处于极度痛苦之中，被巨大的悲伤淹没（18:33）。这是因为他得知了爱子离世的噩耗。在撕心裂肺的悲痛中，大卫呼喊道：“我儿押沙龙啊，我儿，我儿押沙龙啊！

我恨不得替你死！哦，押沙龙，我儿，我儿！”（第33节，《当代韩语圣经》）。大卫多么希望自己能替儿子押沙龙去死。尽管押沙龙既死，大卫已无法挽回什么，但当他回首自己与儿子的关系时，至少有三件事是他本该深思的：（1）“当听说押沙龙的妹妹他玛被暗嫩强暴并遭遗弃时，如果我当时能公正地惩罚暗嫩的罪行——而不是仅仅发怒——

押沙龙就不会对我怀有那么深的怨恨”；（2）“如果押沙龙逃往基述后，我能早些去寻找他，他就不必在长达三年的时间里独自舔舐伤口，并怀揣着对我的苦毒与怨气”；以及（3）“如果押沙龙回到耶路撒冷后，我能立即宽恕他——

而不是让他两年都不得见我的面（甚至或许我该主动请求他的原谅？）——

他就不会耗费四年时间去笼络以色列民的心、发动政变，甚至企图杀害我。”每当我想到大卫为押沙龙——那个在与父亲军队交战时丧生的儿子——

痛哭哀号，喊着说：“我儿押沙龙！我儿押沙龙！我恨不得替你死！押沙龙啊，我儿！我儿！”（第33节）时，我便不禁联想到耶稣在十字架上的呼喊：“我的神，我的神，为什

么离弃我？”（马太福音 27:46；马可福音 15:34）。当耶稣基督——

那位无罪的上帝之子——

为了替我们死而在十字架上喊出“我的神，我的神，为什么离弃我”时，身为天父的上帝，在听见这呼喊的瞬间，心中又是何等感受？当看见那曾发出如此痛苦哀号的耶稣被钉在十字架上、生命垂危之际，天父是否也曾因极度的悲痛而落泪呼喊：“我儿耶稣，我儿耶稣……我恨不得能替你死！噢，耶稣，我儿，我儿！”？

我该如何为自己的人生画上一个有意义的句号？

“我从前是亵渎神的、逼迫人的、侮慢人的；然而我还蒙了怜悯，因我是不信、不明白的时候而做的。并且我们主的恩是格外丰盛，使我在基督耶稣里有信心和爱心”（提摩太前书 1:13-14）。

在前往韩国参与“2017 年韩国网络事工”项目之前，我的内心感到有些不安。当时，我听到了一些关于一位我所敬爱的牧者导师退休过程的消息，这引发了我深刻的反思。我开始自问：我应当如何结束自己的牧养事工并最终退休？怎样才算是有始有终、圆满收场？这些思考不仅让我联想到事工的退休，也让我想到自己终将面临的死亡。我再次反思，在主和他人面前，我该如何为自己的人生画上句号。在思考如何以荣耀神的方式结束人生时，我意识到有许多陷阱需要防范——

但我特别感到需要警惕那种因自身成就而产生的自视甚高的心态。当我服事主的身体——教会——

并为神国的扩展劳苦直至生命终结时，我不愿过分关注事工的数字或个人的履历。我不愿夸耀自己的功绩，也不愿在人前寻求个人荣耀——

无论是反复提及自己服事的年限、细数为主所做的工，还是在结束事工时向教会索要特定的退休金。我最渴望的是像使徒保罗那样，坦然承认“我今日成了何等人，是蒙神的恩才成的”，并靠着这恩典去完成主的工作。我希望在生命终结时能宣告：“那美好的仗我已经打过了，当跑的路我已经跑尽了，所信的道我已经守住了；从此以后，有公义的冠冕为我存留”（提摩太后书 4:6-

7）。正当我思考如何实现这一目标时，我造访了韩国，并见到了一位通过网络事工结识的牧师。在我返回美国前的那个周五上午，听着他讲述教会的种种实情——那些他亲眼所见、耳闻及亲身经历的事——

我心中涌起一股难以承受的沉重与麻木感，那是我从未有过的体验；我甚至想落泪。那种沉重感强烈到让我几乎不忍再听下去。就在前一天——周四——

我刚见过一位副牧师夫妇，听闻了关于韩国教会令人沮丧的事，这促使我写道：“我们牧者必须悔改。请为我们能做到这一点祷告。谢谢。”而第二天一早，从另一位副牧师口中听到更多关于韩国教会的负面情况，似乎加剧了那种沉重且令人心痛的感觉。听着这些关于问题牧者的讲述，我意识到，我们的牧者之所以陷入傲慢与贪图物质财富的境地，是因为他们忘记了神的恩典。我也想到，这一切之所以发生，是因为我们忘记了神的怜悯。

在今天的经文——《提摩太前书》1 章 13 至 14 节——中，使徒保罗写信给他在属灵上的儿子提摩太，特别强调了两件事：主的怜悯和主的恩典。首先，保罗向提摩太描述了自己过去是个什么样的人：“我从前是亵渎神的、逼迫人的、侮慢人的……”（13 节）。在往大马士革的路上遇见复活的耶稣之前（《使徒行传》9:4；

26:14)，保罗曾是一个亵渎耶稣基督并极力逼迫祂教会的人。换言之，在信主之前（《提摩太前书》1:13），他曾是一个热心逼迫教会的人（《腓立比书》3:6）。保罗之所以那样行，是因为他当时并未意识到耶稣就是弥赛亚（基督）（《提摩太前书》1:13）。正因如此，他蒙受了怜悯。他之所以蒙受这份怜悯，是因为耶稣基督先向他显明了极大的忍耐（16节）。在默想这段经文时，我也反思了主向我所施的怜悯。我被提醒，因着我的罪，我是一个理应遭受永恒毁灭之刑罚的罪人（帖撒罗尼迦后书 1:9）。当我想到主对我——一个本该遭受永火刑罚的罪人（犹大书 1:7）——表现出完全的忍耐时，这除了是主的怜悯，还能是什么呢？神将我所有的罪都归算在祂那无罪的独生子耶稣身上，使祂担当我罪的刑罚并忍受十字架的苦难；神没有降下我应得的惩罚，反而忍耐宽容了我这个本是“预备遭毁灭的可怒之器”（罗马书 9:22）。这除了是主的怜悯，还能是什么呢？既知主的忍耐成了我的拯救（彼得后书 3:15），我又怎能不为祂的怜悯心存感恩并保持谦卑呢？

保罗向提摩太提到的另一点关乎主的恩典：“并且我们主的恩是格外丰盛，使我在基督耶稣里有信心和爱心”（提摩太前书 1:14）。保罗在遇见复活的耶稣之前，曾是亵渎神、逼迫人、侮慢人的；他完全承认自己是罪人中的罪魁（第 15 节）。耶稣基督首先向保罗——这罪人中的罪魁——显明了祂极大的忍耐（第 16 节）。主向他施怜悯，没有将永恒毁灭与愤怒的刑罚加在他身上，反而赐予他永生（第 16 节）以及丰盛的信心与爱心（第 14 节）。此外，主看保罗为忠心，并将事工托付给他（第 12 节）。即便我们不忠心，主仍是信实的——

因为祂不能背乎自己（提摩太后书

2:13）——

祂视保罗为忠心，并委任他作外邦人的使徒（罗马书

11:13）。这若不是神的恩典，又是什么呢？这是一个何等深厚的恩典：一个在信主前曾

热心逼迫教会的人，竟未受永恒毁灭的刑罚，反而得了永生；然而，主所做的远不止于此

：祂不仅拯救了他，还委派他担任外邦人的使徒——

还有什么恩典能比这更伟大呢？正因如此，保罗向我们的主基督耶稣表达了感激之情，因

为主加给了他力量（提摩太前书

1:12）。在默想这段经文时，我也反思了主赐予我的恩典。那确实是丰盛的恩典。我禁不住

要为那救赎的恩典献上感恩——

这恩典赐予像我这样的罪人以信心（这信心本身就是一种恩赐），使我能够接受耶稣基督

作为我的救主。此外，信实的主竟然认为像我这样不忠心的人值得信赖，并将牧师的职分

托付给我；这是何等浩大的恩典啊。

我记得曾在—篇网络文章中读到过关于已故韩景职（Han

Kyung-

chik）牧师的故事。故事讲述了他

1992

年荣获邓普顿奖（Templeton

Prize）的庆典上，如何在致辞时公开宣告：“首先，我承认自己是个罪人。我曾参与过神

社参拜。”据说，已故的朴允善（Park

Yun-

sun）牧师在主持聚会时也曾承认自己参与过神社参拜，他说道：“我也犯过参与神社参拜

的过错——尽管只有一次——

但我内心始终无法压抑那种痛苦的煎熬；因此，我在会众面前公开承认了那项罪过”（资

料来源：网络)。在我看来，这两位公开承认曾参与神社参拜之罪的人，直到生命的尽头，都在主和世人面前过着谦卑的生活。我相信他们之所以能做到这一点，是因为他们在亲近圣洁的主时，时刻铭记自己过去的罪，从而愈发深刻地意识到这些罪的严重性。因此，我相信他们对主那浩大、丰盛且深邃的怜悯与恩典，有了日益加深的领悟。一个日益认识到自己罪性之深重与广大的基督徒，必然会对神的怜悯与恩典有更深、更宏大的理解。结果，他们会不由自主地在神面前保持谦卑，因为他们心中充满了对恩典的深切感悟。这样一位充满恩典意识的基督徒——即便在结束牧养事工之后——也会由衷地告白（不仅是口头上的，更是发自内心的）：“我今日成了何等人，是蒙神的恩才成的”（哥林多前书 15:10）；并且在走完人生旅程之际，仍会谦卑地作出同样的告白。此外，他们还会祷告说：“耶和华啊，荣耀不要归与我们，不要归与我们；要因你的慈爱和诚实，将荣耀归与你的名”（诗篇 115:1）。

我离世前必须做的事

“你必死在你所登的山上，归你本民，像你哥哥亚伦死在何珥山上，归他本民一样”（申命记 32:50）。

今天清晨，我得知一位挚爱的牧者同工——也是我在神学院的同学——

去世的消息。得知他因心脏病发作在家中离世后，我访问了他生前服事的教会网站。映入眼帘的第一件事，是已故的金牧师写给他在美国的儿子（或儿子们）的一段话。我还浏览了教会网站相册里的照片。我注意到金牧师的生日是 10 月 7 日——与我的生日仅差一天——

并看到了会众为庆祝他这个特别日子而露出的灿烂、喜悦的笑容。想到他的妻子、儿女、教会大家庭以及同工们此刻定是悲痛万分，我向父神献上了祷告，尽管这祷告或许微不足道。在祷告时，我反思了自己的离世。我特别默想了摩西在去世前所做的三件事——重点关注了申命记 32:50 这节经文（这节经文出自我在清晨祷告会中读过的第 31 和 32 章），并结合这些话语向神祷告，以此省察自己的生命。如今，我将这些记录下来，旨在再次提醒自己这些事。

首先，摩西在去世前所做的事情之一，就是在以色列会众面前任命约书亚为继任者，并对他进行鼓励。请看《申命记》31 章 7 至 8 节：“摩西召了约书亚来，在以色列众人眼前对他说：‘你当刚强壮胆！因为你要和这百姓一同进入耶和华向他们列祖起誓应许赐给他们的地；你也要使他们承受那地为业。耶和华必在你前面行，他必与你同在，必不撇下你，也不丢弃你。不要惧怕，也不要惊惶。’”摩西在去世前曾向神祷告说：“愿耶和华——万灵之神，立一个人治理会众，可以在他们面前出入，也可以引导他们出入，免得耶和华的会众如同没有牧人的羊群一般”（《民数记》27 章 16 至 17 节）。当时，神吩咐摩西带上嫩的儿子约书亚，按手在他头上，将他领到祭司以利亚撒和全会众面前，在他们眼前嘱咐他，并将自己的一部分权柄交给他，让他统管整个以色列会众（18 至 20 节）。于是，摩西遵照神的话行了（22 至 23 节）。随后，摩西在 120 岁时意识到自己无法过约旦河进入迦南地，便向以色列全会众宣告——正如神此前所言——

神必在他们前面过河，在他们面前灭绝迦南诸国，并使以色列民得着那地为业（《申命记》31 章 1 至 3 节）。在陈述神必在他们前面过约旦河之后，摩西谈及自己的继任者时说道：“约书亚必在你们前面过去”（3 节）。这意味什么呢？这段经文讲述了神将如何与摩西的继任者约书亚同在（6 节），并如何在以色列民前面过约旦河。随后，摩西在全以色列人面前召来约书亚，并用这些话勉励他：“你当刚强壮胆！因为你必领这百姓进入耶和华向他们列祖起誓应许赐给他们的地；你也要使他们承受那地为业。耶和华必在你前面行，他必与你同在，必不撇下你，也不丢弃你。不要惧怕，也不要惊惶”（7-8 节）。

在我离世之前，我渴望继续参与主的工作，兴起那些怀揣以主为中心之异象的工人。在这个庄稼多、工人少的时代，我愿祈求主“打发工人出去收他的庄稼”（路加福音 10:2），同时也更全身心地投入到神国度的扩展中，去发掘、装备并差遣那些有潜力的工人来收割庄稼。

其次，摩西在去世前写下了律法，并让人大声宣读，以便全以色列人都能听见。请看申命记

31 章 9 至 13 节：“摩西将这律法写出来，交给抬耶和华约柜的祭司利未子孙，和以色列众长老。摩西吩咐他们说：‘每逢七年的末一年，就是在豁免债项的定期，又在住棚节的时候，以色列众人来到耶和华你神所选择的地方朝见他，那时你要在以色列众人面前，当众宣读这律法。要招聚百姓——男、女、孩子，并城里寄居的——

使他们听，使他们学习，好敬畏耶和华你们的神，谨守遵行这律法的一切话。也使他们未曾晓得这律法的儿女听见，学习敬畏耶和华你们的神，在你们过约旦河得为业之地存活的日子，都要这样行。’”摩西在去世前写下了律法，并让全以色列百姓听见。他召集了男人、女人、孩子以及城里的寄居者，让他们聆听并学习律法。其目的是为了让全以色列百姓都能学会敬畏耶和华他们的神（13 节）。摩西为何这样做？因为他深知，一旦以色列人进入迦南地，他们便会随从那地外邦人的神，行淫乱之事，离弃神，并违背神与他们所立的约（第 16 节）。摩西如何得知这一切？因为神已向他显明（第 16 节）。摩西对这一

现实洞若观火：既然百姓在他生前与他们同在时就已悖逆神，那么在他死后，一旦进入迦南地——饱食终日、生活富足——

他们定会转而事奉别神，藐视神，并违背祂的约（第 27 节；第 20 节）。正因如此，他在离世前写下了律法，好让全体以色列百姓都能听见并学习，并因敬畏神而谨守遵行律法中的一切话语（第 12 节）。

在我离世之前，我希望能讲一系列关于使徒保罗所有书信的解经讲道，并将这些讲道汇编成书。目前，我经常为我的三个孩子撰写“家庭故事”。同时，我也与我所服事的胜利长老会（Victory Presbyterian Church）的会众，以及网上的亲爱的弟兄姊妹和信徒同道，分享我对神话语的感悟（灵修心得/QT）。我这样做，纯粹是为了与他人分享神借着祂的话语所赐予的恩典。我坚持分享这些感悟，是盼望圣灵能将恩典赐给每一位阅读之人。然而，重中之重，我离世前最深切的愿望是活出越来越像耶稣的生命，从而在挚爱的家人、弟兄姊妹、我盼望向其传福音的朋友以及所有我认识的人心中，播下一份关于耶稣的微小记忆。

第三，摩西在离世前作了一首歌，教导以色列人，并让他们唱诵。请看《申命记》31 章 19 节：“现在你要写下这首歌，教导以色列人，放在他们口中，使这首歌为我作见证，指证以色列人的不是。”摩西正是在离世前写下了这首歌。随后，他在以色列会众面前完整地诵读了这首歌的歌词（31:30；32:44）。这首歌的内容记载于《申命记》32 章 1 至 43 节

。摩西为何要创作这首歌，并向以色列全体会众完整诵读呢？这是因为他希望这首歌能成为针对以色列人的见证（31:19）。他预见了一个未来的情景：百姓进入迦南地后，会吃得饱足、生活富裕；随后他们会转而侍奉别神，藐视神并背弃祂的约，从而遭受无数的灾难与患难。在那个艰难时刻，摩西希望这首歌——一首他们的后代会铭记并传唱的歌——能作为见证伫立在他们面前（32:20-21）。正因如此，摩西创作了这首歌并将其教导给以色列人（32:22）。

在我离世之前，我希望能整理出那些我钟爱的赞美诗与敬拜歌曲，并写一本书——无论篇幅多么简短——

来讲述神借着这些诗歌所赐予的恩典，以此与我的家人、教会大家庭以及主内弟兄姊妹分享。如果条件允许，我还希望能录制一段自己弹着吉他演唱这些歌曲的视频或音频，留给我的孩子们。我希望在我的葬礼上，家人、教会会众及亲友们能唱起其中的一些诗歌，以此赞美神。我在有生之年渴望完成的三件事是：培养怀抱以基督为中心之异象的国度工人，出版关于默想经文的书籍，以及发行赞美诗与见证集。我祈愿借着这一切努力，神能得着荣耀，许多我所爱的人也能因此蒙福。

我们该如何为与挚爱家人的告别做好准备？

“保罗说完了这话，就同众人跪下祷告。众人痛哭，抱着保罗的颈项，和他亲嘴。叫他们最伤心的，就是他说‘以后不能再见他的面’那句话。于是送他上船去了”（使徒行传 20:36–38）。

我不禁想起已故的金慈玉（Kim Ja-ok）女执事（Senior Deaconess）说过的话：“癌症不仅仅是一种苦难；它也是一种让人有时间为告别做准备的疾病。”这句话之所以能引起共鸣，或许是因为我们意识到，并非每个人都有机会为与亲人分别做好准备。这让我反思道：“我也需要为与我深爱的妻子和孩子告别做好准备。”我得出这个结论，是因为离开这个世界的顺序并无定规，我们也不知道上帝何时会召我们归回天家。我相信，为那场告别做些循序渐进的准备是明智之举，尤其是考虑到我深爱的家人。那么，我们该如何着手准备与挚爱家人的告别呢？

在《使徒行传》20 章 36 至 38 节中，我们读到使徒保罗在米利都向以弗所教会的长老们（节）发表告别演说（18–

35 节) 之后, 便与他们一同跪下祷告。他们放声痛哭, 拥抱并亲吻保罗, 随后送他上了船。通过反思这段经文以及保罗的告别演说, 我总结出了七种为与挚爱家人告别做好准备的方法。

首先, 我要始终向我深爱的家人展现忠诚。请看《使徒行传》20 章 18 节: “他们来了, 保罗就对他们说: ‘自从我到亚细亚的日子以来, 我在你们中间始终为人如何, 你们都知道。’”使徒保罗提醒以弗所教会的长老们, 从他抵达亚细亚的“第一天”起直到“现在”——

这期间长达三年 (31 节) ——

他是如何在他们中间生活的。那么, 保罗在与以弗所教会的信徒共处的那三年里, 究竟是怎样生活的呢? 我相信, 保罗至少在他们中间过着忠心的生活; 也就是说, 在他于以弗所教会服事的三年期间, 他向会众展现了忠心。我之所以持这种看法, 是因为保罗告诉长老们, 从他初次抵达亚细亚的那一刻起, 他们就知道他是“怎样在[他们]中间为人处世的”(第 18 节)。当我深思这句话中的“总是”(always) 一词时, 我认为它意味着在这三年里, 保罗的言行举止始终如一——坚定不移、一贯且忠心——

并且这种表现是长老们有目共睹的。

我不知道自己何时会与挚爱的家人分别, 但我渴望像使徒保罗那样, 直到那一刻都保持忠心。正如那位信实的主对待像我这样不忠心的罪人时所表现出的信实, 我也愿借着祂恩典的大能, 过一种忠心的生活。我努力活出忠心; 若在我离世之后, 挚爱的家人能这样追忆我的一生——“我的丈夫 (或我们的父亲) 生活始终如一, 从未偏离左右”——

那将是何等宝贵的恩典！当然，家人必然比任何人都更清楚我的短处；然而，若即便在这些瑕疵之中，他们仍能看见我如何借着神的恩典，活出了一定程度的言行一致，那将是何等深厚的恩典与祝福。正因如此，无论今天、明天，还是直到我离世之日，我都渴望向家人展现一种始终如一、忠心耿耿的生活。我祈求，即便在我离开这个世界之后，他们仍能记得主那份借着我的生命——哪怕只是微弱地——所彰显出来的信实。

其次，我希望向挚爱的家人展示事奉主是怎样的光景。

请看《使徒行传》20 章 19 节：“我服事主，凡事谦卑，眼中流泪，又因犹太人的谋害，经历试炼”

[（现代韩语译本）“我总是谦卑流泪地服事主，即使面对因犹太人阴谋而引发的各种试炼”]。使徒保罗在以弗所与信徒共处的三年间，他始终如一、忠心耿耿的行事为人，其核心在于他对主的服事（第 19 节）。他忠心地服事主，这一点以弗所教会的长老们都深知（第 18 节）。因此，在临别赠言中，保罗提醒他们，在这三年里他是何等忠心地服事主。他还告诉他们，自己是“凡事谦卑、常常流泪”并“经历试炼”来服事主的（第 19 节）。在保持谦卑服事的同时，他必然历经了诸多艰难困苦；然而，整整三年，他日夜不住地劝诫以弗所教会的每一位圣徒，甚至为此流泪（第 31 节）。以弗所教会的圣徒们无疑见证了他的泪水。至少，教会的长老们定然看见并铭记了保罗这三年间所流下的泪水。对于这位如此忠心爱他们、并含泪服事他们三年的保罗，他们怎能忘记那些宝贵的泪水呢？即便他们未必能完全记起保罗具体的教导与劝诫，以弗所教会的圣徒们也定会将他流泪的记忆永

远珍藏在心底。我不禁思索以弗所长老们在与保罗话别时的心境——

想到保罗为了服事主而凡事谦卑、含泪服事他们，即便在面对犹太人谋害他的阴谋与试炼时也不例外（第 19 节）。今天的经文（使徒行传 20 章 37 节）告诉我们，他们都痛哭流涕，拥抱并亲吻保罗。当与保罗分别时，以弗所教会的长老们放声痛哭；要知道，保罗曾整整三年日夜含泪劝诫他们每一个人。这着实是一幅因爱而生的动人泪水画面。

我也渴望流下这样的泪水。特别是，我渴望更多地流下那三种泪水——

即我曾在 1987 年 5 月胜里（Seungri）长老会大学事工退修会上流过的泪水：悔改的泪水、感恩的泪水以及委身的泪水。我常想，如果不仅是我亲爱的天父，连我挚爱的家人也能看见那些泪水，并受圣灵的感动与引导，从而更加立志要流着泪事奉主，那该是多么美好啊！我也在思考，当终有一天必须与家人分别时，若能在主里一同流下这样的泪水，将是何等美好的情景。我渴望与他们经历这样美好的告别。我希望面对死亡的方式，不仅在神眼中是美好的，在家人眼中也是美好的。若我亲爱的妻子和三个孩子在回想我离世时，能立志说：“我的丈夫——我们的父亲——

一生只事奉主。他在谦卑事奉主的过程中，想必历经了许多艰难困苦，却始终忍耐坚持；想到他曾流下的那些泪水，我也要像他一样，一生只事奉主。”这该是何等大的恩典，又是何等有益的离世啊！

第三，我渴望寻求我挚爱家人的益处。

请看《使徒行传》20 章 20 至 21 节：“你们也知道，凡与你们有益的，我没有一样避讳不说的；或在众人面前，或在各人家里，我都教导你们。又对犹太人和希腊人证明当向神悔改，信靠我主耶稣基督。”使徒保罗在以弗所教会的三年间，凡事谦卑，常常流泪，忍受了因犹太人的计谋而带来的试炼（第 19 节）。特别是对于以弗所教会的信徒，凡是对他们有益的事，他都毫无保留地宣讲和教导——

无论是在公开场合还是挨家挨户（第 20 节）。他毫无保留所宣讲和教导的，就是向神悔改并信靠我们的主耶稣基督（第 21 节）。他见证了神恩典的福音（第 24 节）。简而言之，使徒保罗毫不犹豫地向以弗所的信徒传讲了神一切的旨意（第 27 节）。保罗为何这样对待以弗所的信徒？为何他乐意向他们宣讲和教导那些有益的事？原因在于保罗爱以弗所教会的信徒。这让人想起《哥林多前书》13 章 5 节的话：爱“不求自己的益处……”正因为保罗爱以弗所的信徒，他不求自己的益处，而是寻求他们的益处。因此，他见证了神恩典的福音——这福音是为了他们的益处——

并传讲与教导人悔改归向神，以及信靠主耶稣基督。

哪位丈夫或父亲会为了自己的利益而牺牲家庭的利益呢？难道他不是在努力工作，以供养他深爱的家人吗？然而，我相信有一种供养比物质上的支持更为重要：那就是丈夫和父亲作为一家之主，肩负着培育家人的责任。因此，我铭记《以弗所书》5 章 29 节和 6 章 4 节的教导，这些经文提醒我，在培育我深爱的妻子和三个孩子方面，我肩负着重大的责任。那么，我该如何培育我的家人呢？我必须使我的妻子和三个孩子成为门徒。作为家中的属灵导师，我必须教导我深爱的妻子遵守主所吩咐的一切（《马太福音》28:19）。这样做是

为了借着神的话语使她得洁净（当然，我自己也必须首先每日被主的话语洁净）。当我这样做时，我和妻子就能以真诚的心彼此切实相爱（《彼得前书》1:22）。此外，作为三个孩子的属灵导师，我不可惹他们的气，而要照着主的教训和警戒来养育他们。在这个培育过程中，我必须教导他们顺服父神，并将这种顺服付诸实践。我必须把他们培养成因顺服父神而顺服父母的孩子（《以弗所书》6:1）。我相信，那些孝敬父母的孩子（第2节）也能够尊重其他的长辈。我为什么要这样做呢？因为这是我深爱的妻子和孩子灵魂凡事兴盛的秘诀（《约翰三书》1:2）。我的目标很明确：寻求我深爱家人的福祉。原因在于，我以神的爱去爱我的妻子和三个孩子。第四，我想向我深爱的家人展示一种由神圣使命驱动的生活。

请看《使徒行传》20章24节：“我却不以性命为念，也不看为宝贵，只要行完我的路程，成就我从主耶稣所领受的职事——

就是证明神恩惠福音的职事。”使徒保罗受圣灵的催促前往耶路撒冷，尽管他并不知道在那里会发生什么（第22节）。他只知道圣灵在各城向他见证，等待他的是监禁与苦难（第23节）。保罗也很可能意识到，那些企图杀害他的犹太人正伺机夺去他的性命，危险潜伏在侧。然而，与他的使命相比，保罗并不看重自己的性命（第24节）。他视从主耶稣领受的使命重于自己的生命。正因如此，在履行——或完成——

那见证神恩典福音的使命时，他并不把自己的性命看作宝贵。他真是一位伟大的神人！我们难道不也应当持守这样的价值观吗？

我曾从主领受过两个应许。第一个应许是在 1987 年，当时我参加了胜利长老会（Victory Presbyterian

Church）举办的大学生事工退修会；主借着一位特邀讲员，用《约翰福音》6 章 1 至 15 节的经文对我说话。领受这番话语时，圣灵感动并激励了我的心，引领我降服并向主献上我的人生——正如那“五饼二鱼”一般，我原本微不足道且完全不

足以应付所需。因着神绝对的恩典，我成为了一名牧师，如今服事着作为基督身体的教会

。我从主领受的第二个应许是在 2003 年，当时我参加了由韩国牧师教会更新协会（Gyogaenghyeop）举办的退修会；主再次借着一位特邀讲员，将《马太福音》16 章 18 节的话语赐给了我。听见主宣告“我要把我的教会建造起来”之后，我唱起了《我爱主的国度》（I

Love Thy Kingdom, Lord，赞美诗第 208 首）；想到胜利长老会，我不禁热泪盈眶。我深深地思念着胜利长老会——

那是主用自己的宝血所买赎的、我所深爱的会众。因此，我在那年 11 月底辞去了韩国瑞贤教会（Seohyun

Church）的职务，于 12 月 3 日返回美国，并于 12 月 21 日就任胜里长老会（Seungri Presbyterian

Church）的主任牧师。自那时起，我便与我挚爱的妻子及三个孩子一同服事主的教会。

回想主赐给我的应许，我深知自己的使命是通过传讲神的话语（参约翰福音 6:1–

15；马太福音 16:18）来建立主的教会——即祂的身体——

并通过建立教会来扩展神的国度。我的异象是兴起并差遣那些怀抱以基督为中心之梦想的工人，以此扩展神的国度。为了实现这一使命，作为家中的领袖，我必须培育并赋予我挚爱的妻子与孩子力量；同样，作为教会的领袖，我也要培育并赋予我挚爱的教会大家庭力量。我祈求能靠着神的恩典，忠心地将这一使命贯彻到底。因此，当我离开这个世界时，我希望我挚爱的妻子和三个孩子会这样记念我：“我的丈夫——我们的父亲——一生受主所赐使命的驱动；他谦卑而忠心地完成了使命，随后便安息在自己所切慕的主怀中。”

第五，我要将我挚爱的家人交托给神和祂恩惠的道。

请看圣经中《使徒行传》20 章 32 节：“如今我把你们交托给神和祂恩惠的道；这道能建立你们，叫你们和一切成圣的人同得基业”[（现代韩语译本）“如今我将你们交托给神和祂恩惠的道。这道能坚固你们的信心，并赐予你们众圣徒所领受的天国福分”]。使徒保罗曾对以弗所教会的长老们说：“圣灵立你们作全群的监督，你们就当为自己谨慎，也为全群谨慎，牧养神的教会，就是祂用自己血所买来的”（第 28 节）。他之所以这样说，是因为他知道自己离去后，会有凶暴的豺狼从外面进入以弗所教会，并不顾惜羊群（第 29 节）。此外，保罗也知道，教会内部会有人起来，歪曲真理，企图拉拢门徒跟随自己（第 30 节）。正因如此，保罗在向以弗所教会长老作临别赠言时劝勉道：“所以你们应当警醒！记念我三年之久，昼夜不住地流泪劝戒你们每一个人”（第 31 节）。随后，他将以弗所教

会的长老们交托给主和祂恩典的道（第 32 节）。他之所以这样做，是因为他确信这道有能力坚固他们，并使他们在所有成圣的人中得着基业（第 32 节）。你能想象吗？如果教会的长老们——无论是教导长老（牧师）还是治理长老——不能在恩典的真理上站稳脚跟，羊群（会众）将会怎样？当面对旨在诱离信仰、使人偏离正道的强烈诱惑（无论来自外部还是内部）时，整个教会又会遭遇什么？仅仅想到这些，难道不令人感到可怕吗？

我常会想到自己终将离开这个世界、告别挚爱的妻子和三个孩子的那一天。这种思考的习惯，始于我从韩国瑞贤教会（Seohyun

Church）的青年事工转往美国胜利长老会（Victory Presbyterian

Church）担任主任牧师的时期；目睹那里长者们的离世，让我对死亡有了更深刻的感悟

。每当我透过死亡的视角回首往事，并思考自己希望以何种方式面对终局时，常觉得若能一生受主使命的引领、被主重用为祂的器皿，最终安然离世，那该是多么美好。然而，与此同时，我也禁不住挂念我挚爱的家人。我离世后，他们的生活会怎样？他们的信仰之路——即为神的荣耀而活的呼召——

又将如何？在这些思绪万千之中，我唯一能做的，就是通过祷告将家人交托给神。我将一切都在祷告中交托给祂。正如圣经所说：“你们要将一切的忧虑卸给神，因为他顾念你们”（彼得前书

5:7），我通过祷告将自己所有的忧虑都交托给神。这是因为神比任何人都更爱我的家人

。我受命将家人交托给神——

具体而言，是交托给祂恩典的道（第 32 节）。在这方面，我的责任是向家人分享并教导神恩典的道——即神恩典的福音（第 24 节）——从而使他们能够持守在神救恩的恩典之中。当我这样做时，即便我离开了这个世界，我的家人仍能稳固地建立在神恩典的道上，并能领受和享受那属于众圣徒的天国福分（第 32 节，《当代韩语译本》）。

第六，我想向我挚爱的家人展示一种勤勉工作的生活，而不是一种被贪婪主导的生活。

请看《使徒行传》20 章 33 至 34 节：“我未曾贪图一个人的金、银、衣服。我这两只手常供给我和同人的需用。”使徒保罗在向以弗所教会的长老们作临别赠言时，为何要说“我未曾贪图一个人的金、银、衣服”以及“我这两只手常供给我和同人的需用”呢？他之所以这样说，是否因为长老们面临着强烈的物质诱惑——即那些能激起贪欲的诱惑——

以至于必须做出这样的声明？保罗是否担心那个靠制造女神阿耳忒弥斯神龛模型发了大财的银匠底米丢（19:24）可能会试图用金钱引诱长老们？这是否属于保罗在以弗所三年期间所经历的“许多试炼”（20:19）之一？如果长老们确实面临此类试炼，保罗完全有理由劝勉他们坚守神恩典的道，并像他一样，避免屈服于贪婪的诱惑——

因为贪婪会导致拜偶像的罪（歌罗西书 3:5）。毕竟，如果以弗所教会的会众看到他们的长老能摆脱这种贪欲，他们自己不也能抵御贪婪的诱惑吗？而像保罗那样勤勉工作、自食其力，不正是抵御这种诱惑的良方吗？（使徒行传

20:34) 最重要的是，如果以弗所教会的长老们真心爱他们的邻舍——

也就是教会内的弟兄姊妹——

他们就会遵守十诫中的命令：“不可贪恋人的房屋.....也不可贪恋人的财物”（出埃及记

20:17）。他们也会勤勉工作，自食其力。对于教会领袖而言，若能不受贪财之心的玷污

，那将是忠心生活的宝贵榜样！

我至今仍清晰记得大约十九年前，当我面临困境向父亲请教时，他给我的建议。他告诉我

应当“超越物质的考量”。当时，我正陪着妻子和岳母去选购结婚用的家具。岳母为了心爱

长女的婚礼已筹备多年，一心想送我们一套高档家具作为礼物；然而，妻子觉得价格太高

，更倾向于选择经济实惠的款式，两人因此产生了分歧。夹在中间的我不知所措，便向父

亲寻求指引，希望能妥善处理这件事。我还记得最终的结果：岳母在争论中“赢了”（？）

，买了一套远超我们实际需要的昂贵家具。还有一件事我也记忆犹新：婚后不久，妻子曾

带着几分难以置信的语气问我，一个*jeondosa*（助理牧师或传道人）怎么能吃得起*gal

bi*（腌制牛排骨）呢？哈哈。也许在妻子看来，传道人不该吃昂贵的牛排骨。哈哈。但

最终，我还是吃了那份牛排骨。我渴望学习像使徒保罗那样（腓立比书

4:11-

12）知足的秘诀：过简朴的生活，超越物质的束缚，摆脱财富诱惑带来的羁绊，并单单

在主里得着满足，而非陷入贪婪之中。因此，我希望能向我亲爱的家人展示，单单与主同

在并过着知足生活是怎样的光景。我也希望能活出一种为神勤勉工作且不贪婪的生活。我

盼望当我离开这个世界时，我的妻子和儿女会这样想：“我的丈夫——或我们的父亲——一生不贪婪，单单在主里得着满足，并且直到生命的尽头都在为主辛勤劳作。”

第七点，也是最后一点，我希望能为我挚爱的家人树立榜样。

请看《使徒行传》20 章 35 节：“我凡事给你们作榜样，叫你们知道应当这样劳苦，扶助软弱的人，又当记念主耶稣的话，说：‘施比受更为有福。’”使徒保罗为以弗所教会的长老们树立了榜样。他之所以能远离贪婪，是因为他铭记并践行了主耶稣的话：“施比受更为有福”（第 35 节）。正因如此，保罗没有屈服于贪婪的诱惑；相反，他亲手劳作，供养自己和同伴（第 34 节）。此外，保罗过着辛勤劳作以扶助软弱者的生活（第 35 节）。在树立了榜样之后，保罗劝勉以弗所教会的长老们效法他——

勤勉工作并扶助软弱者。他之所以这样说，是因为这样的生活确实蒙福（第 35 节）。

我希望能向我挚爱的家人展示蒙福的生活是怎样的。我愿向我的三个孩子——

不是通过言语，而是通过我的行动以及在日常生活中树立的榜样——

展示在神眼中怎样的人生才是蒙福的。我不仅要向他们指明这条道路，更希望他们看到父亲领受并享受神所赐予的恩典。如果我能真正活出“真理的模范”（《罗马书》2:20）——即“施比受更为有福”——

那么，即使我离世长眠，我相信我挚爱的孩子们也会睁开属灵的眼睛，跟随我的脚踪行（《彼得前书》2:21）。特别地，我希望能通过在力所能及的范围内勤勉工作并扶助软弱者

，为我的家人留下美好的传承。因此，即便我终将离开这个世界，我仍祈愿那印刻在他们心间的、我行过的足迹，能激励他们踏上同样的道路。

本周，我在电视新闻中看到一个感人的故事。故事的主角是一位名叫约瑟芬·史密斯 (Josephine

Smith) 的美国女性，她的父亲是一名消防员，在“9·11”恐怖袭击中不幸殉职。十三年后，她追随父亲的脚步，通过了严苛的考核与训练，也成为了一名纽约市消防员。那篇新闻报道中有两个画面令我难以忘怀：一个是史密斯身穿消防装备、站在靠在建筑物上的云梯上，脸上洋溢着灿烂笑容的场景；另一个则是她已故父亲的照片，照片中的他面容慈祥、和蔼可亲。父亲在“9·11”袭击中去世时年仅 47 岁，当时史密斯正值高中花季；我不禁感叹，在那样一个塑造人格的关键青春期失去挚爱的父亲，她内心该承受了怎样的痛楚。同时，她选择追随父亲的足迹成为一名消防员，这份举动也让我惊叹于她对父亲那份深沉的爱。想到约瑟芬·史密斯——这位效法挚爱父亲、投身纽约市消防事业的女性——

我也深受激励，渴望成为自己三个心爱孩子的好榜样。我决心将这份心志付诸行动，使之成为一种习惯，并以此实现生命的蜕变。我愿向家人展现一种全然为主的事工奉献、同时不断摒弃一切贪欲的生活；更愿通过谦卑、忠信与坚忍的生命见证，向他们展示如何回应主的呼召去侍奉祂，从而成为他们的祝福。我将挚爱的家人交托在神话语的恩典之中，渴望效法耶稣度过一生，直到主召我归回天家的那一刻；愿我在他们心间留下美好的足迹，引领他们也能踏上同样的追随之路。



让我们竭尽全力为自己的葬礼做准备。

“她所做的，是尽她所能；她预先膏了我的身体，是为了安葬……彼得却极力地说：‘我就是必须与你同死，也绝不会不认你。’众门徒也都这样说”（马可福音 14:8, 31）。

你是否曾思考过自己的葬礼？如果有，你正在为此做准备吗？如果是，你又是如何着手的呢？对于今天默想的主题——“让我们竭尽全力为自己的葬礼做准备”——

你有什么感想？对于尚未成婚的弟兄姊妹来说，这听起来或许有些荒谬。他们可能会认为，现在应当倾注全力筹备婚礼，而不是葬礼。然而，众所周知，无人能预知未来。我们不知道自己何时或以何种方式离开这个世界。尽管如此，年轻人往往认为自己比长者更长寿，因此倾向于将精力集中在筹备婚礼而非葬礼上。我也在思考长者们的情况。虽然他们常说自己时日无多，但我并不确定他们是否真的在为葬礼做准备——

或者说，是否在“竭尽全力”地做准备。毕竟，常把“我想快点死”挂在嘴边，往往被视为长者们常说的“三大谎言”之一。我最近正在读罗布·莫尔（Rob

Moll）所著的《死亡的艺术》（*The Art of

Dying*) 一书，其中一些内容深深触动了我。我们所处的时代有一个特点：随着医疗技术的进步和人类寿命的延长，人们的关注点往往在于“如何活着”，而非“如何准备死亡”。结果，我们似乎不懂得如何在主里安然离世。进而，我们也似乎缺乏了关于“如何好好生活”的领悟——尽管在神眼中，祂圣民的死是宝贵的（诗篇

116:15）。在阅读《马可福音》第 14 章关于那位打破玉瓶的妇人的故事时，第 8 节经文深深吸引了我的注意。我被两个人物之间的强烈反差所触动：一个是使徒彼得，他跟随耶稣三年之久，曾“信誓旦旦”地宣称：“我就是必须和你同死，也绝不会不认你！”（第 31 节）——

然而，他所体贴的是人的意思，而非神的意思（《马太福音》16:23）；另一个是那位打破盛有极贵重纯哪哒香膏玉瓶的妇人（《马可福音》14:3），她“尽她所能”（或译“竭尽全力”）将香膏浇在耶稣身上，从而预先为祂的安葬做了准备（第 8 节）。尽管我过去常忽略这个关于妇人打破玉瓶的故事，未曾深思，但如今我将她“竭尽全力”为耶稣安葬做准备的举动（第 8 节），与彼得那声称至死也不否认主的“激昂”誓言（第 31 节）进行了对比。彼得作为耶稣的首要门徒，本已听过耶稣的教导，得知“人子必须受许多的苦，被长老、祭司长和文士弃绝，并且被杀，过三天复活”（《马可福音》8:31）；然而，他却把耶稣拉到一边进行阻拦，说道：“主啊，万不可如此！这事绝不会临到你身上！”（《马太福音》16:22）。相比之下，那位打破玉瓶的妇人却“竭尽全力”预先为耶稣的安葬做了准备（《马可福音》14:8）。彼得关注的是人的意念，而她关注的则是神的工作。她倾尽全力为耶稣在十字架上的死做准备，彼得却用他的力量试图阻止那场死亡（参《马太福音》16:22）——

——

甚至在耶稣被捕时拔刀砍伤了大祭司仆人的耳朵（《马太福音》26:51）。后来，彼得情绪激动地——“发咒起誓”（第 74 节）——三次否认了耶稣。究竟是谁做出了配得主称赞的事呢？耶稣想到了那位竭尽全力为祂安葬之事做准备的妇人，便对门徒说：“我实在告诉你们，普天之下，无论在什么地方传这福音，也要述说这女人所做的，以为记念”（马可福音 14:9）。

此时此刻，你正竭尽全力为什么做准备呢？你是否也渴望倾尽全力为自己的葬礼做好准备？若能如此，你岂不更会想要过好神所赐予的每一天——透过死亡的视角审视生命——不再按自己的意愿，而是单单遵行神的旨意生活吗？我们必须好好生活才能善终，但也必须为死亡做好充分准备，才能真正过好这一生。要为死亡做好切实的准备，我们必须对复活怀有信心与盼望。此外，我们还必须殷勤地为耶稣的再来做好准备。作为新妇，教会必须倾尽全力，为迎接新郎耶稣的归来做好准备。正如那五位聪明的童女预备了油和灯以迎接耶稣的到来，教会——作为新妇——也必须预备自己成为荣耀的教会（以弗所书 5:27），并欢然迎接新郎耶稣。

“把我的眼泪装在你的瓶子里”

“你晓得我的哀愁。把我的眼泪装在你的瓶子里……”（诗篇 56:8a）。

在我心之器皿中，盛载着一些泪水——

那些我终生难忘的泪水。我至今仍清晰记得它们滑落的瞬间；它们对我而言，有着极其珍贵的意义。在我心底烙印最深的，是长女珠英（Ju-

young）流下的一滴泪。当时，珠英——

那个生平第一次也是最后一次独自坐起来的孩子——

在我的怀抱中安然入睡，她的右眼角积聚着一滴泪珠。每当我主持圣餐礼时，我总会特意想起那个曾在重症监护室度过五十五天、身上布满无数针孔痕迹的婴儿。每一次，她那滴泪水都会深深触动我的心弦。第二组深深烙印在我心头的泪水，来自我挚爱的妻子。我记得她泪流满面的样子——

当时她站在不远处，注视着重症监护室里的珠英；那时我们的孩子情况危急，因心脏与循环系统衰竭，全身已呈现青紫色。那一刻，我觉得妻子是如此美丽动人。关于妻子泪水的另一个难忘瞬间，发生在珠英火化之后。我们乘着小船，捧着装有她骨灰的小盒子；当我掌舵前行时，坐在身后的妻子突然看着我，泪流满面地说道：“泰坦尼克号（Titanic）”。

我永远无法忘记妻子，她在那样深沉的悲痛之中，竟还开了这样一个玩笑（？）。还有一滴珍藏在我“心之瓶”里的泪水，是从祖父右眼角滑落的。那是在一个星期天的早晨——也就是他在医院去世的前一天——

我刚祷告完，他便睁开了双眼。尽管他因戴着呼吸机而无法言语，但我从未忘记过那滴泪水。我也无法忘记祖母的泪水。当我和妻子去医院探望她时，她突然落泪了。我问道：“祖母，您是因为害怕死亡而哭泣吗？”她回答说，她流泪是因为对神怀有无比的感恩。当我问她为何如此感恩时，她说是因为神从我们的家族成员中兴起了几位主的仆人。那些感恩的泪水，也同样珍藏在我心中的那个瓶子里。

在我的信仰历程中，我过去只关注自己心中那个瓶子里所盛装的泪水。然而，昨晚在阅读今晨早祷会的经文时，我的目光被《诗篇》56 篇 8 节吸引住了。诗人大卫向神发出的恳求深深触动了我：“主啊，祢知道我的忧愁；求祢把我的眼泪装在祢的瓶子里。”这节经文我以前肯定读过许多遍，但直到昨晚，我似乎才真正留意到它。随后，在今晨的祷告会上分享以《诗篇》56 篇 4 节为中心的信息时，我再次对第 8 节产生了浓厚的兴趣；正是带着这份新的关注，我此刻正在默想这段经文并写下这些文字。我现在希望将目光从自己心中因忧愁而积聚的泪水，转向我亲人的泪水——

那些被主亲自盛装在祂器皿中的泪水。我确信，我亲人的泪水（这些泪水也存在于我心中）已然汇聚在主的器皿里，因此我愿将它们完全交托给祂；因为祂对他们的爱远胜于我，也比任何人都更理解他们的泪水。我的长子柱英（Ju-young）、我的妻子以及我的祖父母所流下的泪水，其全部含义我又怎能完全领会呢？然

而，既然全知全能的神完全知晓并理解这些泪水的意义，我便祈求祂将每一滴泪水都收进祂的器皿中。与此同时，我也祈求祂能收纳我在 1987 年 5 月参加胜里 (Seungri) 长老会大学生团契退修会时所流下的三种泪水：悔改的泪水、委身的泪水以及感恩的泪水。我祈求自己无论现在还是将来，都能继续流下这三种泪水，以此将主的器皿盛满。

当我们身患绝症与病愈之时

“犹大王希西家患病，既病而愈，就作了这诗……”（以赛亚书 38:9）

如果医生为你做了活检，并告诉你：“你得了癌症”，你会作何反应？如果他们告诉你这并非早期癌症，而是第四期癌症，你又会怎样？听到“第四期癌症”时，我们往往会认为这是末期阶段——

即被判了死刑。然而，第四期癌症真的是终点吗？即便真是如此，我们就该放弃生命、坐以待毙吗？今天，我想从《以赛亚书》38 章 9 至 20 节——这是希西家王在从致命疾病中康复后所写的一段经文——

汲取教训，探讨我们在面对绝症以及病得医治时应有的态度与回应。我祈愿我们能将这些教训铭记于心并付诸实践，通过我们的赞美将荣耀归给神。

第一个教训是：当我们身患绝症时，必须正视死亡。

请看《以赛亚书》38 章 10 节：“我说：‘正在我中年之日，我要进入阴间的门；我余剩的岁月不得享受。’”神曾借着先知以赛亚对希西家说：“你当留遗命与你的家，因为你必死，不

能活了”(第 1 节)。简而言之，希西家王从神那里领受了死亡的宣告。面对这样的宣告，人的本能反应往往是否认，因为我们惧怕死亡。然而，我们不应惧怕死亡，而应为之做好准备。一个为死亡做好准备的基督徒，在接到死亡宣告时，会选择正视而非否认。正因为我们为死亡做了准备，我们就必须随时准备好直面它。

第二个教训是：当我们遭受绝症的打击时，必须反思自己的人生。

请看《以赛亚书》38 章 11 节：“我说：‘我必不得见耶和华，就是在活人之地不见耶和华；我必不再见世上的居民。’”当希西家王从神那里得知自己将不久于人世时，他回顾了自己的一生。面对死亡，他想到了神——那位他在世上将不再见到的神——以及那些他将不再见到的世人。我们必须懂得如何在面对死亡时回顾自己的人生。在反思之际，我们应当省察：在世寄居之时，我们是否尽心、尽力、尽意地爱了神（那位我们在世上将不再见到的神），又是否爱人如己。

第三个教训是，当我们身患绝症时，必须相信主掌管着生死。

请看《以赛亚书》38

章

12-

13 节：“我的住处被迁去，离开我，像牧人的帐棚一样；我像织布的卷起我的生命，他将我从机上剪断；从日出到日落，你使我终结。我耐心地等到天亮，但他像狮子一样折断我所有的骨头；从日出到日落，你使我终结。”这里，希西家王两次提到“他将我从机上剪断

“以及”他使我的生命在日夜之间终结”。简而言之，这意味着主拥有对生死的绝对主权。

无论主治医生如何宣判死刑，除非神命定，否则我们不会死亡；然而，若主向我们发出死亡的判决，那剪断我们生命之线的正是祂。因此，我们绝不可自行了断生命。生死皆在乎神。我们必须坚信主掌管着我们的生死。

第四个教训是，当我们身患致命疾病时，必须仰望主，直到双眼疲惫。请看《圣经》以赛

亚书

38

章

14

节：“我像燕子呢喃，像白鹤鸣叫，又像鸽子哀鸣。我因仰望主而双眼疲惫。主啊，我受欺压；求你为我伸冤！”即便从神那里领受了死刑的宣告，希西家王仍痛哭流涕，向那位掌管生死的主恳切祈求。在通过先知以赛亚听闻神的死刑宣告后，他转脸向墙，痛哭哀求并祷告（2-3节）。他祷告说：“求你医治我，使我存活”（16

节），并求神记念他如何在主面前凭诚实、全心行事，以及如何行了神眼中看为善的事（3节）。总之，希西家王痛哭流涕，仰望主直到双眼疲惫（14节）。我们也当向那位掌管生死的主献上痛哭与哀号的祷告——

即便在领受死刑宣告之后。即使身患绝症，我们也必须向神呼求，因为祂可能会改变心意，延长我们的寿命。

第五个教训是：当我们从绝症中康复时，必须将荣耀归给主。

节：“我当说什么呢？是他对我说话，也是他亲自成就了这事。因我心中的苦楚，我要在余生中谨慎而行。”当希西家痛哭祷告、仰望神直到双眼疲惫时，神听了他的祷告，看见了他的眼泪，并为他增添了十五年的寿命（5

节）。在获得这延长的生命后，希西家将荣耀归给了神。具体而言，他承认神亲自兑现了向他所作的应许（15

节）。他从未窃取神的荣耀归为己有；这是因为他深知，是神延长了他的生命。我们也必须明白这一点。当我们从生死关头幸存下来时，切不可忘记，这完全是出于神的恩典。唯有神能延长我们的寿命。唯有神能医治我们的疾病。因此，既蒙神恩典医治了绝症，我们就必须像希西家王那样，在余生中在主面前谦卑行事（第15节）。

第六个功课是：当我们从绝症中康复时，必须认识到人的生命完全仰赖神的话语。

请看以赛亚书 38 章 16 节：“主啊，人存活乃在乎此；我灵存活也全在乎此。所以你使我痊愈，使我存活。”希西家王在绝症康复后——正如神所应许的那样——

认识到人的生命仰赖神的

话语。换言之，他明白了自己灵魂的生命完全维系于神的话语。的确，我们灵魂的生命完全仰赖神的话语；我们的生存也唯独依靠它。我们必须知道：“人活着，不是单靠食物，乃是靠耶和华口里所出的一切话”（申命记 8 章 2 节）。并且，我们必须按着神的话语生活。

第七个功课是：当我们从危及生命的疾病中康复时，必须洞察主允许这种巨大苦难临到的旨意。

请看以赛亚书 38 章 17 节：“看哪，我受大苦，本为使我得平安；你因爱我的灵魂，便救我脱离败坏的坑，因为你将我一切的罪扔在你的背后。”那么，神允许我们遭受绝症带来的巨大痛苦，其旨意何在呢？希西家王认识到，神的心意是通过赦免他的罪来赐予他平安。这是何等巨大的神的祝福与恩典啊！如果借着危及生命的疾病，我们罪的问题得以解决——即罪得赦免——

并因此能享受神所赐的完美平安，那是何等深厚的祝福与恩典！相比肉身的医治，我们更应渴慕罪得赦免；并且，我们要借着罪得赦免，享受那世人无法给予的神的平安。

第八个、也是最后一个教训是：当我们从危及生命的疾病中康复时，必须向主献上赞美与感恩。

请看《以赛亚书》38 章 18 至 20 节：“原来阴间不能称谢你，死亡不能颂扬你；下坑的人不能盼望你的诚实。只有活人，活人必称谢你，像我今日称谢你一样；父亲必使儿女知道你的诚实。耶和华肯救我，所以我们要一生一世在耶和华的殿中，用丝弦的乐器唱我的诗歌。”在这里，希西家表达了因脱离病痛而有机会赞美神的感激之情（朴允善）。希西家献上赞美，是出于对神信实的恩典与慈爱的感恩，因为他已蒙拯救脱离了罪。一个亲身经

历过神这种信实救赎恩典的信徒，必然会向神献上赞美与感恩。我祈愿你我都能像希西家一样，经历神的救赎恩典，并怀着感恩的心向祂献上赞美。

当离世之时临近

“耶和华对摩西说：‘你离世的日子临近了，要召约书亚来，你们二人站在会幕里，好叫我嘱咐他。’于是摩西和约书亚去站在会幕里”（申命记 31:14）。

不久后，我将去参加一位教会女执事（*kwonsa*）的葬礼。听说她饱受慢性病折磨多年后，安详地离世了。特别令人痛心的是，她的丈夫——一位教会长老——一直对她悉心照料，情深意切。他们的女婿形容这种照料是真正的“因爱而生的劳苦”（帖撒罗尼迦前书 1:3）。然而，就在这位长老参加完一场婚礼回到家后，却发现妻子已在睡梦中离世。我简直无法想象他此刻的心情。得知她去世的消息，昨晚看着熟睡中的妻子，我不禁思绪万千。妻子近来身体不适，她实在太疲惫了，以至于我进屋、开灯、看书，她都浑然不觉，依然熟睡。看着她的睡容，我不由得设想：如果她先我一步离去，我会是怎样的心情？至亲离世确实难以接受，那是一种深沉且难以抚平的悲伤。在今天的经文——申命记 31:14——

中，我们看到神对摩西说：“你离世的日子临近了。”因此，神吩咐摩西带约书亚去会幕，因为神有话要嘱咐约书亚（第 14 节）。默想这段经文时，我思考了摩西在生命尽头时的心境。他深知自己将无法进入迦南——

那片他魂牵梦绕的应许之地；他也预见到，自己死后，以色列百姓将会变得败坏。他知道他们会偏离神所吩咐的道路，行神所禁止的恶事，从而惹动神的怒气（第 29 节）。他之所以知道这一切，是因为神曾告诉他：“.....你必与你列祖同睡。这百姓要起来，在他们所要去的地上，在别神面前行邪淫，离弃我，背弃我与他们所立的约。那时，我的怒气必向他们发作，我也必离弃他们，掩面不顾他们，以致他们被吞灭，并有许多的祸患灾难临到他们。那日他们必说：‘这些祸患临到我们，岂不是因我们的神不在我们中间吗？’那时，因他们偏向别神所行的一切恶，我必定掩面不顾他们”（16—

18 节）。摩西预见到，以色列人一旦进入迦南地——“吃得饱足、身体发胖”之后——便会背离神、离弃神，去追随当地的外邦神，与它们立约，并犯下种种恶行（申命记 31:20,

15）。他深知，结果神必向他们发怒，离弃他们，掩面不顾他们，并降下无数的灾祸与苦难。因此，摩西对以色列百姓说：“我知道你们是悖逆的，是硬着颈项的。我今日还活着与你们同在，你们尚且悖逆耶和华，何况我死后呢？”（31:27）。摩西知道，在他死后，以色列人必会败坏，偏离他所吩咐的道路，行耶和华眼中看为恶的事——

从而惹动神的怒气，在日后的日子里招致灾祸（31:29）。深知这一切的摩西，在面对即将到来的死亡时，内心究竟是怎样的心情？

当有信仰的父母临近离世之时，他们会有怎样的感受？尤其是当他们知道子女的信仰并不坚定——仅仅是在父母的压力下才去教会、装作过信仰生活——并且意识到一旦自己去世，子女很可能会彻底离开教会，过上世俗的生活时，他们又作何感想？他们真能安然离世吗？在这种情况下，身为父母，我们又能做什么呢？我们必须凭信心仰望那位信实守约的真神，并向祂恳切祈求。神必怜恤我们的儿女（32:36）。当我们的儿女因神那充满慈爱的管教所带来的艰难困苦，以致一无所有（36 节）并濒临跌倒（35 节）时，神必怜恤他们（36 节）。此外，神必为我们的儿女施行救赎（43 节）。因此，我们的儿女——即主的子民——必将欢呼喜乐（43 节）。我祈求神赐予我们智慧，使我们能领悟这一真理，并洞察儿女最终的归宿（29 节）。

即便身处生死关头，为何仍要向神献上感恩？

[诗篇 23 篇]

此时正值周日傍晚。窗外传来阵阵雨声——

那是我钟爱的声音。我正身处牧师办公室，在今天联合感恩主日崇拜上宣讲了《诗篇》23 篇的信息之后（这篇信息我曾于上周五与已故的安德一传道分享过），此刻正积蓄力量写下这些感悟。早些时候，我仅记下了默想的主题——

“即便身处生死关头，为何仍要向神献上感恩？”——

却未曾真正写下具体的反思内容。然而，如今我重获力量，独自坐在电脑前，伴着雨声，将这些关于神话语的思考记录下来。我这样做有三个原因：首先，为了不忘记神借着已故安德一传道的生死经历所教导我的三个功课；其次，为了纪念他；最后，为了与大家分享这些感悟。

上周五，我收到安传道女儿发来的 KakaoTalk 信息，她问道：“牧师，您能来医院一趟吗？看来我父亲时日无多了。”我匆忙赶往他所在的医院。他已从二楼的重症监护室转入一楼的安宁疗护（临终关怀）病房，正躺在病床上。他的妻子（一位资深女执事）、女儿以及从韩国赶来的妹妹都在病房陪伴着他。我走到床边，向神献上赞美。当时，他意识依然

清醒；他听得懂我说的每一句话，并点头回应。于是，在向神献上赞美并为这位传道人诵读《诗篇》23 篇之后，我对他说了三句勉励的话。

第一，我鼓励他向神告白：“我的杯满溢。”

请看今天的经文，《诗篇》23 篇 5 节：“在我敌人面前，你为我摆设筵席；你用油脂了我的头，使我的福杯满溢。”当安（Ahn）传道人躺在临终关怀病床上时——

他戴着全脸氧气面罩，接受着各种药物治疗，想必承受着巨大的痛苦——

我鼓励他回首自己七八十载的人生旅程。我劝勉他思想神在这一路走来所赐予他的丰盛恩典。我祈祷在这样的境况下，他的心中能涌流出神所彰显的浩大而丰富的恩典；愿他能像诗人戴维那样告白：“我杯中的福分满溢。”

其次，我鼓励他向神告白：“我必不致缺乏。”

请看今天的经文——

《诗篇》23 篇 1 节：“耶和华是我的牧者，我必不致缺乏。”我向安传道人解释道，在希伯来语原文中，《诗篇》23 篇 1 节的意思是：“我一无所缺，因为神是我的牧者。”随后，我向这位传道人分享了一段经历：去年六月，我在韩国休假期间，曾前往安放已故朴真英（Park Jin-young）姊妹骨灰的灵骨堂——

我曾于书岬（Seohyun）教会与她相识。在那里，我与她的姐姐、弟弟以及钟美（Jong-

mi) 姊妹一同敬拜神，并分享了同样的信息。痛失挚爱之后，人怎能敬拜神并告白“我必不致缺乏”呢？原因很简单，因为神是我们的牧者。通过已故的安德一 (Ahn Deok-il) 传道人，我领悟了一个真理，这真理也回荡在赞美诗《救主引领我全程》(All the Way My Savior Leads Me) 的歌词中——特别是那一句：“纵然历经艰难，祂仍赐我充足恩典。”神确实在安传道人艰难的时刻赐予了他充足的恩典；我既已窥见这恩典，便希望能与他一同告白——

正如诗人戴维所做的那样——

“我一无所缺，因耶和华是我的牧者。”最重要的是，唯有主是我们满足的源泉，因此我祈祷我们能像使徒保罗那样，学会知足的秘诀（《腓立比书》4 章 11-12 节），无论在何种境况下，都能告白“我一无所缺”。第三，也是最后一点，我鼓励这位传道人向神宣告：“我且要住在耶和华的殿中，直到永远。”

请看今天的经文——

《诗篇》23 篇 6 节：“我一生一世必有恩惠慈爱随着我；我且要住在耶和华的殿中，直到永远。”当安 (Ahn) 传道人躺在安宁疗护病房时，我反复劝勉他，要将目光单单定睛于主——我们真正的盼望——

并仰望那不再有痛苦的永恒天国。我为他诵读了《诗篇》27 篇 4 节，这节经文启发了我最喜爱的英语福音歌曲之一《我只求一件事》(One Thing I Ask)：“有一件事，我曾求耶和华，我仍要寻求：就是一生一世住在耶和华的殿中，瞻仰他的荣美，在他的殿里求问。”读完这段经文后，我鼓励他向主祈求那唯一的一件事：住在神的

殿中，瞻仰并渴慕祂的荣美。因此，即便他正处于生死交界之际，我仍祷告他能靠着那与他同在之神的恩惠与慈爱，在心中发出像诗人大卫那样的宣告：“我且要住在耶和华的殿中，直到永远。”

写到这里，我发现窗外的雨声已渐渐停歇。回首那一天——2016 年的感恩节主日——

我记得自己与胜利长老会 (Victory Presbyterian

Church) 三个事工群体 (韩语、英语和西班牙语) 中亲爱的会众一同怀着感恩的心敬拜

。在逝者家属面前，我向会众分享了就在上周五我与安德一 (Ahn Duk-

il) 传道人分享的那三个功课。就在此之前，西班牙语会众刚刚举行了自己的崇拜并共进

午餐，随后离开了教会。独自坐在教会牧师办公室里，怀念着敬爱的安 (Ahn) 传道人，

我再次默想并写下了《诗篇》第 23 篇的经文。我祈愿自己能像已故的安德一 (Ahn Deok-

il) 传道人那样，即便在面临生死抉择的关头，也能凭藉神赐予我生命的丰盛恩典，坚定

地宣告自己的信仰：因主是我的好牧人，我能确信“我杯中满溢”、“我必不致缺乏”；因神

的恩惠与慈爱必伴随我一生，我能确信“我且要住在耶和华的殿中，直到永远”。



他们将息了自己的劳苦。

“我听见从天空上有声音说：‘你要写下：从今以后，在主里面而死的人有福了！’圣灵说：‘是的，他们息了自己的劳苦，作工的果效也随着他们’”（启示录 14:13）。

昨天（周四）上午，我探访了一家安宁疗护机构，我们区会的一位牧师正住在那里。抵达后，我发现区会的一位前任主席和两位女士已经在场；在走廊独自等候时，我写下了这些话：“岁末之际，我来到这家收治了我们区会一位牧师的医院——

确切地说是安宁疗护机构。在总结这一年时，我不由得思考起自己生命的终局。每当想到自己的死亡，我便不禁想到将要与挚爱的家人、会众、朋友、同工以及许多基督里的弟兄姊妹暂时分别。然而，我并不惧怕死亡本身。我更惧怕的是将来站在主面前交账时，却无法得到祂的称许。”随后，那位前任主席走出病房，我向他问候，接着便进去探望那位正饱受病痛折磨的牧师。我得知在场的两位女士中，有一位是牧师的母亲；向她问候后，我们谈起了这位牧师。交谈中，她分享了许多关于他在宣教工场服事的往事。听她讲述那些

亲眼见证的经历——关于她探访在宣教工场服事的儿子时的点点滴滴——

真是一件乐事。得知主如何宝贵地使用他去传扬神的话语并向众人传递恩典，我心中既充满喜乐又满怀感恩。交谈结束后，我走到牧师床前，握着他的手为他祷告，随后便径直前往停车场，准备返回教会。然而过了一段时间，我从父亲那里得知了一个消息：金师母——也就是那位我一直视如祖母般敬重的牧师夫人——

因胃癌去世了。我永远无法忘记她的丈夫，那位牧师；正是通过他，主引导我在教会的一次大学生活动中听到了关于《约翰福音》6章1至15节的信息。那次经历不仅让我得救，还让我领受了委身的呼召，最终促使我决定成为一名牧师。2002年那位牧师去世时，我曾带着妻子和三个孩子从韩国赶赴美国参加他的葬礼。如今，我却是在参加他妻子的葬礼。得知她病危时，我本想去见她最后一面，但她家的一位长者劝阻了我，解释说她当时身体极度虚弱；因此，我没能在她离世前见到她。

我不禁想起《诗篇》90篇10节的话：“我们一生的年日是七十岁，若是强壮可到八十岁；但其中所矜夸的不过是劳苦愁烦，转眼成空，我们便如飞而去。”诚然，这个世界充满了劳苦与愁烦——

死亡的阴影笼罩其间，我们不得不日夜劳作。然而，纵观今日《启示录》14章13节的经文，圣经告诉我们，他们将止息劳苦，得享安息。“他们”是指谁呢？就是那些“在主里而死的人”（第13节）。圣经宣告，在主里而死的人是有福的（第13节）。经上说，他们

死后将止息劳苦，得享安息。那么，这些在主里而死、如今已从劳苦中安息的人，在世时是怎样生活的呢？换言之，他们是怎样的人？我想简要地从五个方面来探讨：

第一，他们是纯洁的。

请看《启示录》14 章 4 节的前半部分：“这些人未曾沾染妇女，他们原是童身”[（韩语现代译本）“这些人保持了纯洁，未曾沾染妇女.....”]。这里所说的“这些人”，是指从地上被救赎出来的十四万四千名圣徒（第 3 节）——即那些在世俗之道的强大诱惑（据朴允善解释，这象征着“妇女”）中保持纯洁、未曾玷污自己的人（第 4 节）。正如贞洁的新娘为迎接新郎而持守纯洁一样，这些纯洁的人——代表作为新娘的教会——保持贞洁、不受玷污，拒绝侍奉世界或罪恶，以此来迎接他们的新郎耶稣（朴允善）。因此，教会必须是纯洁的。教会必须建立成为荣耀的教会——圣洁无瑕，没有斑点或皱纹（以弗所书 5:27）。

第二，他们是无论主引领何处都跟随主的人。

请看《启示录》14 章 4 节的中间部分：“.....他们无论往哪里去，都跟随羔羊.....”[（韩国现代语译本）“他们无论往哪里去，都跟随羔羊”]。所谓“无论主引领何处”，意味着行进的方向并未预先向跟随者显明。即使前路看似充满不确定性，这些从地上被救赎出

来的纯洁圣徒仍顺服那位作为“羔羊”的主（朴允善）。亚伯拉罕正是展现了这种忠信行动的人。圣经《希伯来书》11章8节记载道：“亚伯拉罕因着信，顺服了神的呼召，前往神应许赐给他的地方。他出发时，甚至不知道自己要去哪里”（韩国现代语译本）。因此，纯洁的教会必须顺服主（“羔羊”）——即教会之首——的引领。当主呼召教会时，教会必须跟随祂去往祂引领的任何地方，并与祂同行（新赞美诗第324首《耶稣呼召我》副歌）。

第三，他们属于神和主。

请看《启示录》14章4节的后半部分：“.....他们是从人间买来的，作神和羔羊的初熟的果子”[（韩国现代语译本）“这些人是从人间买来，并作为初熟的果子献给神和羔羊的”]。那“从地上买来的十四万四千人”（第3节）是指那些不跟随敌基督（即“兽”），而是无论羔羊——即主——

往哪里去，都紧紧跟随祂的人。此外，与那些跟随敌基督的众人不同，这些圣徒的额头上写着耶稣的名和神的名（第1节）。这象征着他们是属神的，并处于神的保护之下（朴允善）。换言之，他们是属于神和主的（第4节）。教会不属于这个世界；相反，主已将教会从世界中拣选出来（《约翰福音》15:19）。因此，教会属于神和主。它是神的教会（《哥林多前书》10:32；《哥林多后书》1:1；《提摩太前书》3:5），也是主的教会（《马太福音》16:18）。

第四，他们是不说谎且没有瑕疵的人。

请看《启示录》14 章 5 节：“他们是不说谎且没有瑕疵的人”（韩国现代语译本）[（韩国修订版）“在他们口中察不出谎言来；他们是没有瑕疵的”]。说谎的人是指那些否认耶稣是基督的人——即否认父神和子耶稣的敌基督者（《约翰一书》2:22）。他们是属于魔鬼——谎言之父——

的撒谎者（《约翰福音》8:44）。然而，那些因耶稣在十字架上流血而蒙救赎（得救）的圣徒，是属于神和主的。因此，他们不说谎（《启示录》14:5）。使徒保罗作为忠实的见证人，也没有撒谎（箴言 14:5；哥林多后书

11:31）。教会作为忠实见证人的群体，也绝不可撒谎。信奉基督福音的圣徒必须诚实。

此外，信靠耶稣的圣徒必须是无瑕疵的。这并非指那些从未犯过任何罪的“无罪之人”，而是指那些因耶稣在十字架上的死而蒙受罪得赦免，并因祂的复活而被称义的人（罗马书 4:25）。换言之，所谓“没有过失”的人，是指在神面前被视为无可指责的人（朴允善）。

教会借着神的恩典以及耶稣基督的死与复活，已蒙罪得赦并被称义。在神眼中，教会是由那些没有过失的人组成的。一个没有过失的教会，无论在神面前还是在人面前，都必须诚实，远离虚谎。

最后，第五点是：他们是遵守神诫命并持守对耶稣之信心的人。

请看启示录

14:12：“圣徒的忍耐就在此；守神诫命和耶稣真道的，就是这些人”[（韩语现代译本）“因此，在这样的时刻，那些遵守神诫命并忠实信靠耶稣的圣徒需要忍耐”]。这就是圣徒的忍

耐与信心所在（13:10）。尽管那“古蛇，就是魔鬼”或“撒旦”（9:9）——

即那迷惑普天下（12:9）且是“控告我们弟兄的”（10:10）——

因知道自己时候不多而大发烈怒来到我们中间（12:12），并像“吼叫的狮子，遍地游行，寻找可吞吃的人”（彼得前书 5:8）那样肆虐，但圣徒们——即便身处此境——

仍遵守神的诫命（启示录 12:17,

14:12），持守耶稣的见证（12:17），并坚守对耶稣的信心（14:12）。他们靠着羔羊的

血和自己所见证的道胜过了撒但，并且不爱惜自己的性命，甚至不惜一死（12:11）。因

此，他们正如使徒保罗那样，打过美好的仗，跑尽了当跑的路，守住了所信的道，深信“

有公义的冠冕为我存留，就是按着公义审判的主到了那日要赐给我的”（提摩太后书 4:7-8）。

在主里面而死的人有福了；凡信靠主而离世的人是有福的。他们是纯洁的，无论主引领往何处，他们都紧紧跟随；他们属于神，也属于主；他们口中没有谎言，身上没有瑕疵；他们持守神的诫命以及对耶稣的信心，直到生命终结。当他们离世时，便止息了劳苦，在永恒的家乡得享永远的安息。

“我已仰望天家，靠近祂，渴望安息在父荣耀的居所；我虽不配，祂仍必接纳我——

因为那荣耀国度的君王是我们的救主耶稣。”

（《新圣诗集》第 493 首，“通往天堂的光明之路”，第 3 节）

我希望能安详地闭上双眼。

“我必使你归到你列祖那里，平平安安地归到坟墓；我所降与这地的一切灾祸，你也不致亲眼看见。”于是，他们将这话回复了王（《列王纪下》22:20）。

在你离世之前，你希望看到什么？又有什么是你绝对不愿看到的呢？在我离世之前，我希望能亲眼见证神的荣耀，看到那些我为之代祷、垂死挣扎的灵魂得救。然而，我绝对不愿在离世前看到的是神将愤怒倾倒在的孩子身上。当然，我确实已经目睹过一件我绝不愿看到的事：我的孩子死在我的怀里。但神也让我见证了迪伦（Dylan）、耶里（Yeri）和艺恩（Yeeun）的降生——

他们是爱与恩典的礼物。我记得曾与妻子谈论过某人的离世，当时我说：“他能在没看到这些事之前就去世，真是一种福气。”这是因为在他去世后，他的女婿才犯下罪行、入狱服刑，并最终与他的女儿离了婚。哪位父母愿意看到自己的孩子遭遇这些事呢？今天的经文——《列王纪下》22:20——

记录了女先知户勒大（《列王纪下》22:14）传达给约西亚王所派代表团的的神的话语。该代

表团成员包括祭司希勒家、沙番的儿子亚希甘、米该亚的儿子亚革波、书记官沙番以及王的侍从亚撒雅（第 12 节）。这是神给予的应许：神将免去约西亚王亲眼目睹祂计划降于犹大的灾祸，让他得以归到列祖那里，平平安安地进入坟墓。这无疑是一个充满祝福的信息。约西亚王为何能从神那里得到这份祝福呢？因为他是一位完全遵行摩西律法、尽心、尽性、尽力归向耶和华的君王（23:25）。当约西亚王得知——

通过大祭司希勒家在耶和华殿中发现的律法书（22:8）——

那即将降临的灾祸（16 节）时，他撕裂了衣服（11 节）。这灾祸之所以注定降临，是因为犹大百姓的祖先既未听从书中的话，也未遵行书中的记载，从而激起了神的烈怒（13 节）。听到律法书中记载的神的烈怒与咒诅之言，他心怀谦卑与敬畏；他在神面前自卑，撕裂衣服，痛哭流涕（19 节）。随后，他召集了犹大和耶路撒冷所有的长老（23:1），并大声宣读——

好让犹大百姓、耶路撒冷居民、祭司、先知以及聚集在耶和华殿中的所有人都能听见——

那在耶和华殿中发现的“约书”上的每一个字（2 节）。接着，他在神面前立约，承诺全心全意顺服神，并谨守遵行祂的诫命、法度和律例（3 节）。此后，约西亚王推行了宗教改革，除去了犹大地所有的偶像（4 节及以下）。然而，神并未收回祂向犹大所发的烈怒（26 节）。原因在于约西亚王的祖父玛拿西所做的一切激怒神的事（26 节）。不过，神应许不在约西亚王有生之年倾倒那全部的烈怒，并向他保证他将平安离世（22:20）。这是何等宝贵的祝福啊！

没有人愿意在自己离世前看到神的烈怒降临在家人身上；没有人愿意在自己去世前目睹家人的灵魂走向灭亡。若明知神的烈怒已降临在家人身上、他们的灵魂已然灭亡，我们怎能忍心闭目离世呢？然而，父神却眼看着祂的独生子耶稣，独自承受那沉重的烈怒，并被钉在十字架——那受咒诅的木头上——

而死。父神为何要这样做呢？这是因为祂渴望拯救你我的灵魂。究其原因，乃是神深爱着我们——你和我——

以至于祂让自己的独生子在十字架上受死。既已认识并日益深切地体验了神这般长阔高深的爱，我们又当如何生活呢？我们应当像约西亚王那样，全心全意、竭尽全力地遵行神的一切话语。特别是，我们要撕裂心肠归向神——

不仅要为神的话语所显明的罪而痛悔，也要为我们的祖先、亲族、信徒同伴以及我们自己的罪而哀伤（参《约珥书》2:13）。我们必须痛哭悔改，归向父神。此外，我们还要除掉自己家族、亲属及信徒同伴身上的一切罪恶。当我们这样做时，便不会遭遇神的忿怒，也不会遭受本可能临到我们的咒诅与灾祸。当我们这样做时，神必赐予我们平安的结局。我祈愿这样的祝福临到你们的家庭与生命之中。

不再有死亡。

“神要擦去他们一切的眼泪；不再有死亡，也不再有悲哀、哭号、疼痛，因为以前的事都过去了”（启示录 21:4）。

圣经《传道书》7 章 2 节说：“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去；因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上”[（韩语现代译本）“去丧家比去宴乐之家更好。既然人人都难免一死，活着的时候把这一点铭记在心是明智的”]。正如这些话所言，我们注定都要面对死亡。因此，趁着活着，我们必须铭记这一事实，并认真思考该如何度过余生。

已故的崔粉南（Choi Bun-nam）女士生前经历了四位至亲离世的痛苦。她不仅要送别深爱的丈夫，还要面对六个子女中三个先于她离世的悲痛。那一幕至今仍历历在目：我记得当她发现与自己同住的儿子在客厅去世时，那种痛哭失声的情景。此后，每逢周日来教会，她常常不禁落泪。人们不难想象她内心深处那份巨大的悲痛与哀伤。正因如此，每当我想到已故的崔粉南女士，脑

海中总会浮现出《启示录》21 章 4 节的话语：“神要擦去他们一切的眼泪；不再有死亡，也不再有悲哀、哭号、疼痛，因为以前的事都过去了”（韩语现代译本）。我曾去探望过已故的崔粉南执事，当时我们在她家的餐桌旁坐下交谈。那时她正受病痛折磨，食欲不振，难以正常进食。我向她讲述了《启示录》21 章 4 节所描述的天国：“奶奶，在天堂里，没有眼泪，没有痛苦，没有悲伤，也不再有死亡。奶奶，您想去天堂吗？”听到这话，她说：“我想去天堂。”听到她的回答，我问了她最重要的问题：“奶奶，您相信耶稣，对吗？”她回答说：“我相信。”

就在上周一上午 9 点，她的子女、亲属以及几位教会同工聚集在圣文森特医院（St. Vincent Hospital）的重症监护室——她当时正躺在那里——为她举行了临终仪式。尽管前一天她还无法睁开眼睛，但在那天的仪式上，她睁开了眼并认出了我们。我对此深感感恩。仪式结束后，我对她说：“我爱您。”虽然她当时一定承受着巨大的痛苦，但她还是点头回应了我。后来我得知，当我的妻子问她“奶奶，您想去天堂吗？”时，她也曾点头表示愿意。已故的崔本南（Choi Bun-nam）老人家在世八十多年间，历经了巨大的痛苦、磨难、悲伤与泪水——包括痛失挚爱的丈夫和三个孩子——

但如今她已脱离了这一切。在她如此向往的天国里，她不再需要经历痛苦、磨难、悲伤或泪水。主已擦去了她眼中的每一滴泪水。如今，她将在天堂与主永远同在。她再也不必承受亲人离世的痛苦，也不必再面对死亡。尽管仪式结束后她的遗体将被火化，但我们相信，在她离世的那一刻，她的灵魂已升入天堂。当耶稣重返人间、末后的号角响彻世界之时

(《哥林多前书》15 章 51 节)，她的灵魂与身体将重新结合并瞬间改变。她将披戴属灵而荣耀的身体——

一个不朽坏、不死的身體 (53 节)。因此，我们不像那些没有指望的人那样忧伤 (帖撒罗尼迦前书

4:13)。既然我们相信耶稣死了又复活了 (第 14 节)，我们就知道，当祂从天降临到地上时，那些在基督里死了的人必先复活 (第 16 节)。此后，我们这些还活着的人将与他们一同被提到云里，在空中与主相遇 (第 17 节)。这样，我们就要在天国里永远与主同在 (第 17 节)。我祈愿痛失亲人的家属以及在座的各位，都能持守这份盼望，信靠耶稣，并向着那崇高的天国奋力前行。

1. 日复一日，向着那崇高之处奋力前行，

我倾注全心全意，每日虔诚祈祷。

2. 虽身处这充满苦难与罪恶之地，

我仍每日仰望那光辉灿烂、崇高的境界。

3. 在那里，疑虑的迷雾已消散，忧愁的云影已远去，

唯有那里，才有真正的喜乐与平安。

4. 在这崎岖陡峭的道路上艰难前行，

我再次祈祷：“主啊，求祢引领我。”

5. 跟随主向上攀登，屹立于那崇高之处，

我将享受永恒的福乐，高唱喜乐之歌。

[副歌]

主啊，求祢保守我的心，使我常在那地，

那里光与爱永远充盈。

<新圣诗第 491 首，《向着崇高之处奋力前行》>



若死人不复活，会怎样？

[哥林多前书 15:12–20]

自 2015 年伊始，我们教会的韩语事工部已为两位成员举行了安息礼拜。我们于 1 月（15 日至 16 日）为已故的崔本南（Choi Bun-nam）执事，以及上个月（3 月 26 日至 27 日）为已故的任奉熙（Im Bong-hee）执事举行了安息礼拜。尽管新年伊始不过三个月，我们却已送别了两位姊妹。这两位姊妹都深爱着我们的“胜利长老会”（Victory Presbyterian Church）。在健康状况恶化之前，她们一直坚持参加教会聚会并敬拜神。其中一位姊妹即便在有条件去别处聚会的情况下，仍坚持只来我们教会；另一位则以极大的热忱服事教会。关于那位在医院重症监护室参加最后一次敬拜的姊妹，我记得曾亲口对她说：“我爱您，奶奶”，并看到她注视着我，点头回应。至于另一位姊妹，我过去探望她所居住的疗养院时，常会亲吻她的额头。在安息礼拜上，我向家属及亲友证道时，分享了今日经文——哥林多前书 15 章 19 节——中的话语：“我们若靠基督只在今生有指望，就算比众人更可怜。”我以此经文为核心，传

达了这样一个信息：若死人不复活，世上便没有比我们基督徒更可怜的人了。朋友们，如果死人不复活，我们就是这世上最可怜的人。这是为什么呢？圣经指出了四个原因：

第一个原因是：如果死人不复活，那么基督也就没有复活。

请看今天的经文，哥林多前书 15 章 13 节和 16 节：“若没有死人复活的事，基督也就没有复活了……若死人复活不起来，基督也就没有复活了。”你相信这真理——

即耶稣死在十字架上，并在三天后从坟墓中复活的事实吗？《哥林多前书》15 章 3 至 4 节清楚地指出：“我当日所领受又传给你们的，第一就是：基督照圣经所说，为我们的罪死了，而且埋葬了，又照圣经所说，第三天复活了。”圣经明确宣告，耶稣基督“为我们的罪死了，被埋葬，并且照圣经所说在第三天复活了”。作为相信这一真理的人，我们也必须相信：正因为耶稣复活了，我们这些相信祂复活的人，也必将从死里复活。其原因在于，耶稣的复活实际上就是我们自己的复活。换言之，因为耶稣基督从死里复活了，我们这些信祂的基督徒也必将从死里复活。请看《罗马书》8 章 11 节：“叫耶稣从死里复活者的灵若住在你们心里，那叫基督从死里复活的，也必借着住在你们心里的圣灵，使你们必死的身体又活过来。”圣经清楚表明，如果圣灵——即那叫耶稣从死里复活的神的灵——住在我们里面，神就必赐生命给我们必死的身体，正如祂借着圣灵叫基督复活一样。我们相信这一真理。

今天，耶稣向你我提出了这样一个问题：“复活在我，生命也在我。信我的人虽然死了，也必复活；凡活着信我的人必永远不死。你信这话吗？”（《约翰福音》11 章 25-26 节）。

第二个原因是，如果没有死人复活——即如果基督没有复活——

那么我们的传道和我们的信心就都是徒然的。

请看今天的经文，《哥林多前书》15 章 14 节及 17 节前半部分：“若基督没有复活，我们所传的便是枉然，你们所信的也是枉然……基督若没有复活，你们的信便是徒然……”我们所信并传扬的耶稣基督的福音是真实的。这真实的福音就是：基督照圣经所说，为我们的罪死了，埋葬了，并且在第三天复活了（第 3-

4 节）。然而，如果没有死人复活这回事，那就意味着基督没有从坟墓中复活；如此一来，我们所信并传扬的耶稣基督的福音也就必然是徒然的了。我们怎能去信靠并传讲一位没有从死里复活的耶稣呢？还有什么比这样的信仰和传道更徒劳无益的呢？那将是虚假的信仰和虚假的传扬。简而言之，我们将成为为神作假见证的人（第 15 节）。

然而，我们所信的耶稣，正是那位“复活与生命”的主（约翰福音

11:25）。我们的耶稣曾被钉十字架、埋葬在坟墓里，并在第三天复活了。我们是信靠耶稣基督之死与复活的人，也是传扬祂真实福音的神的见证人。请看《使徒行传》1 章 8 节：“但圣灵降临在你们身上，你们就必得着能力，并要在耶路撒冷、犹太全地和撒马利亚，直到地极，作我的见证。”我们是耶稣基督的见证人。你我这些信靠耶稣基督之死与复

活的人，正是传扬福音——即耶稣基督之好消息——

的人。我们所传的福音是真实的，我们的信仰也是真实的。这是因为神借着圣灵叫基督耶稣从死里复活了。既然那叫耶稣从死里复活的同一位圣灵住在我们里面，我们就必须靠着那灵的大能，去信靠并传扬耶稣的死与复活。

第三个理由是，如果没有死人复活——也就是说基督没有复活——

那么我们就仍处于罪中。

请看今天经文中《哥林多前书》15 章 17 节的后半部分：“.....你们仍旧在罪里。”耶稣照圣经所说，为我们的罪死了（第 3 节）。换言之，祂担当了我们所有的罪，并被钉在十字架上，以此赦免了我们的罪。罗马书

4 章 25 节说：“耶稣被交给人，是为我们的过犯；复活，是为叫我们称义。”我们借着耶稣的死得蒙赦罪，借着祂的复活得称为义；若没有复活，我们就无法称义，必将继续陷在罪中。结果，正如耶稣所言，我们将“死在罪中”（约翰福音

8 章 21 节）。若没有复活，我们仍会陷在罪里，面临无可避免的永恒灵性死亡。如果耶稣没有从死里复活，无论是今生还是永恒，都不会有赦罪、救恩、和好或灵性生命。

然而，我们已不再陷于罪中。这是因为借着耶稣在十字架上的死与祂的复活，我们已经得蒙赦免并被称为义了。请看罗马书

5 章 9 节：“现在我们既靠着他的血称义，就更要借着祂免去神的忿怒！”

第四个也是最后一个理由是：如果没有死人复活——也就是说基督没有复活——那么那些“睡了”（即已去世）的人也就灭亡了。

请看今天的经文，即《哥林多前书》15 章 18 节：“那么，在基督里睡了的人也就灭亡了。”这是什么意思呢？这意味着，如果没有死人复活，旧约时代所有的圣徒和所有的基督徒都会灭亡。原因在于，他们的信心将归于徒劳；由于他们仍处于罪中，其结局将是永恒的刑罚，注定要遭受永远的痛苦。然而，耶稣基督已经从死里复活了。因此，那些在基督里去世的人并没有面临永恒的刑罚或痛苦。相反，因着领受了耶稣所应许的永生（《约翰福音》10:28），他们没有灭亡，而是要在天国里与主永远同活。

然而，圣经清楚地宣告了这一真理。请看今天的经文，即《哥林多前书》15 章 20 节：“但基督已经从死里复活，成为睡了之人初熟的果子。”正如圣经所言，耶稣基督确实从死里复活了。神借着圣灵使耶稣从死里复活；而这同一位圣灵，也住在我们这些信耶稣的人里面。在末日，神必借着住在我们里面的圣灵，使我们必死的身体活过来（《罗马书》8:11）。我们必将复活。当末次号角吹响时，我们将在转眼之间改变。我们不再披戴那软弱、必朽坏或易于犯罪的身体；我们将在瞬间改变，穿上那刚强、不朽坏且荣耀的身体。在末日，那些在主里睡了的人也将复活，披戴荣耀的灵性身体；我们将一同升入永恒的天国，与主永远同住（《帖撒罗尼迦前书》4:17）。我奉耶稣的名祷告，愿“得胜”（Victory）大家庭的每一位成员都能凭信心生活，坚守这复活与永生的盼望。

“他也必使你们必死的身体又活过来”

终有一天，我们都会离世（传道书 7:2）。我们由身体和灵组成（罗马书 8:10）。换言之，我们的身体是“必死的身体”（第 11 节）。我们的身体和灵之所以注定要面对死亡，是源于一个人——亚当——的罪，即原罪（5:12）。

然而，如果基督借着圣灵住在我们里面，尽管身体因罪而死，灵却是活的（8:10）。当我们离世时，身体归于尘土，灵却进入天堂。

基督耶稣从死里复活，成为睡了（离世）之人初熟的果子（哥林多前书 15:20）。耶稣复活了。正因为耶稣复活了，我们这些信祂的人——即“属基督的人”（第 23 节）——也必将复活，即便肉身已死。耶稣的复活就是我们的复活。

那叫耶稣从死里复活的神，也必借着圣灵使我们必死的身体又活过来（罗马书 8:11）。既然复活是三位一体神的工作（第 11

节)，我们就必将复活。当基督再来（哥林多前书 15:23）且末次号筒吹响时（第 52 节），我们将带着荣耀的身体复活，正如基督复活后的身体那样（腓立比书 3:21；约翰一书 3:2）。那么，作为信徒——既相信耶稣的复活，也相信自己未来的复活——我们应当如何生活呢？我们必须时刻竭力多做主工（哥林多前书 15:58）。

复活的盼望

[哥林多前书 15:51-58]

你相信耶稣已从死里复活了吗？

在今天的经文——哥林多前书 15 章 35

节中，哥林多教会提出了两个问题：“或有人问：‘死人怎样复活？带着什么身体来呢？’”

这两个问题分别是：(1) “死人怎样复活？”以及 (2)

“死人带着什么样的身体来？”今天，当我们默想使徒保罗对这两个问题的回答时，我祈愿我们都能充满复活的恩典与盼望。

哥林多前书 15 章向我们展示了复活盼望的两个方面：

首先，复活的盼望确证了我们“必将再次活过来！”（林前 15:35-41）。

节：“你所种的，若不死就不能生。”这节经文是保罗针对哥林多教会提出的第一个问题——“死人怎样复活？”——

所作的回答。保罗的意思是：正如播下的种子若不死就无法获得新生一样，我们若不先经历死亡，也就无法经历复活。你如何看待保罗的话？你相信人可以在不死的情况下再次活过来吗？保罗指出，除非我们穿过死亡之门，否则无法经历复活。请看哥林多前书 15 章 3-4

节：“.....基督照圣经所说，为我们的罪死了，而且埋葬了，又照圣经所说，第三天复活了。”“耶稣”照圣经所说“为我们的罪死在十字架上，并”照圣经所说“被埋葬且在第三天复活。这意味着什么呢？这意味着耶稣的死与复活，完全应验了圣经的预言。耶稣照圣经所说死而复活这一事实，赋予了我们永恒的盼望。这永恒的盼望在于：正如耶稣从死里复活一样，你我也必将从死里复活。复活的第二个盼望是，我们将“带着那属天者的形象”（哥林多前书 15:41-56）。

哥林多教会中出现了第二个问题：“死人是带着什么样的身体复活的呢？”保罗对这一问题的回答就在今天的经文——哥林多前书 15 章 42 至 44 节——之中：“死人复活也是这样：所种的是必朽坏的，复活的是不朽坏的；所种的是羞辱的，复活的是荣耀的；所种的是软弱的，复活的是强壮的；所种的是血气的身体，复活的是灵性的身体.....”圣经告诉我们，死人复活涉及一种转变：首先，必朽坏的身体复活成为不朽坏的；其次，羞辱中种下的身体在荣耀中复活；第三，软弱中种下的身体在能力中复活；

第四，血气的身体复活成为灵性的身体。简而言之，死人复活时所拥有的身体被称为“将来的身体”（第 37 节）。这个“将来的身体”并非人所播种的（第 37 节），而是神所赐予的——

是照着祂自己的旨意所赐的身体（第 38 节）。神按着祂的旨意要赐给我们的这个将来的“身体”究竟是什么呢？请看第 49 节：“我们既有属土之人的形状，将来也必有属天之人的形状。”我们注定要拥有的这个“属天之人的形状”是指什么呢？请看腓立比书

3 章 21 节：“他要按着那能叫万有归服自己的大能，将我们这卑贱的身体改变形状，和他自己荣耀的身体相似。”

因此，有一件事是我们热切期盼的。那是什么呢？就是“末次号筒”。请看哥林多前书 15 章 51 节：“我如今把一件奥秘的事告诉你们：我们不是都要睡觉，乃是都要改变——就在一霎时，眨眼之间，号筒末次吹响的时候。”我们等候那末次号角吹响，因为号角一响，我们便会瞬间改变。随着末次号角的响起，死人将穿上荣耀、属灵的身体，成为不朽坏、不死的（第 52—

53 节）。愿我们都持守这复活的盼望，向神献上感恩，在信仰上坚定不移，并更加全心全意地投入主的工作。

论那些睡了的人

[帖撒罗尼迦前书 4:13-21]

英国基督教报纸《今日基督徒》(Christian Today) 的专栏作家阿兰娜·弗朗西斯 (Alana Francis) 在题为《关于死后生命的 11 处圣经经文》的专栏文章中，强调了基督徒对死亡和来世持有正确理解的重要性。弗朗西斯指出，尽管许多人会谈论临终愿望和葬礼安排，而且死亡是我们终将面对的事，但我们大多数人并未真正做好准备——

无论是在实际层面还是在属灵层面。她进一步观察到，许多人将死亡视为一种阴郁的前景，而关于死后之事的讨论往往侧重于消极的后果。然而她指出：“对于基督徒而言，关于死亡有着一种截然不同、光明且充满希望的视角。虽然死亡可能标志着许多事物的终结，但它带给我们的将远超我们在世俗生活中所获得的。”弗朗西斯补充道：“作为基督徒，我们不仅确信死后有应许的生命，更确信将与神同享永生。当我们思考死亡——

面对终将离开亲人和朋友这一现实时——

难免会感到恐惧。然而，借着神的话语，我们可以找到极大的安慰。”她强调说：“死亡实际上通向永生，而更好地理解死亡是我们信仰旅程中至关重要的一部分。”

在今天的经文——

《帖撒罗尼迦前书》4 章 13 节中，使徒保罗写信给帖撒罗尼迦教会的信徒说：“弟兄们，论到睡了的人，我们不愿你们不知道，恐怕你们忧伤，像那些没有指望的人一样。”《现代韩语圣经》(Hyundai-inui

Seonggyeong) 是这样翻译的：“弟兄们，关于那些已经去世的人，我们不愿你们一无所知。否则，你们也会像那些没有指望的人一样忧伤。”比较这两个译本，《修订新韩语版》(GAE-YEOK-GAE-JEONG) 使用的是“论到睡了的人”，而《现代韩语版》(Hyundai-in-ui Seong-

gyeong) 使用的则是“关于那些已经去世的人”。在这两种译法中，“关于那些睡了的人”这一译法更准确地反映了希腊语原文的含义。然而，《现代人圣经》(Hyundai-in-ui Seong-gyeong) 之所以将其译为“关于那些已经去世的人”，是因为使徒保罗所使用的“睡了的人”这一短语，实际上指的就是已经去世的人。在《约翰福音》11 章 11 节中，耶稣知道祂所爱的拉撒路——此前曾患病 (第 3 节) ——

已经去世，便对门徒说：“我们的朋友拉撒路睡了。”门徒听后回答耶稣说：“主啊，如果他睡了，就会好起来的”(或如《现代人圣经》所译：“主啊，如果他在睡觉，他会康复的”)。他们之所以这样说，是因为尽管耶稣指的是拉撒路的死，门徒却以为祂是在说拉撒路正在睡觉休息 (第 13 节)。因此，耶稣“明说”(清楚地告诉) 门徒：“拉撒路死了”(第 13 节)。由此可见，圣经记载耶稣将死者称为“睡了的人”；除了耶稣之外，圣经中还有几位作者也以这种方式描述死者。我们在《使徒行传》作者路加笔下也看到了这种表达方式，见于《使徒行传》7 章 60 节：“他跪下，大声喊道：‘主啊，不要把这罪归在他们身上。’”

说完这话，他就睡了”（或如《现代人圣经》所译：“于是他跪下，大声说：‘主啊，不要把这罪归在他们身上。’……说完这话，他就断气了”）。使徒彼得也在《彼得后书》3 章 4 节中将死者称为“睡了的人”：“他们会说：‘主降临的应许在哪里呢？’”

“自从我们的祖先长眠以来，万物仍像创世之初那样”（彼得后书

3:4）。使徒保罗最常将死者描述为“睡了的人”。保罗不仅在今天的经文——

《帖撒罗尼迦前书》4 章 13 节——中这样说，而且在著名的“复活篇章”——

《哥林多前书》15 章（第 6、18 和 51 节）——

中也作了同样的表述：“此后，他一次显给五百多位弟兄看；

“他们大多数人仍然活着，尽管有些人已经长眠……那些在基督里长眠的人也将灭亡……看

哪，我告诉你们一个奥秘：我们并非都要长眠，但我们都要改变——

就在一刹那，眨眼之间，当末次号角吹响的时候”（哥林多前书 15:6, 18,

51）。保罗多次将死者描述为“长眠”的人。事实上，在今天的经文——帖撒罗尼迦前书

4:13——中，保罗称他们为“睡了的人”，但在第 16

节，他又称他们为“在基督里死了的人”。归根结底，使徒保罗在写给帖撒罗尼迦信徒的信

中，先是在第 9-12 节谈到了“弟兄相爱”，随后在眼前的这段经文（13-21

节）中谈到了“睡了的人”（即已经去世的人）。接着，在第 5 章 1-11

节，他向他们谈论了“日期和时候”——

具体来说，就是耶稣第二次降临的时间。那么，保罗为什么要写信给帖撒罗尼迦人谈论“

睡了的人”——

也就是那些已经去世的人呢？原因是为了确保他们不会“像那些没有指望的人一样忧伤”（

4:13b)。“那些没有指望的人”指的是世界上除了信靠耶稣的基督徒以外的所有人。换句话说，那些因死者而陷入绝望哀伤的人，就是世上所有不信靠耶稣的人。保罗希望避免他所爱的帖撒罗尼迦信徒，像那些缺乏指望的不信者一样，为那些在信心中离世的弟兄姊妹的死而哀伤。

不信靠耶稣的人说：“我们吃吃喝喝吧，因为明天我们要死了”（哥林多前书 15:32）。因此，就像洪水时期不信的外邦人一样，他们吃喝嫁娶（路加福音 17:27），安然度日，尽情享受。

（12:19）。原因在于他们认为死亡就是终结。换言之，由于不信者认定死亡是终局且不相信来世，他们只顾吃喝玩乐，结果在临终时却要面对绝望的悲伤（帖撒罗尼迦前书 4:13）。然而，对于信靠耶稣的基督徒而言，情况并非如此。也就是说，基督徒不应像那些没有指望的不信者那样悲伤。从今天经文的第 14 节开始，作者阐明了我们不应那样悲伤的理由。因此，我愿以帖撒罗尼迦前书 4:13–21 为中心，围绕“论到那些睡了的人”这一主题，探讨基督徒不应因主内亲人的离世而像不信者那样悲伤的两个理由，并借此领受神赐予我们的教导。

首先，基督徒不应因主内亲人的离世而像不信者那样悲伤，其原因在于我们相信耶稣已经死而复活。

请看今天经文的第一部分——

《帖撒罗尼迦前书》4 章 14 节：“我们若信耶稣死而复活了……”你是否相信这一真理：耶稣死在十字架上，并在三天后从坟墓中复活？还是说，你虽然相信耶稣的死，却无法相信祂已从死里复活？在哥林多教会的信徒中，曾有人声称死人复活的事是没有的（《哥林多前书》15 章 12 节）。如果死人没有复活，那么基督也不可能从死里复活（13、15、16 节）。如果基督没有复活，保罗所传的以及我们所传的福音便是徒然的，你们的信心也是徒然的（14、17 节）。此外，我们这些传扬耶稣基督福音——即祂在十字架上的死与复活——

的人，就会被视为作假见证抵挡神的人（15 节）。那些在基督里睡了（去世）的人也就灭亡了（18 节）。如果我们对基督的盼望仅限于今生，我们就是世上最可怜的人（19 节）。然而，《哥林多前书》15 章 20 节指出：“但基督已经从死里复活，成为睡了之人初熟的果子。”保罗向哥林多教会传讲的耶稣基督福音是：基督照着圣经所说为我们的罪而死并被埋葬，又照着圣经所说在第三天复活（3—

4 节）。保罗曾在犹太会堂里，连续三个安息日向帖撒罗尼迦人见证这耶稣基督的福音。

请看《使徒行传》17 章 1—

3 节：“保罗和西拉经过暗妃波里和亚波罗尼亚，来到帖撒罗尼迦，那里有一座犹太会堂。保罗照着惯例进了会堂，在安息日一连三个星期，引用圣经与众人辩论。他阐明基督必须受害并从死里复活，并见证说：‘我所传给你们这位耶稣，就是基督’”（《当代韩语译本》）。结果，“他们中间有些人信了，就附从保罗和西拉；又有许多虔诚的希腊人和不少尊贵的妇女也信了”（第 4 节）。正因如此，保罗在今天所读经文——

中说道：“我们相信耶稣已经死了，并且复活了”（《现代韩语译本》）。换言之，无论是写这封信的保罗，还是作为收信人的帖撒罗尼迦教会信徒，都相信耶稣已经死了并复活了。

因此，保罗劝勉帖撒罗尼迦的信徒，不要像那些不信主的人——

因不信耶稣的死与复活而毫无指望——

那样，为已经去世的人（圣徒）哀伤（第 13 节）。

在我们信耶稣之前，我们曾是世上没有指望的人。请看《以弗所书》2 章 12 节：“那时，你们与基督无关，在以色列国民以外，在应许的诸约上是局外人，并且活在世上没有指望，没有神”[（《现代韩语译本》）“那时，你们与基督没有关系，不是以色列公民，被排除在基于神应许的诸约之外，活在这个世界上既没有指望，也没有神”]。然而，我们这些曾经远离神的人，如今已在基督耶稣里，借着基督的血得以亲近神（第 13 节）。我们借着神的恩典，因信耶稣基督而蒙了拯救（第 8 节，《现代韩语译本》）。我们单单因着神的恩典，借着信耶稣——

即那位照圣经所说，为我们的罪而死、被埋葬、又在第三天复活的主（《哥林多前书》15

章

3-4

节）——

领受了神所赐的永生作为礼物（《罗马书》6 章 23 节）。因此，我们如今有了指望。这指望正是“我们身体得赎”（《罗马书》8 章 23 节）。当末次号筒吹响时，我们都要在一刹那间、在眨眼之间改变（《哥林多前书》15 章 51 节）。请看《哥林多前书》15 章 52-53 节：“当末次号角吹响时，眨眼之间，死人将复活成为不朽坏的生命，我们也都将改变

。这必朽坏的身体必须穿上不朽坏的身体，这必死的身體必須穿上不死的身體”(《当代韩语译本》)。因此，我们谨记《罗马书》8章24-

25 节的话语：“因为我们得救是在乎这盼望；只是所见的盼望不是盼望，谁还盼望他所见的呢？但我们若盼望那所不见的，就必忍耐等候。”

其次，我们基督徒之所以不应像非信徒那样，为我们亲爱的信徒同伴之死而悲伤，是因为神将把那些在耶稣里死去的人与祂一同带来。

请看今天经文中《帖撒罗尼迦前书》4 章 14 节的后半部分：“.....神必将那些在耶稣里睡了的人与祂一同带来”[(《当代韩语译本》)“所以我们相信，神必将那些信靠耶稣而死的人与祂一同带来”]。圣经指出，所见的盼望不是盼望(罗 8:24)。如果我们盼望那看不见的，就必须忍耐等候(25 节)。事实上，帖撒罗尼迦教会的信徒实践了“盼望的忍耐”——也就是说，他们在主耶稣基督里持守盼望(帖前 1:3)。换言之，帖撒罗尼迦信徒等候着那位从死里复活的神的儿子——耶稣——

从天降临(10 节)。在福音借着保罗、带着能力、圣灵和确信临到他们之前(5 节)——也就是在他们信耶稣之前——

帖撒罗尼迦教会的成员曾是拜偶像的人(9 节)。神爱这些拜偶像的人，拣选了他们(1:4)，并呼召他们进入祂的国度和荣耀(2:12)。因此，帖撒罗尼迦教会的信徒成了保罗的盼望、喜乐，以及在主耶稣降临时他引以为荣的冠冕(19-

20 节)。我们的盼望在于耶稣的再来；而这种盼望的持守，体现在为祂的再来祷告、期

盼与等候之中。你我是否真正拥有这种等候的心志呢？那些等候耶稣再来的信徒，不会像不信之人（即没有盼望的人）那样，为离世的圣徒而悲伤（5:13）。这是因为，等候并预备迎接主再来的信徒，确信耶稣已经死而复活（14节）。此外，他们之所以不悲伤，是因为相信神必将那些在耶稣里安睡（离世）的人与祂一同带来（14节）。简而言之，等候主再来的信徒在盼望中喜乐，在患难中忍耐（罗马书12:12）。对于帖撒罗尼迦的信徒而言，这种盼望的持守也意味着过圣洁的生活。使徒保罗视这些信徒为他的盼望、喜乐和夸口的冠冕；他为他们祷告，愿当我们的主耶稣同祂众圣徒降临时，他们在父神面前能成为圣洁、无可责备（3:13）。保罗之所以这样祷告，是因为“你们的圣洁”（4:2）正是神的旨意（3节）。既然神呼召他们并非要他们行污秽之事，而是要他们追求圣洁（7节），保罗便劝勉帖撒罗尼迦教会的信徒：要禁戒淫乱，懂得如何以圣洁和尊贵对待自己的妻子，并且不可像那些不认识神的外邦人那样放纵私欲（4:3-5）。

一个等候主第二次降临的信徒，其生活必然是圣洁的。如果我们切切祷告、热切盼望并耐心等候耶稣的再来，就必须按照神的旨意过圣洁的生活。保罗曾因记念帖撒罗尼迦信徒那坚定的盼望而献上感恩的祷告（1:2-3），而在今天的经文（4:13-14）中，他谈到了那些已经去世的信徒的问题。他希望确保信徒不会像那些没有盼望的不信者那样忧伤；相反，他向他们保证，正如神叫耶稣从死里复活一样，神也会将那些在主里去世的人与耶稣一同带来。这一陈述的前提是：当主亲自带着呼叫的声音、天使长的

声音和神的号角声从天降临时，那些在基督里去世的人将首先复活（第 16 节）。换言之，在主再来之时，那些在基督里去世的人将率先复活，随后神会把这些复活的圣徒与耶稣一同带回来。那么，耶稣为何要重返这个世界呢？请看约翰福音 14 章 1 至 3 节：“你们心里不要忧愁；你们信神，也当信我。在我父的家里有许多住处；若是没有，我就早已告诉你们了。我去原是为你们预备地方去。我若去为你们预备了地方，就必再来接你们到我那里去，我在哪里，叫你们也在那里。”耶稣重返这个世界的目的，是为了将神所救赎的儿女接到天上去。最后，使徒保罗向帖撒罗尼迦教会的信徒阐明：在耶稣再来时，那些在基督里去世的人将首先复活——由神与耶稣一同带回来（第 14 节）——而当时仍然活着的信徒将与他们一同被提到云里，在空中与主相遇（第 17 节）。此外，无论是那些从死里复活的人，还是那些存留直到主再来的人，都将与主一同在天上永远生活（第 17 节）。因此，保罗劝勉帖撒罗尼迦人要“用这些话彼此劝慰”（第 18 节）。当我们因痛失挚爱而沉浸在悲伤中时，让我们信靠神的应许：祂必将那些在主里安睡的人与耶稣一同带来。让我们相信，当主亲自从天降临，伴随着宏亮的号令、天使长的声音和神的号角声时，那些在基督里死去的人必先复活；而我们这些还活着的人，将瞬间改变，与他们一同被提到云里，在空中与主相遇。并且让我们相信，我们必将在天上与主永远同住。愿我们都能怀抱这确切而明晰的永恒盼望，彼此劝勉，以此生活。

我们不仅获应许在死后得享生命，更获保证能与神同享永生。每当我们思索死亡——面对终将与亲友离别的现实——

难免会感到恐惧。然而，我们在神的话语中找到极大的安慰。借着今天的经文，神告诉我们：作为基督徒，我们不应像不信主的人那样，为信徒同伴的离世而悲伤绝望。因为我们相信耶稣已经死而复活了；耶稣的复活，就是我们的复活。当主耶稣再来时，那些已经离世的圣徒必将复活，活着的圣徒也将瞬间改变；他们将一同被提到云里，在空中与主相遇，并从此在天上与主永远同在。愿圣灵神用这信息安慰你们。

我的死.....

我们的死必须彰显神的荣耀（约翰福音 11:4）。

我们面对死亡的方式，必须能造福家人、亲属、教会肢体、朋友和邻舍（50-52 节）。

我不由得思考起自己的死亡。

我参加了一场葬礼。

仪式结束后，我瞻仰了安卧在灵柩中的逝者，随后上前向痛失亲人的家属——

即牧师的妻子和三个孩子——

表达慰问。看到牧师的妻子和两个女儿悲痛落泪，我向她们致以了慰问，并与那位致悼词的儿子有力地握了握手，随后便回家了。

我体味着那位妻子痛失挚爱丈夫（一位牧师）时的心境，也感受着孩子们哀悼挚爱父亲时的悲伤。由此，我不禁联想到这样一幅画面：若躺在灵柩里的人是我，而我的妻子、Dylan、Yeri 和 Yeeun

站在一旁接待前来吊唁的亲友，那会是怎样的情景？那是一个让我深思自己死亡的时刻。

我们必须省察自己的死亡。

作为生者，我们必须铭记：死亡是世上每个人最终的归宿（《传道书》7:2）。我们应当参加丧礼而非婚宴，并深思自己终将一死的事实。通过深刻反思生命的终局，我们应审慎考量如何度过余生，以求行事为人能讨主喜悦。终有一天，我们都必须在人生旅途的终点站下车。

从 1 月 1 日元旦那天算起.....

我曾预料到 2016 年可能会传来亲人离世的消息，却未曾想到这消息竟会在新年的第一天降临。身处这个死亡似乎无处不在的世界，我承认并宣告：唯有耶稣才是我们真正的盼望

。

生命的终结？

岁末之际，我探访了一家安宁疗护机构，我们区会的一位牧师正是在那里接受照护。在总结这一年时，我不由得思考起自己生命的终局。每当想到终将面对死亡，我便难免会想到与挚爱的家人、会众、朋友、同仁以及众多主内弟兄姊妹的暂别。然而，我并不惧怕死亡本身；我更惧怕的是将来站在主面前交账时，却无法得到祂的嘉许。

如果有一天我不得不完全依赖呼吸机……

有一次，在送妻子去机场的路上，我对她说：“如果我到了必须依赖呼吸机维持生命的地步，我希望你能帮我拔掉它。”她毫不犹豫地回答道：“我也是。”听到这话，我微笑着告诉她，既然我们拥有永生，便无需惧怕死亡。我亲爱的妻子也深表赞同。随后，我鼓励她说，正因为我们拥有永生的应许，在面对死亡时，我们不应留恋这个世界，而应满怀憧憬地期盼那将要来临的世界——天堂。

我应当化作一粒麦子.....

当我思考自己的死亡时，我不禁反思自己是否忠实地完成了主托付给我的使命。我也在想，我离世后，人们会如何评价我。我应当化作一粒麦子，归于尘土，死去.....

即使在死亡中.....

我愿即使在死亡中也能被主使用。

唯独为了神的荣耀.....

死亡

我们必须思考死亡。

我们必须正视死亡。

我们必须采取死亡的视角。

我们必须能够怀着感恩之心、毫无遗憾地面对死亡——即便它此刻便降临。

“论死亡的默想”

“如今，避免犯罪比避免死亡容易得多。不幸的是，我们活得越久，罪孽就越容易加深。

如果你害怕死亡，你必须意识到，长寿更加令人恐惧。因此，要时刻准备好面对死亡（路加福音

21:36）。那些努力在临终之日无悔地度过一生的人，是智慧且蒙福的。不要把灵魂的救赎推迟到以后，也不要依赖朋友或邻居。当一个人有机会获得永生时，却不尽力而为，实在是一大憾事。为了确信自己能够面对死亡，要通过悔改来放下你的肉体。当你离世时，谁会记得你？谁会为你祷告？因此，我的朋友，现在就尽你所能吧。趁你还有时间，为自己积累永恒的财富（路加福音

12:33）。一心想着救赎，全心专注于神的事。努力前行，好让你的灵魂在死后与神喜乐地合而为一。”

[托马斯·阿·坎皮斯，《效法基督》（第 23 章，“论死亡”）]

有必要深刻体验死亡吗？

“完全沉浸于他人的悲痛之中是有充分理由的。

当你真正严肃地体验死亡时，你才能体会到生命的奇妙。”

（ 罗伯特·维宁加 ）

“如果给你一次重活的机会，你会选择怎样生活？”

学者托尼·坎波罗曾发表过一项关于老年人的研究成果。他调查了五十位 95 岁及以上的老人，并询问他们：“如果给你一次重活的机会，你会选择怎样生活？”他要求他们每人给出三个答案。三个答案如下：

第一，我要过一种每日反思的生活。我过去的生活太过匆忙，从未停下来思考我存在的意义；我要更加用心生活。

第二，我过去的生活太过胆怯。我向不公妥协，总是担心别人怎么看我。从今以后，我要更加勇敢地生活。

第三，我要带着这样的意识生活：生命终将走到尽头。我要带着对死亡的觉知生活。我死后会怎样？我会留下什么？他们一致表示后悔过去没有进行这样的反思。（网络）

让我们以死亡的视角来看待生活。

当我再次以死亡的视角看待生活时（传道书 7:2），各种问题便不再困扰我了。

我们必须采取面对死亡的视角。

我们需要怀着“不知父母何时会离世”的意识，去对待我们挚爱的父母。

当我们透过死亡的视角看待他们时，便不愿错过与他们相处的任何机会或时刻。这就是死亡的视角——也是永恒的视角。

“往遭丧的家去，强如往宴乐的家去，因为死是众人的结局，活人也必将这事放在心上”（传道书 7:2）。

我们必须怀着死亡的视角生活。

此外，我们更必须怀着永恒的视角生活。

我们应当怀着这样的视角生活.....

我们度过每一天时，不仅要怀着面对死亡的视角，更要怀着与主相遇的视角.....

耶稣基督在十字架上的死.....

耶稣基督在十字架上的死绝非悲伤之事，而是一件充满喜乐的事。这是因为祂在十字架上的死是一次荣耀的死。它彰显了神的本质——

具体而言，它向我们显明了神就是爱。因此，当我们默想那被钉在十字架上的耶稣时，我们不禁要献上感恩与赞美，心中充满喜乐，深受神那完美之爱的触动。此外，神那完美的爱也激励我们去爱邻舍。正如主爱我们、甚至舍弃了自己的生命，我们也受感去委身爱主并爱邻舍，甚至不惜舍弃自己的生命。我们因十字架的爱而喜乐——

这份爱赋予我们力量，使我们能持之以恒地活出爱神与爱邻舍的生命，直到终局。

挚爱之人的离世.....

挚爱之人的离世，使我沉浸在回忆之中。

挚爱之人的离世，引领我寻求父神。挚爱之人的离世，使我更加向往天堂。挚爱之人的离世，使我更加渴慕永生。

借着挚爱之人的离世.....

借着挚爱之人的离世，我得以默想耶稣的死，并为着在祂里面所赐予我们的永生恩典献上感谢。

一位殉道者妻子的日记

这段文字摘自芭芭拉·尤德里安 (Barbara Youderian) 的日记——

她是五位殉道的年轻北美宣教士之一的遗孀，其事迹记录在伊丽莎白·艾略特 (Elisabeth Elliot) 所著的《荣光之门》 (*Through Gates of Splendor*) 一书中：

“今晚，队长告诉我们，在河边发现了四具遗体。其中一人穿着 T 恤和牛仔裤；只有罗杰 (Roger) 是那样打扮的。两天前，神赐给我《诗篇》48 篇 14 节的经文：‘因为神永永远远为我们的神；他必作我们引路的，直到死时。’听到罗杰去世的消息时，我心中充满了赞美。他配得归回天上的家。主啊，求你帮助我同时尽好母亲和父亲的责任。让我明白‘主的教训和警戒’ (以弗所书 6:4) 今晚，贝丝 (Beth) 为已在天国的父亲祷告时，问了我一个问题。她想给爸爸写封信，问他能不能从天上下来取信。当我告诉她‘他不能那样做，因为他与耶稣在一起’时，贝丝回答说：‘但耶稣可以帮他下来啊。神会拉着他的手，这样他就不会滑倒了。’我给宣教事工的支持者写了信，诉说我此刻所经历的平安。我想要摆脱自怜的心态；那是撒但吞噬生命的工具。我深信，这就是神那完美的旨意.....”

读着这位殉道宣教士妻子写下的日记，我深受触动——

或者更确切地说，我正经历着某种挑战。我不断地思想并祷告，将我挚爱的妻子和神赐予我的三个孩子都交托给主。本周，我得知一位牧师——我神学院的一位资深同工——他十岁的二女儿因病突然离世的消息。也许有一天，我也必须在自己离世之前，先与妻子或孩子生离死别。我不愿爱妻子和孩子胜过爱主；我也渴望将他们交托给祂。正因如此，这位牧师师母的日记深深触动了我。我渴望自己、妻子和孩子们都能配得上进入那真正的天家。面对我挚爱的家人时，我不愿屈服于她所提到的那种“自怜”；相反，我渴望仰望那更伟大的荣耀。妻子和孩子是主恩典赐予我的宝贵礼物，将属于主的一切归还给主，是理所当然的。与其沉溺于自怜，我更愿沉浸在那等待着我们的永恒家乡的荣耀之中。我祈愿有一天，我的妻子也能写出像她那样的日记。当然，为了主的名，我也必须做好面对死亡的准备。

“我却不以性命为念，也不看为宝贵，只要行完我的路程，成就我从主耶稣所领受的职事——就是见证神恩典的福音”（使徒行传 20:24）。

难道爱情不应该比死亡更强大吗？.....

今天，我得知两位朋友与妻子分居了。他们都是晚婚，所以孩子都还小。一位朋友在一次意外事故后全身瘫痪了一年多；上周他去世了——

就在他与妻子达成协议分居一个月左右之后。他离开我们之前一定承受着巨大的精神痛苦.....另一位朋友，我听说大约两个月前离婚了。我曾应他的恳求，经过深思熟虑后主持了他们的婚礼，所以听到他们离婚的消息，我感到非常难过。

各种各样的想法涌上心头。想到那位去世的朋友，我不禁想到，与身体上的痛苦相比，精神上的折磨该是多么沉重。我能想象他当时同意分居时的心情。夫妻在危机时刻难道不应该更加坚定地携手共渡难关吗？.....这些只是我个人的一些想法。或许，夫妻爱情的真谛在危机时刻才能最清晰地展现出来。（至于他的妻子，我只能想象她做出这样的决定有多么艰难——

我担心她独自一人在美国带着年幼的儿子，身边没有任何亲人，该如何生活.....）

癌症患者内心会有怎样的感受？

今天，我们区会的一位牧师举行了葬礼。他在确诊患有晚期肝癌后仅两个月便离世了。区会的另一位牧师向所有成员发送了关于他去世的通知邮件；耐人寻味的是，这位发送邮件的牧师自己也在上周刚被确诊患有胃癌（三期）。我不禁在想，当他一边面对自己刚确诊胃癌三期的现实，一边向我们发送这位因晚期肝癌去世的同工的葬礼详情时，内心究竟在经历着怎样的思绪与挣扎。

“爱如死之坚强”

我不禁想起“爱如死之坚强”这句话（《雅歌》8:6）。回首 2016 年，那份深深烙印在我心中的爱，确实是如死般坚强的爱。尽管那位挚爱之人已离我们而去，但神借着祂向我显明的爱，却依然深深铭刻在我的心版上。纵然经历了离别的哀伤与痛苦，我却得以更深地体会神的爱。特别是神引导我默想父神的爱——祂差遣独生子耶稣降世为人——使我在这一年中亲身体验了这种充满牺牲与差遣意味的爱。我将这份珍贵的爱深深珍藏在心底。

在离世前宽恕

“在离世前宽恕自己，也要宽恕他人。”——摘自米奇·阿尔博姆 (Mitch Albom) 的《相约星期二》 (*Tuesdays with Morrie*)

“唯有在死后才给予的宽恕，并非真正的宽恕。

真正的宽恕，是在我们尚且活着时所给予的。

宽恕，是一条既能救赎自己、也能救赎他人的道路。”

我们必须在离世前宽恕。

若在面对死亡时仍无法宽恕自己或他人，

便无法迎来一个美好的离世时刻。

面对死亡时，还有什么不能宽恕的呢？我们必须宽恕一切。

为此，我们必须铭记耶稣在十字架上的受死，

并以一种尊崇祂牺牲的心态来面对自己的死亡。

正如耶稣为宽恕我们所有的罪而死在十字架上，

我们在临近死亡时，也必须宽恕自己与他人。

即使在生命的最后时刻，我们也必须践行这种真正的宽恕。

我们必须在离世前与人和解。

我曾目睹丧亲家属在葬礼上不和睦的情景。我常常见到子女在父母的葬礼上互相争吵。那种场面难以言表，既不体面，也令人深感遗憾。

相比之下，也有人会在离世前主动联系那些关系紧张的人，寻求宽恕并达成和解。那是一幅美好的画面。然而令人感伤的是，在此人的葬礼上，其一位手足竟要求将吊唁者送来的花圈撤走。尽管逝者生前已与所有人冰释前嫌，但看来其某位手足却未能释怀。为了能安详离世——

并举办一场既能荣耀神、又能向所有吊唁者传递恩典、且能留下持久而有意义印象的葬礼——我再次想起了《罗马书》12 章 18 节的教导：“若是能行，总要尽力与众人和睦。”

如果不这么做，你会抱憾终生。

今天，我参加了一位大三学生的母亲的葬礼。仪式结束后，家属站在灵柩旁，前来吊唁的人们排着队，依次上前致意。我与这位学生的一位大学室友并肩排队；那位刚失去母亲的学生正痛哭流涕。当她含泪向我道谢并称呼我为“牧师”时，我只是握了握她的手，希望能借此传达我的鼓励与支持。后来，在与这位学生及其室友共进午餐时，我得知她在母亲去世前、于重症监护室弥留之际，曾向母亲倾诉了肺腑之言。听到这些，我深感欣慰，并对她的这一举动表示赞许。

今天，我再次深刻体会到：在亲人离我们而去之前，我们必须向他们表达出内心真正想说的一切。否则，我们将抱憾终生。

死亡并非终结。

死亡并非终结。死亡并不意味着痛苦的结束。若你不信耶稣而死，便将在地狱中遭受永恒的痛苦。

死亡也是美丽的。

死亡也是美丽的。即便在悲伤之中，死亡依然美丽。

死亡也是美丽的。因有爱的泪水，死亡变得美丽。

死亡也是美丽的。因在短暂的离别中，存有永恒重逢的鲜活盼望，死亡变得美丽。

死亡也是美丽的。因曾度过美好的生命，死亡变得美丽。

死亡也是美丽的。因我们得见耶稣的美丽，死亡变得美丽。

死亡也是美丽的。因我们一同颂赞主的威严与伟大，死亡变得美丽。

死亡也是美丽的。因神伟大的荣耀得以彰显，死亡变得美丽。

我们真正拥有的，唯有去爱的时间。

这真是一个令人心碎的消息。读到关于已故演员金柱赫（享年 45 岁）离世的报道，以及他的伴侣李裕英所遭受的巨大打击，我不禁产生了一些感触。

首先，回想起他曾出演过的影视作品，我感到十分震惊；他是一张熟悉的面孔，却走得如此突然。

其次，他年仅 45 岁便离我们而去，这令人深感悲痛，也提醒了我：人类确实无法预知未来。这让我意识到，我应当感恩所拥有的每一天，将其交托给上帝，并依靠祂生活。

第三，得知他的死因可能是心肌梗塞（心脏病发作）后，我在网上查阅了相关资料。之所以这么做，是因为我认识一位比我年轻的牧师，他也正受心脏问题的困扰。我听说那位牧师的病情是由过度压力引起的；金柱赫的离世让我不禁联想，他是否也可能因承受巨大压力而突发心脏病。这我不禁担忧起韩国许多承受着来自各方巨大压力的年轻人。

第四，我不由得想到了失去伴侣的李裕英；在 27 岁这样年轻的年纪，骤然听到如此令人震惊的消息，她的内心该是何等悲痛。我常思考死亡的问题，想象妻子会有何感受，或者

反过来，如果她先我而去，我又会有何感受。正因如此，我祈求主能让我们夫妇俩一同被接回天国。亲爱的弟兄姐妹们，让我们为所拥有的每一天感谢上帝。让我们也为那些被赐予我们的生命中的重要之人——我们的伴侣、配偶、子女、父母及其他人——献上感恩。切莫忘记，即便再恩爱的夫妻，终有一天也要在世上分别。我们真正拥有的，唯有去爱的时间。

一位幸存的“泰坦尼克号”高级船员讲述了沉船背后的 感人故事

在保持沉默多年后，一位幸存的高级船员终于讲述了他对这场灾难的亲身经历。1912 年 4 月 14 日是一个充满恐惧的日子；这场事故夺去了 1514 人的生命，另有 710 人获救。时年 38 岁的“泰坦尼克号”二副查尔斯·莱托勒（Charles Lightoller）是唯一幸存并随后负责照料获救乘客的船员。以下是莱托勒讲述的关于“泰坦尼克号”悲剧经过的 17 页回忆录内容。

当船长下令优先营救妇女和儿童时，许多女性乘客选择留下来，不愿与家人分离。“我大声喊道：‘妇女和儿童，往这边来！’但很少有人愿意离开家人独自登上救生艇，”莱托勒回忆道，“我这辈子永远忘不了那个夜晚！”当第一艘救生艇被放下海面时，我对甲板上的一位女士说：“夫人，请上救生艇吧！”出乎意料的是，她摇了摇头。“不，我要留在船上。”当她的丈夫劝她道：“求你了，上去吧，亲爱的，”她平静地回答：“我不会独自离开。我要和你一起留在船上。”那是我最后一次见到这对夫妇。当时的全球首富阿斯特四世（Mr. Astor

IV) 目送怀孕五个月的妻子登上救生艇；看着妻子渐行渐远，他坐在甲板上，一手抱着一只小狗，另一手拿着雪茄，大声喊道：“我爱你，亲爱的！”当一名协助疏散乘客的船员劝他登上救生艇时，阿斯特断然拒绝，说道：“人总得有良心。”随后，他将最后一个空位让给了一位站在附近的爱尔兰妇女。几天后，一名搜寻幸存者的船员发现了阿斯特的遗体，他的身体已被船只残骸撞击得伤痕累累。尽管他拥有的财富足以建造十艘像“泰坦尼克号”这样的巨轮，但他放弃了所有自救的机会；这是一位伟人坚守良知、不惜以生命为代价所做出的抉择。身为成功银行家的古根海姆先生（Mr. Guggenheim），即便在面临死亡的时刻，仍换上了正式的晚礼服，并宣称：“如果我注定要死，也要保持尊严，像个绅士一样死去。”他在留给妻子的字条中写道：“绝不能让任何女性因我的自私而在这艘船上丧生。我宁愿像绅士一样死去，也不愿苟且偷生，过着连禽兽都不如的生活。”美国梅西百货（Macy's）的创始人斯特劳斯先生（Mr. Straus）当时是世界第二富豪。无论如何劝说，他的妻子罗莎莉（Rosalie）都不愿登上救生艇。她坚决不肯离开丈夫身边，对他说：“你到哪里，我就到哪里；无论天涯海角，我都与你同行。”负责 8 号救生艇的一名船员曾劝说 67 岁的斯特劳斯先生登艇，并向他保证：“没人会反对您占用一个座位。”斯特劳斯先生断然拒绝，表示“我绝不会在其他男性之前登艇”，即便面对死亡，他依然保持着非凡的镇定。随后，他挽起 63 岁妻子罗莎莉的手臂，缓缓坐在一张甲板椅上，静候生命最后时刻的到来。在纽约布朗克斯区，一座纪念斯特劳斯夫妇的纪念碑上刻着这样一句话：“爱，是众水所不能熄灭的。”一位名叫瓦特乌（Watteeuw）的法国商人将两个孩子托付给即将登上救生艇的妇女，自己则留在船上向

他们道别。他的儿子们获救了，并且多亏了世界各地报纸刊登了他们的照片，最终得以与母亲团聚；然而，他们却再也没能见到父亲。莉德-福斯夫人（Mrs. Leader-Foss）当时正与丈夫前往美国度蜜月，她拒绝独自求生，紧紧依偎着丈夫；丈夫最终不得不用拳头将她击昏。当她醒来时，发现自己已身处一艘漂浮在海面上的救生艇中。她终身未再婚，在对丈夫的思念中度过了余生。在瑞士洛桑举行的一次幸存者聚会上，史密斯夫人回忆起那位把座位让给她的女士，说道：“当时我的两个孩子上了救生艇，艇上已满员，没有我的位置了。就在这时，一位女士站起来，把我拉上艇，说道：‘上来吧，孩子们需要母亲！’那位了不起的女士没有留下姓名；人们为她竖立了一座纪念碑，题名为‘无名母亲’。遇难者中不乏显赫人物——

如亿万富翁阿斯特、著名记者斯特德、陆军少校巴特以及杰出工程师罗布林——

但他们都把位置让给了身边的贫苦乡村妇女。在“泰坦尼克号”约五十名关键船员中，除负责救援行动的二副莱特勒外，其余所有人都放弃了逃生机会，随船遇难。凌晨 2 点，尽管已接到撤离命令，高级无线电报务员约翰·菲利普斯仍坚守在无线电室的岗位上，坚持发送“SOS”信号，直到最后一刻。当船尾开始下沉——在生死攸关的最后时刻——

人们向彼此呼喊：“我爱你！我爱你！”在那一天，他们都诠释了大爱的真谛。我希望你知道我有多爱你。然而，也有一个例外：一位名叫细野的日本铁路官员乔装成女性，登上了满载妇女儿童的 10 号救生艇。回国后，他立即被解雇；日本报纸和舆论对他进行了公开谴责，他在悔恨与羞愧中度过了余生。

在 1912 年举行的一次“泰坦尼克号”纪念活动上，该船的建造方——白星航运公司——在谈及遇难者时说道：“没有任何海事法规要求男性做出此类牺牲。他们的行为纯粹是出于对弱者的关怀——完全是个人的选择。”

一位蒙古族姐妹的遗嘱

大家好。我怀着耶稣基督的爱向每一位阅读这封信的人问好。既然我现在已与神同在，希望大家不要为我悲伤。我只是比你们早一点回到了天家。请为我举行基督教葬礼。我希望由图克苏（Tuksu）牧师主持仪式，并由奥特诺（Otnoo）带领敬拜。“奥特诺，请唱这些赞美诗：1. 第 227 首，2. 第 36 首，3. 第 236 首，4. 第 360 首。”

*妈妈，请原谅您的女儿。我非常爱您，尽管我没能尽好做女儿的本分。但妈妈，请您更加热切地信靠耶稣。如果您这样做，神将赐予您一份比世上任何人都更丰盛的爱。我会一直为您和全家祷告。

*索托（Soto）和阿尔加（Alga），对不起。我非常爱你们俩。请原谅我没能做一个好姐妹。我想让你们知道，我的死不是任何人的错；这条路是我自己选择的。索托，我有一个最后的请求：希望你能信靠耶稣基督——那位我所信靠并深爱着我的主——

这样我们就能在天堂重逢。致我的弟弟们：我最后的请求是希望你们能遇见神，因为祂是活着的。

*纳吉 (Nagi) 阿姨，我衷心感谢您。谢谢您成为那座桥梁，引领我遇见了耶稣。索伊拉 (Soira) 叔叔，我会一直为您祷告。请对耶稣基督保持坚定的信心，成为像使徒保罗那样的人。*阿雅 (Aya) 阿姨和达姆金 (Damjin) 叔叔，谢谢你们俩。请对耶稣保持坚定的信心；如果我曾伤害过你们中的任何一位，请原谅我。千万不要错过主日崇拜。我相信神会在你们家中动工。*致我的姐妹们——

我真诚而深切地爱着你们。希望你们在神的掌管下活出丰盛的生命。致我的三位兄弟——索托、索托 (Sorto) 和阿尔加——

我希望你们都能成为牧师。请成为牧师；一定要去读神学院。

*致“永恒之爱教会” (Eternal Love Church) 所有在信仰里的弟兄姊妹——
我衷心地爱你们。我想表达，你们的爱给了我极大的鼓舞，赋予了我勇气与力量。我相信，我的“永恒之爱教会”终将成为一所充满爱的教会，去拯救那些受苦的人，并带给他们希望。我相信神会在这项事工中帮助我们，并与我们同在。

*我深深感激我的老师们。Tuksu 牧师是我的属灵父亲，Oh Yun-seon 老师 (宣教士 Yun Hyang-suk) 则成了我的属灵母亲。如今，我即将去见我真正的属灵之父。谢谢你们为我所做的一切。

*妈妈，请把我的衣物送给教会的孩子们或有需要的孩子。也请把我用过的所有书籍都捐给教会。妈妈，我非常爱您。每当想到您给予我的爱，我都心怀感激。

*Ganba 叔叔，我原谅您。叔叔，请您相信耶稣吧。有一位神爱我们，并赦免我们的罪。

妈妈，请务必把这件事告诉 Ganba 叔叔。还有我的阿姨们——Hola、Sopta 和 Dawa——

以及我的叔叔们——Minde 和 Suhae——

我恳切地请求你们接受耶稣基督。这样，我们就能在天堂喜乐重逢了。

我怀着主里的爱爱你们每一个人。

2013 年 9 月 12 日 —— O. Sodun-Tsetseg 笔

死亡

大约两周前，在复活节主日下午的圣经学习中，我与会众探讨了“死亡”这一话题。当我问及“你们希望以何种方式离世”时，大多数年长成员（六十岁以上者）都表示，希望能毫无痛苦地离去，既是出于爱，也是为了不给子女增添负担。我回应道：“若是如此，心脏病发作或许就是一种‘理想’的方式了。”相比之下，四五十岁的成员似乎并未对此进行过深入思考。因此，我特意鼓励他们深入反思并为此祷告，思考自己希望如何面对死亡。我也劝勉他们要过好每一天，以便将来能迎来“美好的死亡”——一种美丽的离世。

不久前，我与一位姊妹交谈，她在得知马克弟兄（Brother Mark）即将离世的消息后悲痛不已。我们先是通过即时通讯软件沟通，随后通了电话；听着她无法抑制的啜泣声，我感到有必要在今天早上再次写下我对“死亡”的感悟。

对于旁观者——即目睹弟兄走向生命终点的人而言——

死亡似乎是一个悲伤与喜乐交织的时刻。每当想到那位留下“天堂再见”遗言的马克弟兄，我心中便涌起一股悲伤和难以名状的沉重感。然而与此同时，想到他通过瑞贤教会（Seo hyun

Church) 的英语事工 (SEM) 接受了耶稣作为他的主与救主，并确信自己将进入永恒的天堂，那份沉重便随之消散，转而化为喜乐。回首弟兄的一生及其即将到来的离世，感受着内心悲喜交加的情绪，我觉得这正是“美好死亡”的预兆。由此观之，我相信马克弟兄正迈向一种令我向往的死亡。

我记得曾在复活节的圣经学习中与会众分享过关于“美好死亡”的思考。我心目中的美好死亡是这样的：在我的葬礼上，那些曾透过我看见基督形象并感受到基督之爱的弟兄姊妹们齐聚一堂，共同敬拜神。他们会因我的离世——因我不再与他们同存于世——而感到悲伤；但同时，他们也会满心喜乐并赞美神，因为知道我已升入天堂，去见那位我深爱并渴望相见的主。那正是我梦寐以求并为此祷告的葬礼。然而，若想迎来这样美好的离世，我深感自己肩负着一份重大的责任：必须日复一日——或者更确切地说，就在此时此刻——活出美好的人生。

马克弟兄 (Brother Mark) 就是在瑞贤教会 (Seohyun Church) 这个群体中，满怀喜乐地践行这一崇高责任的人。他在教会花的时间甚至比我还多 (我记得他几乎每天都在那里；甚至连主任牧师都曾问我：“詹姆斯，你是不是不来教会了？”)。通过“Sasa”小组 (意为“爱的人”)，并切合教会咖啡馆的名字，他成为了基督之爱的传递者，用这份爱温暖了许多人。我相信，今天在通话中泣不成声的那位姊妹，正是领受过这份爱的人之一。尽管她曾告诉马克弟兄自己未曾给予任何回报，但我认为，

她做得最好的一点，就是谦卑而喜乐地接纳了马克那份真挚动人的爱。确实如此。马克弟兄渴望付出爱，而我相信，我们能回馈给他的最好礼物，莫过于像孩子般谦卑、喜乐地接纳这份爱。正因为我有时未能做到这一点，我不止一次向他坦承自己的不足并请求宽恕。

我曾向他提出过——姑且称之为“抱怨”吧——

那就是：他虽懂得如何付出爱，却不太懂得如何接纳爱。这导致我们之间产生了一些——姑且称之为“分歧”——

的摩擦。正因如此，我今天不得不承认：未能给予马克应有的、完全的爱的人，其实是我。

我不禁在想：如果我们预知生命的终点——确切知道何时离开这个世界去见主——

我们会如何度过当下这一天呢？我们会努力活出与现在不同的样子吗？我知道，我依然会继续我的“Cy

事工”（Cy

Ministry）。我之所以这样做，是因为我相信这项事工是我的根基，它将助我迎来生命美好的终局。

我亲爱的马克弟兄（Brother

Mark）在世的旅程或许已所剩无几。然而我相信，在他迈向那最终归宿之际，他正利用在世的宝贵时光，向他珍视的人发出最后的“爱之呼唤”。我恳切祈祷，当我们怀着喜乐与谦卑领受这份爱时，不仅能珍藏他在我心中留下的基督之爱的印记，更能成为爱的使者，将这份爱传递给他人。

詹姆斯·金 (James Kim) 牧师的感言，

他曾通过马克弟兄领受了主的爱

(2004 年 4 月 22 日——谨以此文，与所有曾被马克弟兄的爱所触动的人们共鸣)



与孩子们的对话

不久前的一个周日早晨，我们在开车去教堂的路上放了一些福音音乐。当听到其中一首歌里出现“上帝”这个词时，Yeri

说道：“我知道这首歌，”随即唱了起来：“上帝是如此美好（God Is So Good）。”接着，她的一句话让我大感意外：“我想成为上帝。”我一边听着，一边琢磨她为何会有“想成为上帝”这样的念头——这可是“新纪元运动”（New Age）哲学中的核心思想——

这时，妻子温和地纠正了她，问道：“你是想*与*上帝在一起吗？”

随后，她和 Dylan 展开了这样的对话：

Yeri：“我想与上帝在一起。”

Dylan：“那你必须死。”

Yeri：“你会想我吗？”

听着孩子们之间的这番对话，我不禁露出了微笑。

Mark 叔叔去世后，我们曾告诉孩子们，他现在已在天堂与上帝同在；看来 Dylan
由此得出结论：人必须先死，才能去天堂与上帝在一起。

尽管他们这番单纯的对话让我会心一笑，

却也激起了我内心深处的一种渴望——一种像 Mark 那样，在天堂与上帝同在的渴望。

[2004 年 7 月 18 日]

长女的离世

1997 年 11 月——也就是我们结婚七个月后——

正值感恩节期间，我带着怀孕的妻子去了洛杉矶的好撒玛利亚人医院（Good Samaritan Hospital）。护士在检查时发现了异常情况，建议做超声波检查。结果显示胎儿存在严重的畸形。医生解释说，婴儿一侧的横膈膜缺失，导致内脏器官向上移位；结果造成左肺缺失，心脏被明显推向右侧，脊柱也弯曲成了“S”形。这个消息让我们悲痛欲绝。然而，怀着对上帝所赐礼物的感恩之心，妻子还是平安生下了我们的长女 Juyoung（1998 年 3 月 3 日）。（“Juyoung”这个名字是我父亲起的，意为“主的荣耀”；而我给她起的英文名是 Charis，这是一个希腊语单词，意为“恩典”。）孩子一出生，医生只让妻子抱了她几秒钟，便将她放入保温箱，匆忙送出产房，并用救护车转送至规模更大的洛杉矶儿童医院（Los Angeles Children's Hospital）的重症监护室。Juyoung 在那里住了 55 天。每当我去看望她时，都会给心爱的女儿唱《耶稣爱我》（Jesus Loves Me）。由于她身上插满了各种管子——包括一根插在嘴里的管子——我从未听她哭过。她的全身，甚至头上，都布满了针眼。

我们根本无法想象 Juyoung 正在承受多大的痛苦。我们只能祈祷并盼望孩子能活下来。

在经历了两次大手术后，医生表示手术进行得非常顺利——

顺利得连他们自己都感到惊讶。我把这视为上帝要拯救孩子的征兆。然而，在第 54 天的那一个星期日——那天恰好也是我们的结婚纪念日——

我的妹妹从医院探视回来，带回了 Juyoung 病情危急的消息。她说孩子全身变成了深蓝色，这很可能是因为血液循环不畅造成的。妻子随即匆忙赶往医院。然而，回想起一位朋友曾分享过的见证，我内心感到十分挣扎；尽管我渴望立刻奔向朱英（Juyoung）身边，但我还是决定先履行在教会的职责，等尽完责后再去医院。抵达医院后，医生把我叫到一旁，提出了两个选择：（1）让孩子慢慢离世，或者（2）让孩子快点离世。我选择了前者——让孩子慢慢离世——

因为我当时还没准备好放弃希望。后来回到家，我与妻子商量；意识到我们不愿让孩子继续受苦，最终我们决定让朱英快点离世。

接下来的周一早晨，我在读经时深受《诗篇》63 篇 3 节的触动，便与妻子分享了这节经文：“因你的慈爱比生命更好，我的嘴唇要颂赞你。”我们坚信神的永恒之爱超越了朱英那短短五十五天的生命，也相信我们应当用嘴唇颂赞祂，于是我们动身前往医院。向医生告知我们的决定后，我联系了父母、哥哥嫂嫂以及妹妹；大家齐聚重症监护室，先举行了一场敬拜神的仪式。随后，当其他人等候在隔壁房间时，我将朱英抱在怀里——

这是第一次，也是最后一次——

走进了那个房间。那一刻，我泣不成声，呼吸急促。我抱着朱英走向隔壁房间。屋里的人

都在哭泣，但我的岳父提出想抱抱朱英；他接过孩子，把手放在孩子头上，诵读了《约翰福音》3章16节。不久后，医生赶来听了朱英的心跳，确认孩子已停止呼吸。

几天后，朱英火化了，我和妻子带着骨灰来到了一处湖泊。我们租了一艘小船；我在船尾掌舵，妻子坐在船头，怀里抱着装有骨灰的小盒子。我们走向湖边一处僻静的角落，她在那里撒下了骨灰。在返回途中，妻子突然转向我，也许是开玩笑似地说道：“泰坦尼克号。”然而，就在她说这话时，泪水正顺着她的脸颊流淌。

看到她这般模样，上帝感动我仰望苍穹，全心全意地唱起那首美国福音赞美诗《救主的爱》（又名《我心惊叹》）：

（第一节）站在拿撒勒人耶稣面前，我心惊叹不已；惊叹祂竟爱我这罪人——
既被定罪，又不洁净。

（第二节）祂在园中为我祷告：“不照我的意思，乃照祢的意思。”祂不为自己的忧伤流泪，却为我的罪流下如血般的汗珠。

（第三节）天使怜悯地注视着祂，从光明之境降临，在那一夜，安慰祂为我灵魂所承受的忧伤。

(第四节) 祂担当了我的罪与忧伤，视之为己有；祂背负重担走向各各他，独自受苦并离世。

(第五节) 当我在荣耀中与众蒙救赎者同在，终得见祂圣容，我将永远欢欣歌颂祂对我的爱。

(副歌) 噢，何等奇妙！噢，何等美妙！我将永远歌唱：噢，何等奇妙！噢，何等美妙！
救主对我的爱！



爸爸学到了什么功课？

2013 年 3 月 15 日，星期五下午。

送 Dylan 和 Yeri 去教会（因为他们要上少年班）之后，我只带着 Yeeun 去了妻子的工作单位。我们计划接上妻子，一起去日本城（Japantown）吃晚饭。在车里等妻子出来时，我们不知怎么聊起了一位有三个孩子的母亲；Yeeun 感叹道：“那个阿姨生了好多孩子啊。”于是我告诉她：“其实妈妈生了四个孩子呢。”哈哈。借此机会，我向 Yeeun 讲起了我们第一个孩子

Charis (Juyoung) ——

那个已经离世的孩子。过了一会儿，Yeeun 问我：“你从上帝那里学到了什么功课？”面对这个问题，我毫不犹豫地回答 Yeeun：“是上帝的爱。”我向她解释说，通过第一个孩子 Charis 的离世，我深刻体会到了上帝的爱，也因此领悟了祂那深沉的爱。Yeeun 接着问，既然是上帝让那个婴儿离世的，我又怎么能从中领悟到爱呢——

从她的角度来看，这是一个完全可以理解的问题。我犹豫了一下，不知道该如何向孩子解释我从上帝那里学到的那种深沉的爱。这时，Yeeun 仿佛自言自语般低声说道：“就像上帝让祂的儿子耶稣死去一样，祂也让那个婴儿死去了，所以……”看来，她正试图用自己的

方式去理解我刚才说的话。就在那一刻，我看到妻子正从办公楼里跑出来，便对 Yeeun 说：“看，妈妈出来了。”Yeeun 回头看向后窗，我们俩一起等着妻子上车。妻子刚一坐定，我就简短地向她转述了 Yeeun 刚才说的话，正打算请她来回答 Yeeun 的问题时，Yeeun 却让我什么都别说。于是，我用韩语向妻子解释道：艺恩（Ye-eun）曾问起我从卡里斯（Charis）的离世中学到了什么，但我却难以回答自己是如何在那份丧失之痛中领悟到上帝之爱的。当我提到艺恩似乎并不希望我把这次谈话的内容告诉别人时，妻子说道：“看来艺恩只是想跟爸爸说说话罢了。”在前往餐厅吃晚饭的路上，我们没有再继续谈论卡里斯的话题。然而.....我的内心深处其实很想对家里最小的孩子——卡里斯·艺恩（Karis Ye-eun）说：“虽然上帝带走了第一个孩子卡里斯，但祂把*你*——卡里斯——作为一份礼物，赐给了爸爸和妈妈。”

别担心，妈妈！

2010年9月22日，星期三。

那天晚上，我们一家五口正在吃晚饭，我亲爱的妻子告诉三个孩子，远在亚利桑那州的爷爷（也就是她的父亲）被诊断出患了癌症。孩子们听到这个消息都惊呆了，纷纷发出惊叹：“真的吗？”“癌症？”“天哪！”“哎呀！”接着，我们的大女儿耶里（Yeri）说道：“我想，上帝是想让他早点去天堂吧。”随后，她试图安慰妈妈：“别担心，妈妈！你以后也会死的。”说完，她还给了妈妈一个拥抱。哈哈。

当时我正在亚利桑那州探望岳父，妻子在电话里跟我讲起了这段对话，讲的时候她一直在笑。她笑，一部分是因为孩子们听到癌症消息时那种震惊的反应；另一部分则是因为耶里说的那句：“别担心，妈妈！你以后也会死的。”哈哈。她一直是个有点古灵精怪的孩子...
...哈哈。

听了这个故事，我心想：“看来孩子们对癌症是什么已经有了一些概念。带他们去养老院探访了大约两年后，他们似乎对死亡也有了一点理解”（注：我们过去常带孩子去探望教

会里的两位老姐妹，孩子们知道这两位老人都已经去世了）。“看来耶里并不怎么害怕死亡——哪怕是想到妈妈会死……”诸如此类。

虽然我们绝不应轻视死亡，但我同时也觉得，如果以过于沉重的心态去看待它，恐怕也未必是好事。

“我要把爸爸火化。”

2015 年 1 月 23 日，星期五下午。

看来我不用操心自己的葬礼了，哈哈。原因就在于我有小女儿卡里斯（艺恩，Karis/Ye-eun），哈哈。她小时候曾说要把爸爸妈妈埋在后院，但这回她却宣布要火化我，哈哈。那个周五下午，我和孩子们吃完越南面（我们把原定周三的聚餐改到了周五，哈哈）后，照例去了隔壁的韩国超市。我给了迪伦（Dylan）和教会朋友俊（Jun）五美元，让他们进去买些“鲫鱼饼”（一种鱼形糕点）。我留在车里陪着耶里（Yeri）和卡里斯，这时收到了四叔发来的 KakaoTalk 信息。他请我把一段韩文信息翻译成英文，发给他一位朋友的越南籍妻子——

这位朋友因病在六十出头时去世了，而他的妻子并非信徒。读完信息后，我向心爱的女儿耶里和卡里斯简单解释了内容，并提到叔叔的那位朋友也是火葬的（此前教会的崔粉南奶奶去世时，我也曾跟孩子们讲过火葬的事……）。听到这里，小女儿卡里斯宣布说，*她*要火化我，哈哈。于是我告诉她，关于遗嘱的最终决定权在于*我*——也就是她爸爸（意思是这事儿不由她定，而是由我来决定……哈哈）。听了这话，卡里斯问*我*自己想要怎样。我就告诉她：“我无所谓。”当我告诉她们土葬还是火葬对我来说都

无所谓时，艺恩便宣布她要火化我，哈哈。我问她为什么，她说不喜欢想到自己埋在地下时会有虫子在身上爬来爬去，哈哈。

（她似乎无法忍受想到昆虫在自己深爱的父亲遗体上爬行。）短暂的沉默后，我告诉 Yeri 和 Ye-

eun，尽管父母离世会让她们感到悲伤，但其实她们应当为此感到高兴。坐在我身边的

Yeri 问，这怎么可能让人高兴得起来呢。我想起《腓立比书》1 章 22 至 24 节的经文，便向 Yeri

解释说，我们都渴望离开这个世界，去与我们深深思念的主相聚。我告诉她们，当父母去世时，我们会去往那个我们向往的天堂，与主永远同在，所以应当为此欢喜。

就在我们谈话快结束时，Dylan 和 Jun 从那家韩国超市走了出来，Jun 竖起了六根手指.....原来他用五美元买到了六个“鲫鱼饼”（一种鱼形糕点）——

尽管我之前还叮嘱他尽量买七个呢！哈哈。即便面对死亡，我们依然能享用美味的鲫鱼饼.....哈哈。

张奶奶的吻

上周一（9月10日），我时隔近三周再次造访疗养院，探望教会里两位我深爱的长者：

朴春熙（Park Chun-hee）资深女执事和张乙洙（Jang Eul-soo）奶奶。患有晚期痴呆症的朴执事在我抵达时正在熟睡，正如我以往几次探望时那样。简单查看了她的情况后，我前往张奶奶所在的病房；她原本也在熟睡，但似乎察觉到了我的到来，随即醒来，开心地伸出手与我紧紧相握。我向张奶奶讲述了自己从韩国和蒙古平安归来的经历——这一切全赖神的恩典——

随后我们一同唱了她最喜爱的赞美诗第40首。她提到，由于过去三周无法吟唱自己钟爱的赞美诗（第40首和第355首）或背诵《诗篇》第23篇，她已遗忘了许多歌词。于是，当我们反复吟唱第40首赞美诗的第一、二节时，我看着她跟着唱，记忆也随之渐渐复苏。她抱怨说头感觉发热，我便把手放在她额头上向神祷告；即便在那时，她仍有力地回应着“阿们，阿们”。临别之际，当我向她道别时，她伸出了手；就在我紧握她手掌的瞬间，她突然抬起头，亲吻了我的手背。作为回应，我依然握着她的手，也亲吻了她的手背。张奶奶热切期盼着耶稣召唤她回天家的那一天；她由衷渴望展翅高飞，投入主的怀抱。我们坚信，主必会在祂所定的时刻，将张奶奶召入怀中并亲吻她——

正如那位父亲在浪子回头时亲吻儿子一样。

[2007年9月13日]



我愿分担这份痛苦与泪水。

上周日下午（12 日），我陪同父母——即我们教会的荣誉牧师夫妇——去探望了两位深受爱戴的执事。我想在父亲重返宣教工场前带他去探望他们，心想这能给他们带去喜乐与安慰。当我们抵达金执事家时，他正卧床休息。尽管深受癌症折磨，他仍强撑着虚弱的身体起床、穿好衣服，来到客厅与妻子及两个孩子一同敬拜神。当荣誉牧师问他想唱哪首赞美诗时，他选了第 543 首《向高处行》（Pressing On Toward the Higher Ground），于是我们一同唱了两遍，以此赞美神。随后，父亲诵读了《诗篇》第 23 篇，我们为亲爱的金执事献上了恳切的祷告。礼拜结束后，我们唱了《祝你生日快乐》，因为那天正好是他妻子的生日。夫妇俩面对面坐着；尽管身体状况想必十分吃力，金执事仍轻声歌唱，为妻子的特别日子庆生，而妻子则深情地注视着他……临别之际，荣誉牧师拥抱了金执事。金执事那灿烂的笑容——他容光焕发的面容——至今仍浮现在我脑海中，但他那瘦弱不堪的身躯也深深震撼了我……（在昨天的周三祷告会上，只有他妻子一人出席；医生说情况已到了无力回天的地步。）我们的盼望唯独在于主！离开金执事家后，我们前往附近的一家养老院，探望了我们教会最年长的成员——任奶奶（Grandma Im）。我们到达时，她刚用完餐，正坐在餐厅里。透过玻璃门看到我们时，她欣喜万分

。父母搀扶她回到房间，我们坐下交谈了一会儿，随后一同向神唱了赞美诗《救主引领我路程》(All the Way My Savior Leads Me)。任奶奶视此地为她度过余生之所。尽管已 91 岁高龄，她依然思维敏捷，而许多比她年轻的住户却似乎患有痴呆症。也许正是受这种环境氛围的影响，她显得有些难以适应。我记得曾去疗养院探望教会里的另外两位老姐妹，那时她们尚未离世。在她们生命旅程的最后阶段，我们一同歌唱、祷告、交谈、欢笑——那些时刻是何等珍贵。我也曾与任 (Im) 奶奶一起说笑。我们离开时，她送我们到门口；当我走向停车场时，最后回头望了一眼。至今，我脑海中仍浮现着她转身离去的背影。

在瑞贤教会 (Seohyun

Church) 服事期间，我学会了爱韩国的年轻人；然而，回到美国并在现在的教会服事后，我也学会了爱那些年长的会众。通过他们，我对死亡有了新的认识；是神在教导我如何看待死亡。也许正因如此，我常想起我的长子朱英 (Ju-young) ——他曾安详地睡在我的怀抱中。与此同时，我也常思考亲人的离世以及自己终将面对的死亡。在祷告时，我也常挂念那些已在天家的挚爱。神借着与死亡相伴的痛苦与泪水，使我得以成长——

哪怕只有一点点。如今，主仍引领我注视那些正身处死亡恐惧、痛苦与泪水之中的亲爱之人。我渴望分担他们的痛苦，与他们一同哀哭；也愿仰望主，与他们一同祷告，在盼望中

一同喜乐。日复一日，时刻之间，我愿在主里创造美好的回忆，并将它们深深珍藏在心底

。

[2012 年 2 月 16 日]



任奉熙 (Im Bong-hee) 女士

我们教会里有位 92 岁的老姊妹，名叫任奉熙。今天，我致电她女儿的工作单位，问到了她所住养老院的地址，随后在一位教会长老的陪同下前去探望她。看到她坐在轮椅上的那一刻，我深受触动；与我上次见她时相比，她显得苍老了许多。她告诉我，如今生活对她而言颇为艰难。于是，长老和我握住她的左手，向父神献上了祷告。她口中不断说着感谢的话语——

这位任姊妹深爱着主、深爱着我们的胜利 (Seungri) 长老会教会、主任牧师、我本人以及整个教会大家庭。我轻轻抚摸着她的背，鼓励她将盼望寄托于永恒的天国。她穿着一身漂亮的衣裳——想必是儿女们送的礼物——

头发也修剪得整整齐齐。任姊妹的身影一直萦绕在我的脑海中；尽管她的身体日渐衰弱，精神也感到疲惫，但我深信，那位最爱她的父神定会扶持并加添她力量。临别之际，她的一句话让我久久难忘：“我有太多的回忆了。”那是神引领她来到胜利长老会教会后，在她心中播下的无数美好时刻的回忆……我至今仍清晰记得，当她身体还硬朗时，常在街头捡拾空罐变卖，并将所得款项作为奉献献给教会。我也记得她因捡罐子不慎摔倒、导致手臂打上石膏的那段日子。任奶奶——

她虽不识字，却因深爱教会而竭力顺服神的话语；即便生活拮据，仍忠心地缴纳什一奉献

，甚至以此为荣向我提起；每当我探望住在长者公寓的她时，她总会为我冲上一杯咖啡——今天临别时，我轻轻抚摸她的脸颊，告诉她我爱她，并给了她一个拥抱。

[2013 年 3 月 20 日]



指甲剪

2014 年 7 月 24 日星期四——午餐时间。

今天，我久违地去探望了任奉熙（Im Bong-hee）奶奶。我带了一套指甲剪——

那是教会 34 周年纪念日的礼物——

来到她居住的疗养院，却发现她正躺在床上睡觉（或者只是闭目养神）。我试着悄悄把椅子挪到床边，但她肯定听到了动静，睁开了眼睛；于是我热情地向她问好，放下椅子，在她身旁坐下。我告诉她我带了教会的礼物，并向她展示了那套指甲剪。接着，我问能否帮她修剪指甲。尽管我知道她的女儿曾有两次不小心剪破她指甲周围的皮肤导致出血，但我还是大胆地（？）——或者说天真地——

想要亲自尝试一下。我对她说：“奶奶，我能剪得更好哦，”然后便开始修剪她左手的指甲。修剪完毕后，我用另一种工具（我不确定那叫什么）把指甲边缘磨平滑。至少左手的修剪看起来很顺利。问题出在处理右手的时候；她的指甲很厚，很难塞进指甲剪里。在试图用力剪切（？）的过程中，我不小心剪到了指甲周围的一小块皮肤。她似乎吓了一跳，也感到了疼痛，我赶紧连声道歉。我曾自信满满地说自己能比她女儿剪得更好，结果却是...

...唉。尽管如此，在我继续修剪她右手剩下的四根手指时，奶奶一直保持着静止不动。我突然想到，也许她之所以一动不动，仅仅是因为她当时已无力做任何其他动作了。当时氧气管只是搁在她的额头上，而没有插在鼻孔里；当我问“奶奶，这个不是应该插在鼻子里吗？”时，她表示同意，于是我帮她把管子戴好了。看来她已处于几乎无法自理的状态。她甚至似乎连自己的年龄都忘了；当我问“奶奶，您今年九十二岁了吧？”时，她说自己记不清了。看着任奉熙 (Im Bong-hee) 奶奶日渐衰弱，我问她：“奶奶，您爱主，对吧？”其实我心里很清楚，她深爱着主、我们的教会以及主任牧师夫妇，所以我问这句话，与其说是在提问，不如说是在向她确认这一事实。随后，我与她分享了我们在胜利长老会 (Seungri Presbyterian Church) 共度的回忆——特别是那些她记忆犹新、每次我探望时总会提及的往事。我们一起回忆起她过去在教会厨房辛勤淘洗四大锅米饭的情景——她说那项工作曾让她的手指落下了病根。她还回忆起我年轻未婚、担任传道人时，曾开着教会的面包车接送她和老伴往返教会的日子；她记得老伴当时总会问我什么时候结婚。我微笑着对她说：“奶奶，我结婚都已经十七年了。”在与这位奶奶分享往事时，我也提到了已故的权事 (资深女执事) 金英花 (Kim Young-hwa) ——也就是我的亲生祖母——她如今已在天国。我之所以提起这件事，是因为我知道任奉熙奶奶曾深受金权事的关爱，这份情谊她终生难忘。我告诉任奉熙奶奶，当主呼召我们时，我们会“安睡” (我向她解释，圣经将信徒的离世描述为安睡) ，并进入一个没有疾病、痛苦、孤独和死亡的永恒天国

；在那里，我们将与已故的金英花权事以及已故的任钟焕（Im Jong-hwan）爷爷（任奉熙奶奶的丈夫）重逢。在谈到我们将如何与主永远同住之后，我唱了赞美诗《自从遇见救主》（又名《我灵蒙恩》）作为献给神的赞美，随后为她祷告。祷告结束后，我看着她的脸庞，发现她左眼角泛起了泪光。那天交谈时，任奉熙（Im Bong-hee）奶奶三次表达了谢意；看着她那宁静而充满感激的神情，我在她额头上轻轻吻了一下。

[2014 年 7 月 26 日]

探访养老院

在教会完成服事后，我去探望了敬爱的金东允执事和金承宽执事夫妇所在的养老院。我走进金东允执事的房间时，他正躺在床上，望着天花板，收听着基督教广播。不知为何，他今天看起来比往常更加虚弱苍老。我走进房间，坐在床边的椅子上向他问好；他伸出手紧紧握住我的右手，我也用双手紧紧握住他的双手。他患有帕金森病——

或许也因为药物引起的严重眩晕——

尽管只有 75 岁，却只能卧床不起。我们聊天时，他提到自己常常想起已经离世升天的父母。他回忆起从朝鲜到韩国的旅程，不禁热泪盈眶——

尤其是父亲背着他走过冰天雪地、他当时赤着脚的情景。他显然非常想念已故的父亲。他还提到，他每月来我们教会一次，只要看到和我同龄的母亲，就会忍不住落泪。这是一次令人动容的会面。这让我想起我探望养老院或重症监护室里的老妇人；即使在如此艰难的处境下，她们也常常思念自己的父母。看到人们即使到了晚年依然如此思念逝去的父母，父母的爱似乎真的无法衡量。临别前，我把手放在他的额头上为他祷告，他也把手放在我的手上。我们一起向天父——我们的父神——

祷告。祷告结束后，我离开他的房间时，看到他还在挥着手。

之后，我去了隔壁楼金成冠执事和金阳淑女长老住的房间，敲了敲门。片刻后，女长老出来开了门；我又敲了敲金成冠执事的门，问他是否可以进去，他邀请我进去。进去后，我看到金执事戴着口罩躺在床上。他看到我，说：“我不太舒服。”他的女儿也在房间里，于是我走近执事，握住他的手，为他祷告。我向永生的上帝祷告，祈求上帝坚固执事的信心和盼望。我向天父祷告，愿他那根植于对耶稣信仰的、对永恒国度的盼望，永不动摇。之后，在女长老和女儿的劝告下，我几乎是冲了出去——

哈哈。这次探访很短暂，只有三五分钟。这两位曾在我们教会做了七年的教友，但自从搬到这家离教会很远的养老院后，他们现在计划每月只来一次；然而，鉴于他们身体状况不佳，下周日能否来还不得而知。毕竟，谁也无法预知明天会发生什么……

[2013年9月29日，星期日下午]

安详离世的李镇九 (Lee Jin-gu) 弟兄

今天主日英语崇拜结束后，我在厨房门口从一位长老那里惊闻李镇九弟兄离世的消息。我完全没想到他会走得如此突然。就在午餐时，我还曾询问他的女儿——金恩熙 (Kim Eun-hee) 执事——

李老先生的近况，因此听到他去世的消息时，我深感震惊。我匆忙带上圣经，由李镇九弟兄的小儿子开车，一同前往李锡宇 (Lee Seok-woo) 执事的家中。抵达后，我走进李老先生的房间，看到他正安详地躺在椅子上，仿佛熟睡一般。当我触碰他的手时，虽然还有余温，却已透出些许凉意。目睹他这样在睡梦中走完人生最后一程，我与金恩熙执事、李锡宇执事夫妇及其子女一道，在李镇九弟兄的遗体旁向神献上了赞美与敬拜。(回想大约 22 个月前，当李镇九弟兄的妻子——已故的崔正孝 (Choi Jeong-hyo) 长老——去世时，我们也曾与李锡宇执事夫妇一同在她的遗体旁敬拜神.....) 我们之所以能怀着感恩的心敬拜神，是因为神爱已故的李镇九老先生并拯救了他。他的子女们一直为他灵魂得救不断祷告；大约两年前，在他妻子崔长老的葬礼期间，神动工开启了李镇九老先生的心门，并将恩典赐予了他。我清楚记得，当时李镇九老先生在领悟了神的爱之后，曾与一位长老一同来到我家接受洗礼。就这样，神让已故的李镇九老先生在生命尽头接受了耶稣并

受洗，又在大约两年后将他接回天家。而且，他是安详地在睡梦中离世的。因此，我们怀着感恩的心向神献上了赞美与敬拜，在接下来的葬礼仪式上，我们也将继续这样做。这一切全凭神的恩典！

[2014 年 8 月 11 日]



大姨夫

这个周日的早晨，在去教堂之前，我先去了一趟养老院，探望我大姨的丈夫——

也就是我的姨夫。因为不知道他何时会咽下最后一口气——甚至预感到可能就是今天——

——

所以我特意前去探望。一进房间，我看到表妹（姨夫的小女儿）独自坐在椅子上。她一直在父亲身边守候，甚至彻夜未眠；我一直很担心她，但看到她状态尚好，心里感到很欣慰。在她的体贴安排下，我得以走到姨夫身边；看着他戴着氧气面罩却呼吸艰难的样子，我把手放在他的胸口，默默向神祷告。我决定像上个周日那样，在忙完教会的事务后再来探望他。到了教堂后，我从家庭群聊中得知他的血压已降至危险的低水平，于是向教会里一位身为医生的长老咨询了情况。这位长老视姨夫为亲人，他告诉我，今天很可能就是危急关头。因此，在下午的英语崇拜期间，我把手机放在口袋里，在崇拜开始前不断查看家庭群聊的消息更新。崇拜结束后，那位长老（他已利用午休时间去过养老院）告诉我，姨夫似乎已临近生命的终点，于是我手持圣经，径直赶往养老院。许多亲属已经聚在那里举行崇拜仪式；我和那位长老也加入其中，一同敬拜神。期间，主持崇拜的另一位姨夫（他是一位牧师）宣布，胜里长老会（Seungri Presbyterian Church）的主任牧师（即我本人）已经到达。他请我在讲道结束后接手主持崇拜，我谦

卑地应允了。我握着姨夫的左手，向神恳切祷告。随后，我们一同诵读了主祷文；就在诵读结束的那一刻，表妹说父亲似乎停止了呼吸。我找到护士，请她用听诊器检查是否有心跳。她匆匆拿来听诊器，检查了姨夫的心脏和眼睛，然后告知我们他已经去世了。就这样，大姨夫离开了我们。大姨告诉我，他在遗愿中将身后事的安排托付给了我——也就是“胜利长老会”的主任牧师。我那位同样身为牧师的三叔，生前也曾嘱托由我主持他的入殓仪式，甚至连讲道经文都已选定；如今，大姨夫也作了同样的安排……唉。殡仪馆的工作人员来接运遗体了。我再次走到安详长眠的姨夫身旁，轻触他的额头、脸颊和手。他的身体已经变凉，手部呈现出一种惨白色。我在心中轻声唤道：“姨夫……”

[2015年8月16日，星期日]



我们绝不可错失神所赐予我们的时光.....

周日上午，我探望了住进疗养院的挚爱大伯。我看见他戴着氧气面罩沉睡着。看着他那艰难的呼吸，我把手放在他的心口，向父神献上了祷告。

韩语礼拜结束后不久，我查看了家庭群聊的信息。得知他的家人们——子女和孙辈——正伏在他耳边，向这位挚爱的父亲和祖父诉说最后的告别之语。我还看到了一条来自小叔的信息，他目前远在埃及做宣教士；他请我们通过 KakaoTalk 转达他的临别赠言——“谢谢您，我爱您”。他正专程从埃及赶来，打算明天探望这位姐夫（或妹夫）.....但我担心，到那时大伯是否还健在。多年前，当小叔在印度服事时，曾赶回来希望能见因癌症病危的三伯最后一面，结果三伯在他赶路途中就去世了；最终，他只能参加葬礼，随后便返回了印度.....我担心这次历史会重演.....

我不禁想起《传道书》3 章 2 节的话语：生有时，死有时。“哭有时，笑有时；哀恸有时，跳舞有时”（第 4 节）。“爱有时，恨有时.....”（第 8 节）。

我深思着神所定的时刻。我们并非总有机会向挚爱的父母表达爱意，也并非总有时间去宽恕或请求宽恕.....我们绝不可错失神所赐予我们的时光.....

[2015 年 8 月 17 日]

我会想念他。

昨天，星期六，在为教会一位年长的会友举行最后的追思礼拜之前，我们继续赞美神。我鼓励这位会友的家人和亲友走到躺在临终关怀病床上的他身边，向他道别。首先，一位年长的女执事，一边痛哭流涕地向她挚爱的丈夫告别，一边在他耳边轻声说道。接着，他唯一的女儿，和她的母亲一起照顾他多年，也一边流泪一边向她挚爱的父亲道别。大家依次对着昏迷的老人说了几句话后，我们把那间病房当作敬拜神的圣所，献上赞美和敬拜。礼拜结束后，除了家属之外，所有人都离开了临终关怀病房；然而，大约三个小时后，我收到了那位姐妹通过 KakaoTalk 发来的消息。她说，我们敬爱的圣徒已经安详地睡去，现在正被神拥抱。后来，他又发来一条 KakaoTalk 消息，内容如下：“牧师，非常感谢您。每次我请求您帮忙，您都会来，用赞美和神的话语安慰爸爸和我们全家，让我们能够安详地将爸爸送回天父的怀抱。爸爸最后的影像是安详的。我很欣慰。”

我感谢神，谢谢您。今天是星期天，我正准备去教堂。当我坐在圣殿最后面，手捧一杯咖啡时，我想我会想起那位敬爱的长者的空位。我会想起他和心爱的女儿在唱诗班最后一排一起赞美神。我会想念他。

[2016 年 11 月 21 日]



崔本南 (Choi Bun-nam) 女士

在复活节主日的联合崇拜结束后，大家正互相问候、握手致意，我走向了年逾八旬的崔本南女士，向她问好。她看着我，脸上洋溢着灿烂的笑容说道：“不知道主什么时候会接我回天家？”那一刻的情景至今仍历历在目。她早年丧夫，六个子女中有两个已先她而去；不久前，她早晨去叫醒与自己同住的儿子时，发现他已身体冰冷、毫无气息——这桩悲剧令她痛哭失声。在那位儿子的葬礼后，她曾对我说：“我对神心怀怨怼。”我无法想象，一位母亲不得不亲手安葬六个子女中的三个，内心该是何等痛楚……然而，每当回想起那次复活节崇拜后，崔女士在表达对天堂的向往时所露出的笑容，我心中便充满了喜乐。

[2013 年] 4 月 1 日

怀念已故的崔本南女士

“我前往崔本南女士——我们教会一位深受爱戴的会友——

居住的公寓探望她。虽然我原以为可能会扑个空，但幸运的是，我在庭院里偶遇了她，于

是我们一同上楼回到了她的住处。落座后，她从冰箱里取出一瓶水；随后，她移开了一张吃了一半的绿豆饼，把压在下面的一张完好的绿豆饼递给了我。她毫无胃口，几乎吃不下东西；因饱受眩晕和剧烈疼痛的折磨，她感叹道，与其这样活着，倒不如死了痛快。我对她说：‘我们将与主一同在天堂永生——

那是一个没有痛苦、孤独、悲伤和死亡的地方。’听了这话，她说自己希望能早日去往那个天堂。我问道：‘您相信耶稣，对吗？’她回答说：‘我相信。’”听了她的信仰告白后，我从椅子上站起来，走到她身边，双手按在她的肩上，向神祷告。当我转身走向门口时，她试图跟上来，呼唤着：“牧师……”于是我回过身拥抱了她。她依偎着我啜泣，我紧紧地拥抱着她，给予她安慰。

[2017 年 9 月 5 日]



结语

死亡是我们所有人的最终归宿，无人能免。因此，我们必须深刻且反复地反思自身的必死性。为此，我们应当更愿意参加葬礼而非婚礼。在参加葬礼时，我们不仅要思考自己的死亡，更要思考应当如何生活，以及如何为生命画上一个有意义的句号。此外，即便在面对亲人的离世时，我们也必须认真思考何为圣徒之死——即在神眼中宝贵而美好的死亡。

若要经历这样宝贵而美好的死亡，我们必须确立正确的死亡观。在这一观念与圣经教导的指引下，我们要学会如何在神赐予的世间岁月中生活，并明确生活的目的。我们要基于对耶稣基督之死与复活的坚定信仰，活出主托付给每个人的使命。当然，践行这一使命难免伴随着苦难与逆境。然而，我们要像使徒保罗那样，视主所托的使命重于自己的生命；我们要准备好为完成使命而直面死亡，并怀着对未来荣耀的盼望，在任何艰难困苦中勤勉忠心地劳作。我们或许会像希西家王那样，面临危及生命的疾病。在那种时刻，当我们深切体会到人的软弱并恳切寻求神的帮助时，若神赐予我们延长的生命，我们就更当秉持正确的死亡观，矢志不渝地履行使命，单单为主而活。我们要像一粒麦子那样，燃烧着使命感

这是一条必然需要付出牺牲的道路。我们要将这种牺牲也视为神的恩典，并切切渴慕即便通过我们的死亡，也能彰显出耶稣基督的馨香与神的荣耀。

作为怀有复活盼望的人，即便在面临生死抉择的关头，我们也当向神献上感恩，活出尊荣耶稣基督的生命，直到祂召我们归回天家的那一刻。为此，我们在离世之前，必须宽恕所有需要宽恕的人，并与所有需要和解的人达成和解。此外，我们必须珍惜所拥有的时光，遵照主的话语生活——

日益加深对神和邻舍的爱。我们绝不可做任何令自己后悔的事。我们要深刻领悟，生命中唯有真诚的爱才最有意义；因此，我们要以主那胜过死亡的爱，去爱我们的家人、教会肢体和邻舍。如此，当主呼召我们时，我们便能在完成世上的使命并与亲人妥善道别后，安息在主的怀抱中。我恳切祈祷，当我们离开这个世界时，我们在世上那以基督为中心的生活，能成为家人、教会肢体及周围所有人心中美好的回忆。

